नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

पीएम नरेन्द्र मोदी को मिला सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान

• बोकारो, सोमवार 29 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 43 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

एम्स में पहली बार सफल हुई ओपन हार्ट सर्जरी

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। एम्स देवघर ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए सफलतापूर्वक ओपन हार्ट सर्जरी की है। संस्थान में पहली बार संपन्न हुई इस जटिल सर्जरी को चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। यह सफलता कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग के डॉ रजत अग्रवाल और एनेस्थीसियोलॉजी विभाग के डॉ संजय कुमार के कुशल नेतृत्व में संभव हो सकी। दोनों चिकित्सकों के मार्गदर्शन में सर्जिकल टीम ने जटिल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

जमीन को लेकर सगे भाइयों में चाकूबाजी

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। सतगावां थाना क्षेत्र में पिरवैया जंगल के पास जमीनी विवाद को लेकर सगे भाई ने अपने ही भाई पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान समेडीह निवासी 30 वर्षीय दीपक कुमार के रूप में हुई है। वहीं आरोपी का नाम पवन कुमार है। दोनों चंद्रिका प्रसाद यादव के बेटे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों भाइयों के बीच पैतृक जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस विवाद को सुलझाने के लिए गांव स्तर पर कई बार पंचायत भी हुई लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बिरनी प्रखंड अंतर्गत बलिया पंचायत के पहरियाडीह टोला गढ़ावा गांव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान अमीर अंसारी की पत्नी गुड़िया खातून के रूप में हुई है। महिला का शव उसके घर के अंदर दुपट्टे के फंदे से लटका हुआ मिला। हालांकि शव की स्थिति और नाक से खून निकलने की बात सामने आने के बाद मामला और भी संदिग्ध हो गया है। स्थानीय लोगों के बीच इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

विवाहिता ने फांसी लगा की आत्महत्या

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित सलगाझरी फाटक के पास शनिवार रात एक विवाहिता ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुटी गई। मृतका की पहचान सोनी देवी, पति देव कुमार शर्मा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जें में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री ने लिया प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जोन्हा फॉल का जायजा

झारखंड प्रकृति का अनुपम उपहार : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पत्नी कल्पना सोरेन और परिवार व करीबी मित्रों के साथ प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जोन्हा फॉल पहुंचें। उनके साथ सिल्ली की पूर्व विधायक सीमा महतो भी मौजूद थीं। करीब छह घंटे तक उन्होंने जोन्हा फॉल में समय बिताया और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि हरी-भरी वादियों के बीच कुछ सुकून भरे पल बिताने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने स्थानीय फलों का स्वाद लिया और आसपास के लोगों से आत्मीय बातचीत भी की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि जोन्हा फॉल की निर्मल जलधारा, घने जंगलों की हरियाली और पहाड़ों का शांत सौंदर्य यह

एहसास कराता है कि झारखंड प्रकृति का अनुपम उपहार है। उन्होंने कहा कि राज्य की यह प्राकृतिक धरोहर सभी की साझी विरासत है, जिसे संरक्षित और सुरक्षित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। हेमंत सोरेन ने लिखा कि झारखंड के किसी भी हिस्से में जाएं, प्रकृति अपने अलग-अलग रंगों में हर आगंतुक का स्वागत करती है। उन्होंने देशभर के पर्यटकों को झारखंड आने का आमंत्रण देते हुए कहा कि राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव हर सैलानी के लिए यादगार रहेगा। जोन्हा फॉल के मनोरम दृश्य को निहारते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता उन्हें बार-बार अपनी ओर आकर्षित करती है। उन्होंने कहा कि यह स्थल पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरपूर है लेकिन समय के अनुरूप इसका अपेक्षित विकास नहीं हो सका है। उन्होंने जोन्हा फॉल को और बेहतर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान कल्पना सोरेन ने झरने के मनमोहक दृश्य के बीच तस्वीरें और सेल्फी भी लीं तथा आसपास के प्राकृतिक वातावरण का आनंद उठाया। उनके दौरे को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए जोन्हा फॉल जाने वाले दोनों मार्गों पर आम पर्यटकों की आवाजाही रोक दी गई। रविवार होने के कारण बड़ी संख्या में पर्यटक फॉल घूमने पहुंचे थे लेकिन प्रवेश प्रतिबंधित होने से कई लोगों को लौटना पड़ा।

शराब घोटाले में पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित को समन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के कथित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच तेज कर दी है। एजेंसी ने पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव तथा उनके पुत्र रोहित उरांव को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। दोनों को निर्धारित तिथि पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ईडी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इसी मामले में उत्पाद विभाग के सेवानिवृत्त आयुक्त अमित प्रकाश को भी समन भेजा गया है। ईडी कथित शराब घोटाले में रामेश्वर उरांव और रोहित उरांव की संभावित भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही छत्तीसगढ़ की कुछ कंपनियों को झारखंड में शराब कारोबार में प्रवेश दिलाने से जुड़े आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज मामले को अपने हाथ में लेने के बाद ईडी ने इसीआइआर-10/2025 दर्ज कर जांच शुरू की थी। इससे पहले एजेंसी इस मामले में गिरफ्तार कई आरोपियों से पूछताछ कर चुकी है। वहीं पूर्व में ईडी ने रांची के बरियातू स्थित रामेश्वर उरांव के आवास पर भी छापेमारी की थी। राज्यसभा चुनाव के बाद जहां झारखंड की राजनीतिक गतिविधियां कुछ शांत होती नजर आ रही थीं वहीं ईडी की इस कार्रवाई ने एक बार फिर सियासी हलकों में हलचल बढ़ा दी है। समन जारी होने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली दौरे को लेकर भी विभिन्न राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही हैं। फिलहाल ईडी की ओर से समन के संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। वहीं रामेश्वर उरांव या उनके पुत्र रोहित उरांव की ओर से भी इस मामले में अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

दो दुकानों में लगी भीषण आग, 20 लाख की क्षति की आशंका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। जिले के कुंडा थाना क्षेत्र स्थित कुंडा मोड़ पर रविवार अहले सुबह भीषण आग लगने से दो दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने दुकान मालिकों और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अग्निशमन विभाग की टीम करीब एक से डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंची तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी और दूसरी दुकान को भी अपनी चपेट में ले चुकी थी। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। पहली दुकान 'उषा ट्रेड' के संचालक संजय कुमार ने बताया कि उनकी दुकान में हार्डवेयर और प्लाइवुड का सामान रखा था। प्लाइवुड होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरा सामान जलकर राख हो गया। उनके अनुसार इस हादसे में करीब 15 से 16 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी दुकान 'शिव शक्ति स्टोर' के संचालक राजेश ने बताया कि उनकी दुकान में रखा पूरा सामान आग में नष्ट हो गया। उन्होंने भी कई लाख रुपये के नुकसान की बात कही। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग सुबह के समय लगी जब अधिकांश लोग सो रहे थे। लोगों ने बताया कि जब तक लोगों की नजर आग पर पड़ी तब तक लपटें काफी तेज हो चुकी थीं। फिलहाल आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हालांकि शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

देवर ने की गर्भवती भाभी और भतीजी की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र के मारिया साईं टोला में गर्भवती महिला और उसकी आठ वर्षीय बेटी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान 30 वर्षीय नानिका बिरुवा और उनकी पुत्री शर्मिला बिरुवा के रूप में हुई है। घटना के समय महिला का पति दखल सिंह बिरुवा खेत में काम करने गया हुआ था। इसी दौरान घर में घुसकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। दोहरी हत्या की इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी रमाय बिरुवा मृतका का देवर है। घटना के समय वह नशे में था। बताया जा रहा है कि घर पहुंचने के बाद किसी बात को लेकर पारिवारिक विवाद हुआ जिसके बाद रमाय ने गुस्से में आकर कुल्हाड़ी उठा ली। इसके बाद भाभी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीच में आई आठ

वर्षीय बेटी शर्मिला को भी उसने नहीं छोड़ा और उस पर भी वार कर दिया। हमले की गंभीरता ऐसी थी कि मां-बेटी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी गांव में आग की तरह फैल गई। घटना की सूचना मृतका की दूसरी बेटी तुलसी बिरुवा ने खेत में जाकर अपने पिता दखल सिंह को दी। जब दखल सिंह घर पहुंचे तो आरोपी ने उन पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि दखल सिंह ने खुद को बचाने के लिए पास में पड़ा पत्थर उठा लिया जिसके बाद आरोपी वहां से जंगल की ओर भाग गया। इस दौरान बीच-बचाव करने आए कांडे बिरुवा पर भी आरोपी ने कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना गांव के मानकी द्वारा पुलिस को दी गई, जिसके बाद मंझारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, चाईबासा भेज दिया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जंगल में छापेमारी की। जहां से आरोपी रमाय बिरुवा को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को ही हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है। वहीं आरोपी के नशे में होने की भी पुष्टि की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से गयी शिक्षक की जान

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। सीआईसी सेक्शन के बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड के छिपादोहर रेलवे स्टेशन के समीप एक व्यक्ति की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हो गयी। उसका शव रविवार को पोल संख्या 248/16 के पास बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही छिपादोहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शव की पहचान उत्क्रमित उच्च विद्यालय, मैक्लुस्कीगंज, निंद्रा (चंदवा) के सहयोगी शिक्षक सुनील कुमार के रूप में की गयी है। छिपादोहर थाना प्रभारी याकिन अंसारी और उनकी टीम मामले की पड़ताल कर रही है। जांच टीम में आरपीएफ सब इंस्पेक्टर आरके मिंज, हेड कॉन्स्टेबल जेके मीणा और कॉन्स्टेबल रामभरोसी मीणा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं।

तमिलनाडु में गैस लीक से झारखंड के मजदूर की मौत

रांची(नबिटा ब्यूरो)। तमिलनाडु के एक औद्योगिक प्रतिष्ठान में अमोनिया गैस रिसाव की घटना में झारखंड के एक मजदूर की मौत हो गई जबकि दो अन्य श्रमिकों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद वहां कार्यरत झारखंड के 39 मजदूरों में दहशत का माहौल है। मजदूरों का आरोप है कि हादसे के बाद कंपनी के ठेकेदार ने उन्हें एक कमरे में बंद कर रखा है और बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सभी मजदूरों ने राज्य सरकार से सुरक्षित झारखंड वापस लाने की गुहार लगाई है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने तमिलनाडु सरकार और संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सभी मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, उन्हें सकुशल झारखंड वापस लाने तथा मृतक मजदूर के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उसके पैतृक गांव पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा है। बताया जा रहा है कि अमोनिया गैस रिसाव के बाद मजदूरों में भय और दहशत का माहौल है। परिजनों की चिंता भी बढ़ गई है और वे लगातार राज्य सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

बिल्डर शुभम को एसीबी ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची के राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की बहुचर्चित और बेशकीमती सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसीबी की टीम ने लकी कंस्ट्रक्शन के संचालक और नामचीन बिल्डर शुभम साबू को नेशनल गली स्थित उसके आवास से सुबह-सुबह हिरासत में लिया है। टीम उसे तुरंत अपने साथ मुख्यालय ले गई है जहां इस महाघोटाले को लेकर सघन पूछताछ जारी है। हालांकि एसीबी के आला अधिकारियों ने अभी तक आधिकारिक तौर पर बिल्डर की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है और इसे केवल हिरासत में लेकर पूछताछ की कार्रवाई बताया है। इस पूरे जमीन घोटाले का एक और मुख्य मास्टरमाइंड प्रमोद महतो फिलहाल पुलिस और एसीबी की पकड़ से बाहर है। आरोप है कि प्रमोद महतो ने ही रिम्स की इस विवादित जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी अपने नाम पर ली थी। एसीबी उसके खिलाफ अदालत से गिरफ्तारी वारंट भी हासिल कर चुकी है जिसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा है। खुद को कानून के शिकंजे से बचाने के लिए प्रमोद महतो ने एसीबी की विशेष अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी भी दाखिल की है जिसपर कोर्ट में सुनवाई होनी है। रिम्स की इस जमीन से जुड़ा यह मामला बेहद गंभीर और बड़े पैमाने पर की गई जालसाजी का है। अब तक की जांच में यह साफ हो चुका है कि मोरहाबादी मौजा की 8 एकड़ और कोकर मौजा की 1.65 एकड़ को मिलाकर कुल 9.65 एकड़ सरकारी जमीन पर एक संगठित भू-माफिया सिंडिकेट ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा था। राजधानी के इस पॉश इलाके में स्थित इस पूरी जमीन की मौजूदा बाजार कीमत 100 करोड़ रुपये से भी अधिक आंकी जा रही है जिसे फर्जी दस्तावेजों के सहारे हड़पने की साजिश रची गई थी। एसीबी की जांच में यह भी चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि हिरासत में लिए गए बिल्डर ने इस सरकारी जमीन पर नियम-कानूनों को ताक पर रखकर एक आलीशान अपार्टमेंट का निर्माण करा दिया था। इस अवैध कंस्ट्रक्शन में कथित रूप से लगभग 14 करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश किया गया था। जांच एजेंसी अब कड़ाई से यह पता लगाने में जुटी है कि रिम्स की इस जमीन के अवैध धंधे से इस सिंडिकेट, बिल्डर और इसमें शामिल अन्य सफ़ेदपोश आरोपियों ने कुल कितनी काली कमाई की है और इसमें किन-किन अधिकारियों की मिलीभगत थी।

कैंसर की सस्ती दवाओं और डिजिटल हेल्थ फंड के लिए केंद्र से मदद मांगेगा झारखंड : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों का सम्मेलन 29 जून से एक जुलाई तक आयोजित होगा। इस सम्मेलन में झारखंड से स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी सम्मिलित होंगे। इसमें झारखंड की ओर से कैंसर मरीजों को रियायती दर पर दवा उपलब्ध कराने की मांग केंद्र से की जाएगी। साथ ही नए मेडिकल कालेज, आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय, डिजिटल हेल्थ सिस्टम में भी आर्थिक सहायता की मांग स्वास्थ्य मंत्री करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में होनेवाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य देशभर में डिजिटल हेल्थ सिस्टम, स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण, मेडिकल शिक्षा के विस्तार, स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा आम जनता तक बेहतर, पारदर्शी और हाईटेक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर व्यापक मंथन करना है। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें एवं प्रस्ताव रखेंगे। इरफान अंसारी के अनुसार झारखंड के सभी जिलों में मेडिकल कालेज की स्थापना एवं दो जिलों में लंबित प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध केंद्र से किया जाएगा। डिजिटल हेल्थ सिस्टम को जिला स्तर से लेकर राज्य मुख्यालय तक पूरी तरह लागू करने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग करने का भी केंद्र से अनुरोध किया जाएगा ताकि लोगों को पारदर्शी, त्वरित एवं हाईटेक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

झारखंड में 61 लाख बच्चों को पोलियो खुराक पिलाने का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को सदर अस्पताल, रांची में महापौर रोशनी खलखो ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार समेत कई स्वास्थ्य अधिकारी एवं चिकित्सक मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से भारत में पोलियो का कोई मामला सामने नहीं आया है। यह उपलब्धि स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत और लोगों की जागरूकता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अब भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों का समय पर टीकाकरण कराना बेहद जरूरी है। महापौर रोशनी खलखो ने कहा कि भारत को पोलियो मुक्त बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण की पहुंच सुनिश्चित करना

आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों के समर्पण की सराहना करते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत अस्पतालों, आंगनबाड़ी केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष व्यवस्था की गई है। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि देश को पोलियो मुक्त बनाने में स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने सदर अस्पताल में बेहतर होती स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल को और सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि झारखंड में इस वर्ष लगभग 61 लाख बच्चों को 24,507 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून यानी आज बूथ दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएंगे। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष टीमें तैनात की गई हैं। राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. विजय किशोर रजक ने कहा कि पोलियो उन्मूलन की सफलता को बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण और सतर्कता आवश्यक है। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 से 30 जून तक चलेगा। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाकर

C M Y K

पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला, जनभागीदारी से साकार होगा ग्राम स्वराज : रामकृपाल यादव

जिला की सभी पंचायतों में पंचायत विकास शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय नगर। बिहार सरकार की पहल पर प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले "पंचायत विकास दिवस" के तहत रविवार को जिले की सभी पंचायतों में पंचायत विकास शिविर लगाए गए। वीरपुर प्रखंड की नौला ग्राम पंचायत में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री रामकृपाल यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर नगर विधायक कुंदन कुमार, जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पुलिस अधीक्षक मनीष सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में निहित है और ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास एवं सुशासन की आधारशिला हैं। उन्होंने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपने का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब प्रत्येक ग्रामीण विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में प्रत्येक माह पंचायत विकास दिवस मनाने का निर्णय ग्रामीण विकास को नई दिशा देने वाला कदम है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के अनुरूप पंचायतों को अधिकार, संसाधन और आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाया जा रहा है। ई-ग्राम स्वराज एवं पंचायत बिहार पोर्टल के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। उन्होंने बताया कि बेगूसराय में प्राप्त 20,694 आवेदनों में से 19,102 का निष्पादन कर 92 प्रतिशत से अधिक सफलता हासिल की गई है। उन्होंने किसानों से पैक्स, सहकारी समितियों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इससे कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर तेघड़ा विधायक रजनीश कुमार तथा बेगूसराय के प्रभारी सचिव कुंदन कुमार ने भी विभिन्न पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया।

दुष्कर्म पीड़िता को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन होगा तेज : शशि यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय नगर। बेगूसराय। भाकपा (माले) के पोलित ब्यूरो सदस्य, जिला प्रभारी सह विधान पार्षद शशि यादव ने रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में राज्य की कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में फर्जी मुठभेड़ और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं तथा अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। शशि यादव ने कहा कि बेगूसराय की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है। उनका आरोप था कि पीड़िता द्वारा पहली घटना की शिकायत पुलिस से किए जाने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं की गई, जिसके कारण बाद में उसके साथ दोबारा सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन की लापरवाही और संवेदनहीनता के कारण ऐसी घटनाएं दोहराई जा रही हैं। उन्होंने भाजपा के सांसदों और विधायकों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनकी चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पार्टी सड़क से लेकर सदन तक पीड़िता को न्याय दिलाने की लड़ाई जारी रखेगी और इस मामले को विधान परिषद में भी उठाया जाएगा। प्रेसवार्ता से पूर्व शशि यादव ने अस्पताल पहुंचकर दुष्कर्म पीड़िता से मुलाकात की और उसके परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को 11 माह से मानदेय नहीं मिलने और स्वास्थ्य व्यवस्था की समस्याओं का भी मुद्दा उठाया। प्रेसवार्ता में भाकपा (माले) जिला सचिव दिवाकर प्रसाद, खेग्रामस जिला सचिव चंद्रदेव वर्मा, किसान महासभा के जिला अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, सचिव बैजू सिंह तथा राजेश श्रीवास्तव मौजूद रहे।

श्रीराम-जानकी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न, हजारों श्रद्धालुओं ने किया दर्शन-पूजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

तेघरा (बेगूसराय)। नगर परिषद क्षेत्र के दीनदयालपुर स्थित एनएच-28 चौक के श्रीराम-जानकी राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्रीराम कथा का रविवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में समापन हो गया। समापन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने नवप्रतिष्ठित विग्रहों के दर्शन-पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। यह महोत्सव परम पूज्य साकेतवासी महंत श्री 108 राम नारायण दास जी महाराज की पुण्य स्मृति को समर्पित रहा। श्रद्धालुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित आध्यात्मिक परंपरा आज इस भव्य आयोजन के रूप में साकार हुई है। समापन समारोह में बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के सदस्य हेमराज मुख्य अतिथि, जबकि तेघरा के अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार एवं विधायक रजनीश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने नव-निर्मित मंदिर का अवलोकन कर इसकी भव्यता की सराहना की और कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र समाज में संस्कार, सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। मंदिर न्यास समिति के अध्यक्ष महंत रामसेवक दास महाराज (मौनी बाबा), कोषाध्यक्ष भगवान राम तथा मुख्य आयोजक रामबली सिंह सहित समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि रामबली सिंह के समर्पण, दूरदृष्टि और अथक प्रयासों से यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। समापन अवसर पर न्यास समिति ने आगामी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को और अधिक भव्य रूप से आयोजित करने की घोषणा करते हुए तेघरा को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनाने का संकल्प दोहराया।

संत कबीर की 628वीं जयंती पर कबीर ज्ञान महायज्ञ का शुभारंभ, धर्म जागरण शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। संत सम्राट सद्गुरु कबीर साहब की 628वीं जयंती के अवसर पर रविवार को श्री कबीर ज्ञान मंदिर में आयोजित 'कबीर ज्ञान महायज्ञ' का भव्य शुभारंभ धर्म जागरण शोभायात्रा के साथ हुआ। आकर्षक झांकियों, प्रेरक नारों और कबीर साहब के जयघोष के बीच निकली शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण कर पुनः कबीर ज्ञान मंदिर पहुंची। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया शोभायात्रा के बाद कबीर भजन सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें कबीर साहब एवं सनातन धर्म पर आधारित सुमधुर भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात संतों एवं भक्तों के प्रवचन हुए तथा परम वंदनीय सद्गुरु माँ ज्ञान ने अपने दिव्य उद्बोधन में कहा कि सद्गुरु कबीर की वाणी और वेदों की शिक्षाओं में अद्भुत समानता है। उन्होंने कहा कि कबीर ने समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार करते हुए कर्म, सच्ची भक्ति और मानवता का संदेश दिया। बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि श्रेष्ठ कर्म ही वास्तविक भक्ति का परिचायक है कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने "तूने हीरा जन्म गवाया, भजन बिन बावरे" भजन पर भावनृत्य प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी। वहीं देशभक्ति पर आधारित नृत्य और 'मन से संघर्ष' नामक नाटक का मंचन भी आकर्षण का केंद्र रहा इस अवसर पर आध्यात्मिक जगत की प्रतिष्ठित विदुषी सद्गुरु माँ ज्ञान द्वारा रचित नवीन ग्रंथ 'संत कबीरः भक्त या भगवान' तथा 'कबीर रमैनी में सत्य का शंखनाद' का लोकार्पण धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के करकमलों द्वारा किया गया अपने संबोधन में सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि सद्गुरु माँ अब तक लगभग 85 पुस्तकों की रचना कर चुकी हैं, जिनमें सनातन धर्म एवं कबीर दर्शन के गूढ़ विषयों का विस्तृत विवेचन है। उन्होंने कहा कि सद्गुरु माँ विश्व की पहली महिला संत हैं जिन्होंने संपूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्यायों पर भाष्य लिखा है। उन्होंने कबीर ज्ञान मंदिर द्वारा आयोजित इस प्रकार के आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए इसकी सराहना की आयोजकों ने बताया कि सोमवार को संत कबीर साहब के लोकप्राकट्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर बीजक ग्रंथ का पाठ, यज्ञ-हवन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

गिरिडीह के सभी 13 प्रखंडों में लगेगा ड्राइविंग लाइसेंस कैंप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिला परिवहन पदाधिकारी, गिरिडीह ने जिले के सभी 13 प्रखंडों में प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप आयोजित करने का कार्यक्रम जारी किया है। यह कैंप 1 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक संबंधित प्रखंड परिसर में आयोजित होंगे। प्रत्येक कैंप सुबह 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक चलेगा। कैंप में ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित आवेदन, दस्तावेजों की जांच तथा नियमानुसार लाइसेंस निर्गत करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी बीडीओ, सीओ, थाना प्रभारियों एवं चिकित्सा पदाधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था एवं व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है प्रखंडवार कैंप की तिथियां इस प्रकार हैंः बेंगाबादः 1 एवं 2 जुलाई 2026 जमुआः 4 एवं 6 जुलाई 2026 तिसरीः 8 एवं 9 जुलाई 2026 देवरीः 10 एवं 11 जुलाई 2026 गावांः 14 एवं 15 जुलाई 2026 धनवारः 17 एवं 18 जुलाई 2026 गिरिडीह सदरः 21 एवं 22 जुलाई 2026 पीरटांड़ः 24 एवं 25 जुलाई 2026 डुमरीः 27 एवं 28 जुलाई 2026 बगोदरः 31 जुलाई एवं 1 अगस्त 2026 बिरनीः 4 एवं 5 अगस्त 2026 सरियाः 7 एवं 8 अगस्त 2026 गांडेयः 12 एवं 13 अगस्त 2026 जिला परिवहन पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों से कैंप का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने का अनुरोध किया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। साथ ही नवसिखुआ ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट के लिए प्रखंड सभागार उपलब्ध कराने, बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा प्रज्ञा केंद्र संचालकों को दस्तावेज अपलोड एवं ऑनलाइन शुल्क जमा कराने में सहयोग देने का निर्देश दिया गया है इसके अलावा सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारियों को कैंप के दिन आवेदकों के ब्लड ग्रुप परीक्षण एवं फिजिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए एक लैब टेक्नीशियन और एक एमबीबीएस चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

किसान सलाहकार संघ की बैठक संपन्न

बेगूसराय/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रदेश एससी-एसटी किसान सलाहकार संघ के बैनर तले एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश राम भाई की अध्यक्षता में जिला के केंद्र में स्थित प्रतिष्ठित सर गणेश दत्त (जीडी) महाविद्यालय के प्रांगण स्थित अशोक वाटिका में आहूत की गई। बैठक में बेगूसराय किसान सलाहकार संघ के प्रखंड सहयोग समिति के गठन और किसानों के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की मुख्य अध्यक्षता दिनेशराम भाई ने की। जिसमे दर्जनों किसान सलाहकारों की रही मौजूदगी। इस बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसान सलाहकारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और संघ की मजबूती को लेकर अपने-अपने विचार साझा किए। मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित रहने वाले किसान सलाहकारों में निम्नलिखित नाम शामिल हैं।इस अवसर पर किसान सलाहकार रणधीर कुमार, गोविंद कुमार, विजय कुमार, अमित कुमार, राजीव कुमार, प्रेमचंद गुप्ताचंदन कुमार, मनीष कुमार, सज्जन कुमार,अमर कुमार, जटाशंकर कुमार, मुकेश कुमार, जनार्दन ठाकुर बैठक के अंत में सर्वसम्मति से प्रखंड सहयोग समिति के विस्तार और आगामी कार्ययोजना को लेकर रणनीति तैयार की गई।

झारखंड छात्र मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

गिरिडीह/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड छात्र मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक रविवार को झामुमो जिला कार्यालय, गिरिडीह में जिला अध्यक्ष अभय कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान को गति देने, छात्र हितों से जुड़े मुद्दों तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में मुख्य रूप से झामुमो के जिला अध्यक्ष संजय सिंह एवं गिरिडीह के डिप्टी मेयर सुमित कुमार के साथ टूना सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने पर बल देते हुए छात्र हित के मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया बैठक में जिला सचिव विशाल झा, जिला उपाध्यक्ष सुमेर वर्मा, रोहित मंडल, रौनक मिश्रा, कोषाध्यक्ष आदित्य, सचिव आर्यन वर्मा, विनय हसदा, संगठन मंत्री सूरज मंडल, जेबा नाज, बिट्टू यादव, बंटी वर्मा, गौरव सिंह, राहुल, रंजन वर्मा, मारूफ आलम, खुशबू साहू सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान को प्रभावी बनाने तथा विभिन्न छात्र समस्याओं के समाधान के लिए रणनीति तैयार की गई। अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने छात्र हितों की रक्षा करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

एक नजर

शराब कांड में दो आरोपित गिरफ्तार

नावकोठी। नावकोठी थाना पुलिस ने शराब तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे दो आरोपितों को शनिवार की रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान थाना क्षेत्र के पहसारा गांव निवासी लाभों सिंहका पुत्र अंकित कुमार एवं ललन सिंह का पुत्र केशव कुमार के रूप में हुई है। रविवार को दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि तकनीकी अनुसंधान एवं गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार की रात दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। पुछताछ के दौरान शराब तस्करी से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों मामलों में फरार अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

अखाड़ा के पहलवानों ने दिखाए करतब

वीरपुर। प्रखंड के जिन्दपुर में मुहर्रम के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय मेले के दूसरे दिन जिला स्तरीय कलाबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में रजौरा, लरूआरा, चिलमिल, किरतौल, बरौनी सहित जिले की कई प्रसिद्ध टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने तलवारबाजी, भालाबाजी, बाना-बनेठी और लाठी खेल की पारंपरिक एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन बेगूसराय के पूर्व मेयर आलोक कुमार अग्रवाल, डॉ. राजेश कुमार रौशन, राजद महिला प्रकोष्ठ महानगर जिलाध्यक्ष रीना जायसवाल, पूर्व जिला परिषद सदस्य सुल्ताना बेगम तथा मुखिया अशोक पासवान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर उपमुखिया अजीत महतो, पूर्व सरपंच ललन महतो, पूर्व मुखिया सुखराम महतो, वार्ड पार्षद शबाना बेगम और मुर्शिदा खातून सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का चादर एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक नवीन कुमार एवं आबिद ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन समिति के तौसीफ, आजम शहजादा, इसराफिल, शाहनवाज, अफरोज, साबिर, औरंगजेब, शाह हुसैन, कादिर सहित अन्य सदस्य आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहे। मेले में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। वहीं हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने कलाबाजी प्रतियोगिता के साथ-साथ ब्रेक डांस, नाव झूला, ड्रैगन झूला, मिक्की माउस सहित विभिन्न मनोरंजक झूलों का भी भरपूर आनंद उठाया।

राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई पंचायत बैठक

बेगूसराय। प्रखंड की बागवान पंचायत ने पंचायत बैठकों की शुरुआत राष्ट्रगान से करने की अनूठी पहल की है। पंचायत भवन में आयोजित आधिकारिक बैठक का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पहल की ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सराहना की जा रही है। बागवान पंचायत के मुखिया योगेंद्र राय ने बताया कि जिस प्रकार लोकसभा और विधानसभा की कार्यवाही राष्ट्र के प्रति सम्मान के साथ शुरू होती है, उसी भावना को ग्राम पंचायत स्तर पर भी अपनाया गया है। उनका कहना है कि ग्राम पंचायत लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है और गांवों का समग्र विकास ही राज्य एवं देश की प्रगति का आधार है। मुखिया ने कहा कि पंचायत की प्रत्येक बैठक की शुरुआत राष्ट्रगान से करने का उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यबोध एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करना है। इससे विकास संबंधी निर्णय अधिक जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के साथ लिए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि "ना लोकसभा, ना विधानसभा सबसे बड़ी ग्राम सभा" केवल एक नारा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति का प्रतीक है। ग्राम सभा वह मंच है, जहां आम नागरिक सीधे विकास संबंधी निर्णयों में अपनी भागीदारी निभाते हैं। बागवान पंचायत की यह पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि अन्य पंचायतें भी इस परंपरा को अपनाएं तो राष्ट्रहित, ग्राम विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

सिख पंथ के छठे गुरु गुरु हरगोबिंद साहिब जी का 431वां प्रकाश पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में रविवार को सिख पंथ के छठे गुरु, धन-धन श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का 431वां प्रकाश पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में विशेष दीवान का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में पिछले 48 घंटे से चल रहे अखंड पाठ साहिब की संपूर्णता के बाद विशेष कीर्तन दीवान आयोजित किया गया। स्थानीय रागी जत्था ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर संगत भाव-विभोर हो उठी। पूरे गुरुद्वारा परिसर में "बोले सो निहाल, सत् श्री अकाल" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बताया कि गुरु हरगोबिंद साहिब जी के प्रकाश पर्व को लेकर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कीर्तन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने गुरु के अटूट लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर लंगर सेवा डॉ. अमरजीत सिंह सलूजा एवं उनके परिवार द्वारा कराई गई इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा के प्रधान सेवक डॉ. सरदार गुणवंत सिंह मोंगिया, सचिव सरदार नरेंद्र सिंह शम्मी, डॉ. अमरजीत सिंह सलूजा, सरदार देवेंद्र सिंह, सरदार राजेंद्र सिंह, सरदार परमजीत सिंह दुआ, सरदार भूपेंद्र सिंह, प्रिंस सलूजा, सरदार चरणजीत सिंह सलूजा, कुशल सलूजा, सुधीर आनंद, रतन गुप्ता, बलजीत सलूजा सहित बड़ी संख्या में सिख समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ा ताजपुर पंचायत भवन, कब चलेगा सरकारी डंडा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। गांवों में विकास के लिए लोग पंचायत सचिवालय की ओर आस लगाए रहते है। यहां हालत ही उल्टे नज़र आ रहे है चौपारण प्रखंड के ताजपुर पंचायत भवन अपने परिसर में हुए अवैध अतिक्रमण के कब्जे से मुक्त होने के लिए प्रशासन को राह देख रहा है। वर्ष 2016 में अनुमंडल प्रशासन तथा प्रखंड प्रशासन के पहल से जी.टी रोड दुर्गा मंदिर परिसर में लगने वाला दैनिक सब्जी बजार को पंचायत भवन के बगल में नर्सरी में स्थानांतरित किया था । जिसमें स्पष्ट निर्देश था कि दैनिक सब्जी बाजार तथा दुकानें नर्सरी हेतु चयनित स्थल पर ही रहेगी। वर्तमान में स्थिति यह है कि नर्सरी में दैनिक बाजार के दायरा बढ़ता जा रहा है। कई दुकानदार ऐसे है कि स्थाई रूप से दुकान बना कर किराया भी वसूल रहे है। वहीं नर्सरी से सटे ताजपुर पंचायत भवन परिसर को भी चारों तरफ से अवैध दुकानों से अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया गया है। प्रखंड प्रशासन के उदाशीनता रवैया के कारण अतिक्रमणकर्ताओं का हौसला बुलंद हो गया है जिसका अनुमान ऐसे लगाया जा सकता है कि प्रखंड की सरकारी बाउंड्री को तोड़ कर वहां अवैध रूप से गुमटी बैठा दिया गया है। कई बार स्थानीय लोगों द्वारा अंचल अधिकारी सहित कई प्रखंड पदाधिकारी को आवेदन देकर हो रहे अतिक्रमण पर अंकुश लगाने का अनुरोध किया गया है परंतु स्थिति जस की तस बनी हुई है। आय दिन प्रखंड प्रशासन के अधिकारी इसी रास्ते से जाना आना करते है लेकिन अवैध अतिक्रमण को लेकर अपनी आँखे बंद कर लेते है। ब्लॉक मोड़ से सब्जी मार्केट तक आने जाने वाले रास्तों में अवैध अतिक्रमण से भीड़ भाड़ की स्थिति बनी रहती है। देर रात्रि होने के पश्चात् इन गुमटियों में अवैध नशीले सामग्री का भी कारोबार जोर शोर से चलता है। इस संबंध में भी स्थानीय ग्रामीण द्वारा आवेदन देकर इसकी शिकायत की गई । आवेदन में इन गुमटियों में गांजा, शराब, और नशीले सामग्री के बिक्री और होने वाले अड्डेबाजी पर अंकुश लगाने की लिए प्रखंड,जिला से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई गई है। स्थानीय निवासी मनीष रंजन ने बताया है कि सरकारी बाउंड्री को तोड़ कर गुमटी बिठाये हुए 15 दिन से अधिक हो गया है अंचल अधिकारी को आवेदन देकर इस संबंध में अवगत भी कराया गया है परंतु अब तक सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अब लगता है प्रखंड प्रशासन ही भगवान भरोसे बैठा है। जिला प्रशासन या सीधे राज्य के मुखिया से ही करवाई हेतु उम्मीद लगाई जा सकती है।

महानंदा नदी में स्नान के दौरान डूबी नौ वर्षीय बच्ची, मौत से गांव में मातम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद (कटिहार)। प्रखंड की दुर्गापुर पंचायत स्थित कमरुद्दीन टोला के पास महानंदा नदी के स्पर संख्या-42 के समीप स्नान के दौरान नौ वर्षीय एक बच्ची की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार बच्ची अपनी नानी के घर आई हुई थी। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे वह अपने साथियों के साथ महानंदा नदी में स्नान करने गई थी। स्नान के दौरान वह गहरे पानी में चली गई और देखते ही देखते डूब गई। साथ मौजूद बच्चों ने तत्काल इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन एवं ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और बच्ची की तलाश शुरू की। कई घंटे की खोजबीन के बाद उसका शव नदी से बरामद किया गया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। अंचल पदाधिकारी स्नेहा कुमारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महानंदा नदी में डूबने से बच्ची की मौत हुई है।

संक्षिप्त समाचार

पलामू के नौडीहा बाजार में बिजली कटौती, गर्मी में 4-5 घंटे की सप्लाई से लोग परेशान

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के नौडीहा बाजार के प्रखंड क्षेत्र में पारा 40 से 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है। इसी तपती गर्मी में अनियमित बिजली से लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक दिन और रात में कई-कई घंटे बिजली गुल रह रही है, जिससे लोगो के न केवल घरेलू जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि व्यवसायिक गतिविधियां और कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहा है। नौडीहा बाजार प्रखंड क्षेत्र के मायापुर पावर सब स्टेशन से पूरे प्रखंड क्षेत्र में मात्र 4 से 5 घंटे ही बिजली सप्लाई मिल रही है। दोपहर की चिलचिलाती धूप और रात के उमस भरे माहौल में बिजली न होने से बच्चे, बुजुर्ग और मरीज सबसे ज्यादा परेशान हैं। कूलर और एसी तो दूर, पंखे भी शोपीस बन चुके हैं। घरों में पानी का संकट भी गहरा गया है। इसके अलावा छोटे उद्योगों, दुकानों और वर्क फ्रॉम होम करने वाले लोगों का काम पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बिजली की कटौती से नरकीय जीवन जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। उमस भरी गर्मी और मच्छरों के तांडव से रात में भी लोग सही से नींद नहीं ले पा रहे हैं। विभाग में बात करने पर बताते हैं कि ऊपर से ही बिजली सप्लाई नहीं मिल रहा है। उधर, विभाग के अधिकारी इस गंभीर समस्या पर चुप्पी साधे हुए हैं और सिर्फ जल्द सुधार का खोखला आश्वासन दे रहे हैं।

जगन्नाथपुर में उत्पाद विभाग की छापेमारी, 22 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग ने कार्रवाई की है। उत्पाद विभाग ने जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 22 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की है। छापेमारी के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उत्पाद निरीक्षक निर्भय कुमार सिन्हा ने बताया कि विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के मूड़आई गांव में अवैध महुआ शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद उत्पाद विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से गांव में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मौके से 22 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की गई। छापेमारी के दौरान नवीन सरदार और कृष्णा सरदार को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। बरामद शराब को विभाग ने जब्त कर लिया है। उत्पाद निरीक्षक ने कहा कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि अवैध शराब के कारोबार से दूर रहें तथा कहीं भी इस तरह की गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल उत्पाद विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना दें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र और राज्य की खींचतान में फंसे झारखंड के 2।5 लाख आदिवासी विद्यार्थी, साल भर से छात्रवृत्ति बंद

रांची, एजेंसी। झारखंड में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति का लगभग 364 करोड़ रुपये केंद्र पर बकाया है। इस कारण विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की पूरी राशि नहीं मिल पायी है। इसमें प्री और पोस्ट दोनों छात्रवृत्ति की राशि शामिल है। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले की है। वर्ष 2025-26 की प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति का 28 करोड़ व पोस्ट मैट्रिक का लगभग 336 करोड़ रुपये बकाया है। इस बकाये राशि की मांग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने केंद्र से राशि की मांग की है। विभागीय मंत्री ने इस संबंध में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव से मिलकर राशि की मांग की है। पिछले वर्ष के बकाया के साथ-साथ चालू वित्तीय वर्ष के लिए भी केंद्रांश की राशि देने की मांग राज्य ने की है। केंद्र और राज्य सरकार की इस खींचतान में राज्य के ढाई लाख आदिवासी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति बंद है।राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्रांश की राशि नहीं मिलने पर अपने हिस्से की छात्रवृत्ति राशि का वितरण किया था। कल्याण विभाग ने राज्यांश से 40 फीसदी राशि की निकासी कर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी थी। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति : झारखंड सरकार ने कल्याण विभाग के अनुसार, वर्ष 2025-26 की प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति में केंद्रांश के रूप में पूर्व के वर्षों का एरियर मिलाकर लगभग 66 करोड़ रुपये की मांग 14 जुलाई 2025 को की थी। इसके बाद केंद्र सरकार के दिसंबर 2025 के पत्र के आलोक में संशोधित राशि 28 करोड़ रुपये की मांग की गयी।पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति : कल्याण विभाग के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्रांश के रूप में लगभग 336 करोड़ रुपये की मांग 14 जुलाई 2025 को केंद्र सरकार से की गयी थी।

धनबाद के निरसा में ठप पड़ा एलिवेटेड फ्लाईओवर का काम,

सांसद और विधायक में जुबानी जंग तेज

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा में करीब 400 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से बनने वाले एलिवेटेड फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पिछले डेढ़ महीने से पूरी तरह बंद है। विकास का यह बड़ा काम शुरू होने से पहले ही सियासत की भेंट चढ़ चुका है। इस ठप पड़े काम को लेकर धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो और निरसा विधायक अरूप चटर्जी के बीच राजनीतिक जंग तेज हो गई है। सांसद ढुल्लू महतो ने विधायक पर 'रंगदारी' का आरोप मढ़ा है, तो वहीं विधायक अरूप चटर्जी ने इसे स्थानीय लोगों के 'रोजगार और मान-सम्मान' की लड़ाई बताते हुए ठेकेदारों पर 'माफिया' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

सांसद ढुल्लू महतो का तीखा हमला

सांसद ढुल्लू महतो ने एक प्रेस वार्ता कर निरसा विधायक अरूप चटर्जी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने निरसा विधायक को अनुकंपा विधायक करार दिया है। सांसद ने कहा, ÷अरूप चटर्जी के पिता जब विधायक थे, उस समय भी मैं विधायक था। अरूप चटर्जी अनुकंपा पर विधायक बने हैं। ऐसे लोगों को जनता या जमीन के दर्द से कोई मतलब नहीं होता।÷ धनबाद सांसद ने दावा किया कि निरसा विधायक सरेआम बोल रहे हैं कि कंपनी वालों को उनसे मिलना चाहिए। अगर उन्हें रंगदारी चाहिए, तो वे खुलकर बोलें। सांसद ने आगे यहां तक कहा कि इस फ्लाईओवर को धरातल पर उतारने का पूरा प्रमाण उनके पास है। विधायक पैसा कमाने के लिए इस तरह का धंधा बना कर रखे हुए हैं। निरसा विधायक में इतनी हिम्मत नहीं है कि वे इस जनहित के काम को रोक सकें।

इधर, दो-तीन दिन पहले निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने भी मीडिया के सामने अपना रुख साफ करते हुए सांसद के दावों को खारिज किया है। विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि इस फ्लाईओवर के सैंक्शन (मंजूरी) होने में सांसद ढुल्लू महतो का कोई हाथ नहीं है। सांसद चुनाव से बहुत पहले ही इसका टेंडर और सारा काम हो चुका था। विधायक का आरोप है कि डेढ़ साल से काम चल रहा है, लेकिन मेन ठेकेदार कहीं और बैठा है। सब-कॉन्ट्रैक्ट किसी तीसरे को दे दिया गया है जो माफिया प्रवृत्ति के हैं। ये लोग स्थानीय लोगों को डरा-धमकाकर और दबंगई से काम करना चाहते हैं। स्थानीय लोगों को न बालू-गिट्टी की सप्लाई में और न ही मैनपावर में रोजगार दिया गया।

मान-सम्मान की बात÷ अरूप चटर्जी: अरूप चटर्जी ने कहा कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हमने रघुवर दास की सरकार के समय केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में मीटिंग की थी, तब यह पास हुआ था। लोकल एमएलए होने के नाते जो सम्मान मिलना चाहिए, वह नहीं मिला। जब तक मेन ठेकेदार सामने नहीं आता और स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिलता, तब तक काम नहीं होने दिया जाएगा। हम निरसा को माफिया नगरी नहीं बनने देंगे।÷

राजनीतिक बयानों से इतर धरातल पर काम बंद होने की मुख्य वजह स्थानीय विरोध है। निरसा में एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण को लेकर सबसे पहले सड़क किनारे बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई, जिसके बाद गार्ड वालिंग का काम शुरू हुआ। इसी दौरान भाकपा माले से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मोर्चा खोल दिया। उनकी मांग है कि स्थानीय बेरोजगारों को इस 400 करोड़ के प्रोजेक्ट में नियोजन (रोजगार) दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पेड़ों की कटाई के लिए विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र दिखाने और पर्यावरण से जुड़ी अन्य शर्तों को पूरा करने की मांग को लेकर काम रुकवा दिया। राजनीतिक रस्साकशी के कारण पिछले 45 दिनों से साइट पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

पोषण सखियों ने विधायक अरुप चटर्जी के सामने किया प्रदर्शन, 3 सूत्री मांग पत्र सौंपा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के सैकड़ों पोषण सखी अपनी तीन सूत्री मांगों को लेकर विधायक अरुप चटर्जी का घेराव व प्रदर्शन किया। साथ ही कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद विधायक श्री चटर्जी को मांग पत्र सौंपा गया। इस दौरान झारखंड राज्य एकीकृत पोषण सखी संघ के प्रदेश कमेटी के सदस्य, जिला कमेटी व निरसा प्रखंड कमेटी के सदस्य संयुक्त रूप से शामिल थे। पोषण सखी ने सर्वसम्मति से एक स्वर में विधायक के समक्ष अपने तीन सूत्री मांगों को पूरा करने के लिए नारे लगाए।संघ के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम विधायक श्री चटर्जी को ज्ञापन सौपा। मांगों में पोषण सखियों की मानदेय में वृद्धि, पहचान स्वरूप एक ड्रेस कोड लागू करने व सेविका के चयन में पोषण सखियों को प्राथमिकता देने सहित अन्य मांगें शामिल हैं। कहा गया कि जब तक मानदेय में वृद्धि नहीं की जाती है, तब तक सभी पोषण सखियों को मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना से जोड़ा जाए।विधायक श्री चटर्जी ने मांगों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए कहा कि बहुत जल्द रांची जाएंगे और समिति के अध्यक्ष होने के नाते आप लोगों की बातों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे और पूरा करवाएंगे। आप लोग निश्चिंत रहिए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अंजनी पासवान, प्रदेश महामंत्री पार्वती सोरेन, प्रदेश संरक्षक सोनी पासवान, जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे, जिला सचिव रक्षा कुमारी, प्रखंड अध्यक्ष अंजू गुप्ता, क्षमा मंडल, हीरामणि टुडू व अन्य शामिल थे।

प्रदेश में हर घर नल जल योजना की रफ्तार धीमी,

14 पिछड़े प्रखंडों में मात्र 29 ,433 घरों तक पहुंची पाइपलाइन

रांची, एजेंसी। झारखंड में जल जीवन मिशन के तहत चल रही हर घर नल जल योजना की प्रगति चिंताजनक है। देश के 100 सबसे पिछड़े प्रखंडों की सूची में झारखंड के 14 प्रखंड शामिल हैं, जहां पेयजल आपूर्ति की स्थिति खराब है। इन 14 प्रखंडों के कुल 3,40,291 घरों में से अब तक मात्र 29,433 घरों तक ही पाइपलाइन से शुद्ध पेयजल पहुंच सका है। यानी इन क्षेत्रों में औसत प्रगति केवल 8।65 प्रतिशत है।

सबसे बदतर स्थिति पलामू के मोहम्मदगंज प्रखंड की है, जहां 9,823 घरों में से सिर्फ 39 घरों तक ही पानी पहुंच पाया है। योजना के सात वर्ष बीत जाने के बाद भी राज्य के लगभग 27।89 लाख ग्रामीण परिवार आज भी प्राकृतिक जल स्रोतों पर निर्भर हैं। झारखंड के ग्रामीण इलाकों में कुल 62।52 लाख घर हैं, जिनमें से अब तक केवल 34।62 लाख घरों (55।38 प्रतिशत) को ही कवर किया जा सका है, जबकि इस योजना का राष्ट्रीय औसत 82।03 प्रतिशत है। इससे झारखंड करीब 26।65 फीसदी पीछे चल रहा है। वर्ष 2019 में शुरू हुई इस योजना की अवधि दिसंबर

2024 में समाप्त हो गई थी, जिसे केंद्र सरकार ने अब बढ़ाकर 2028 तक विस्तार दिया है।

जिलेवार प्रदर्शन की बात करें तो सिमडेगा की स्थिति राष्ट्रीय स्तर से भी बेहतर है। सिमडेगा में 92।93 प्रतिशत घरों (1,30,131 में से 1,20,932 घर) तक पानी पहुंचाया जा चुका है। वहीं, रांची, गुमला और पश्चिमी सिंहभूम जैसे जिलों में प्रगति 70 प्रतिशत से कम है। राज्य में सबसे खराब स्थिति पाकुड़ जिले की है, जहां मात्र 12।85 प्रतिशत और गोड्डा में केवल 19।33 प्रतिशत घरों तक ही नल का जल पहुंच पाया है।

रामगढ़ सड़क हादसा:डीसी-एसपी द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण

एनएचएआई को स्थायी सुरक्षा उपाय करने के निर्देश

रामगढ़, एजेंसी। जिला में रजरप्पा थाना क्षेत्र के बारलौंग में हुए भीषण सड़क हादसे, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई। इस हादसे के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

शुक्रवार को उपायुक्त ऋतुराज और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने राष्ट्रीय राजमार्ग-23 (रामगढ़-बोकारो) पर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान एनएचएआई की तकनीकी टीम भी मौजूद रही। अधिकारियों ने हादसे के कारणों का जायजा लेने के साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा इंतजामों की विस्तृत समीक्षा की।

इस निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने एनएचएआई को निर्देश दिया कि दुर्घटना संभावित स्थल पर किए जाने वाले सभी शॉर्ट टर्म मेजर्स हर हाल में अगले 24 घंटे के भीतर पूरे किए जाएं।

प्रशासन के निर्देश के अनुसार दुर्घटनास्थल पर तत्काल रम्बल स्ट्रिप का निर्माण, चेतावनी एवं दिशा-सूचक साइन बोर्ड लगाने तथा पर्याप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। जिससे वाहन चालकों को पहले से सड़क की स्थिति की जानकारी मिल सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

इसके अलावा लॉन्ग टर्म मेजर्स के तहत सड़क का आवश्यकतानुसार चौड़ीकरण, रिफ्लेक्टर लगाने, क्रैश बैरियर (रोड गार्ड) की ऊंचाई बढ़ाने सहित अन्य स्थायी सुरक्षा कार्य दो सप्ताह के भीतर पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त ने एनएचएआई अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से सभी कार्य पूरा करने तथा उनकी नियमित निगरानी करने को कहा। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पुलिस और सड़क सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों को भी दुर्घटना संभावित स्थलों पर नियमित गश्ती बढ़ाने, यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने और लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला प्रशासन ने जिला के अन्य संवेदनशील मार्गों की भी समीक्षा करने का निर्णय लिया है।

उपायुक्त ने जिला स्तरीय समिति गठित कर एक सप्ताह के भीतर सभी ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सुधारात्मक उपायों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

बाबा धाम जाना होगा आसान, श्रावणी मेले से पहले एनएचएआई तैयार कर रहा स्पेशल कांवड़िया ट्रैक

देवघर, एजेंसी। श्रावण मेला 2026 में सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम और बासुकीनाथ मंदिर आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं को इस बार विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने जा रही हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने राष्ट्रीय राजमार्ग-114 के बासुकीनाथ-देवघर खंड पर यात्री सुविधाओं और सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस मार्ग पर 45।159 किलोमीटर लंबी फोर-लेन परियोजना का निर्माण युद्ध स्तर पर जारी है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के सुगम यात्रा का अनुभव मिलेगा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ह्ममद्ध इस रूट पर एक अनोखा और बड़ा बदलाव कर रहा है। इसके तहत एनएचएआई द्वारा 36।044 किलोमीटर लंबा और 3।5 मीटर चौड़ा एक समर्पित कांवड़िया पथ विकसित किया जा रहा है। इस विशेष पथ के बनने से कांवड़ यात्रियों और सामान्य वाहनों का आवागमन पूरी तरह अलग-अलग हो जाएगा, जिससे सड़क हादसों का खतरा शून्य हो जाएगा और ट्रैफिक जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

कांवड़ियों को घनी आबादी वाले इलाकों के ट्रैफिक से बचाने के लिए इस परियोजना के तहत

28।677 किलोमीटर लंबे बाईपास का निर्माण किया जा रहा है। इसमें बासुकीनाथ, सहारा, तालझारी, घोरमारा और देवघर बाईपास शामिल हैं। इसके साथ ही जगह-जगह सर्विस रोड, स्लिप रोड, फ्लाईओवर, रेल ओवरब्रिज और अंडरपास जैसी आधुनिक संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है ताकि भारी वाहनों और स्थानीय ट्रैफिक को आसानी से डाइवर्ट किया जा सके।

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी के मुताबिक, श्रावण मेले की शुरुआत से पहले रूट पर विशेष मरम्मत कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। पूरे मार्ग को गड्ढामुक्त बनाने, बेहतर जल निकासी, रात के सफर के लिए रिफ्लेक्टिव मार्किंग, सुरक्षा बैरियर, रिफ्लेक्टिव संकेतक लगाने और साफ-सफाई जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है।

एनएचएआई का मानना है कि इस फोर-लेन परियोजना के पूरी तरह तैयार होने के बाद बाबा बैद्यनाथ धाम, बासुकीनाथ मंदिर और प्रसिद्ध त्रिकूट पर्वत जैसे प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थलों तक पहुंच बेहद आसान हो जाएगी। इससे न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, बल्कि संताल परगना के क्षेत्रीय पर्यटन, स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी एक नई रफ्तार मिलेगी।

बनियारा पंचायत की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों का जन-प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दुमका, एजेंसी। दुमका जिले के सरैयाहाट प्रखंड की बनियारा पंचायत में विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर चिल चिलाती धूप में ग्रामीणों ने पंचायत सचिवालय परिसर में जन-प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री, पंचायती राज मंत्री और उपायुक्त दुमका के नाम 10 सूत्री मांग पत्र पंचायत सचिव और मुखिया के माध्यम से सौंपा गया।

ज्ञापन में सामाजिक सुरक्षा, वृद्धा और दिव्यांग पेंशन सहित मंईयां सम्मान योजना की लंबित राशि के भुगतान, अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना की बकाया किस्त जारी करने की मांग की गई। इसके अलावा, जोंकी बांध के नाला (डांड) के जीर्णोद्धार, पंचायत सचिवालय परिसर में चापाकल लगाने तथा बनियारा बेसिक स्कूल को उत्क्रमित कर नौवीं-दसवीं की पढ़ाई शुरू कराने की मांग भी उठाई गई।

ग्रामीणों ने पंचायत के विभिन्न टोलों में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, सेविका-सहायिकाओं के लंबित मानदेय भुगतान और पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र की स्थापना की मांग भी की। साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों को नियमित मानदेय देने एवं पेसा कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग रखी गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई कर समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करने की अपील की।

बंदगांव में पुलिस की कार्रवाई, 7 किलो अफीम और 7 लाख रुपये के साथ तस्कर गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अफीम तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस अधीक्षक अमित रेनू को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में मादक पदार्थ की तस्करी हो रही है।

सूचना पर बंदगांव थाना पुलिस ने मुख्य सड़क पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक चार पहिया वाहन को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन से 7 किलो अफीम, 7 लाख रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से हजारीबाग निवासी आरोपी राहुल कुमार साहू को गिरफ्तार कर लिया। जब्त अफीम की बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। शुरुआती जांच में आरोपी के बड़े तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। बंदगांव थाना पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और अफीम की सप्लाई चेन का पता लगाने में जुटी है। पूछताछ में कई अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने मामले की पुष्टि करते हुए बंदगांव पुलिस टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि अफीम की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाना था। जिले में नशे के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

पलामू में पांडू पुलिस ने अवैध भंडारण किए गए 4800 सीएफटी बालू को किया जब्त

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले में अवैध बालू उत्खनन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। पांडू प्रखंड के कुटमु स्थित चेड़ी धाम के समीप अवैध रूप से जमा किए गए 4800 सीएफटी बालू को जब्त कर लिया गया है। मामले में अंचलाधिकारी के आवेदन पर पांडू थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और भंडारण में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा।

जानकारी के अनुसार, 25 जून को पांडू के अंचलाधिकारी ने मौजा कुटमु स्थित चेड़ी धाम के पास अवैध बालू भंडारण की शिकायत मिलने पर स्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बड़ी मात्रा में बालू जमा पाया गया। निरीक्षण में भूषण चौधरी और बृजमोहन चौधरी, जो आपस में सगे भाई हैं, के बगीचे में करीब 4000 सीएफटी बालू रखा मिला। वहीं बबलू चौधरी के खेत में लगभग 800 सीएफटी बालू का भंडारण पाया गया। इस प्रकार कुल 4800 सीएफटी बालू अवैध रूप से जमा होने की

पुष्टि हुई। जांच के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने आसपास के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि बालू किसके द्वारा और किन वाहनों से लाकर वहां जमा किया गया था। प्रशासन का कहना है कि अवैध भंडारण के पीछे शामिल लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी रहेगी। जरूरत पड़ने पर अन्य साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के बाद प्रशासन ने मौके पर मौजूद 4800 सीएफटी अवैध बालू को जब्त कर लिया। इसके बाद अंचलाधिकारी ने पांडू थाना में लिखित आवेदन देकर कानूनी कार्रवाई की अनुशंसा की। आवेदन के आधार पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध झारखंड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 तथा अन्य प्रासंगिक कानूनी धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है और दोषियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। प्रशासन ने कहा है कि जिले में अवैध बालू उत्खनन और भंडारण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि जांच में कोई व्यक्ति अवैध खनन, परिवहन या भंडारण में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, प्राकृतिक संसाधनों की अवैध निकासी से सरकार को राजस्व का नुकसान होता है और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसी कारण प्रशासन लगातार ऐसे मामलों पर नजर बनाए हुए है।

पांडू अंचल प्रशासन और पुलिस ने संकेत दिया है कि अवैध बालू कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आने वाले दिनों में भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, छापेमारी और निगरानी की जाएगी ताकि अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध बालू खनन या भंडारण की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन या पुलिस को दें। अधिकारियों का कहना है कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

गड्ढे में डूबने से दो मासूमों की गई जानें

खेलने के दौरान दोनों बच्चे उतरे थे पानी में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जिले के केवटी थाना क्षेत्र के जलवारा गांव में शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया, जबकि दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। बच्चों की माताओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम गांव के कई बच्चे जलवारा गांव के पूर्व दिशा में स्थित एक पानी भरे गड्ढे के पास खेल रहे थे। इसी दौरान 10 वर्षीय मो. कासिम और 8 वर्षीय मो. कमरान नहाने के लिए गड्ढे में उतर गए। कुछ ही देर में दोनों गहरे पानी में डूबने लगे। साथ खेल रहे अन्य बच्चों ने शोर मचाकर ग्रामीणों और परिजनों को इसकी सूचना दी।

ग्रामीण और परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मासूमों के शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव की महिलाएं परिजनों को ढांढस बंधाती रहीं, लेकिन दोनों माताएं अपने बच्चों को खोने का गम सह नहीं सकीं। मृतकों की पहचान जलवारा निवासी मो. जहांगीर के पुत्र मो. कासिम (10) और मो. शमशाद के पुत्र मो. कमरान (8) के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलने पर अंचलाधिकारी भास्कर कुमार मंडल और केवटी थानाध्यक्ष सदन राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। परिजनों ने दोनों बच्चों के शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार कर कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया। देर शाम दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

गुमटी में घुसा ट्रैक्टर, दुकानदार की मौत

प्रदर्शनकारियों के पथराव से दो पुलिसकर्मी घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। जिले के दरौली थाना क्षेत्र में बालू लदा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर टोका नारायणपुर गांव में एक गुमटी में जा घुसा। हादसे में दुकानदार महेश बिन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। दुकानदार की मौत से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थिति को शांत कराने के लिए दरौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस के मौके पर पहुंचते ही गुस्साए लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए पथराव से मौके पर भगदड़ मच गई। इस दौरान एएसआई अभिषेक कुमार और सिपाही चंदन यादव घायल हो गए।

ग्रामीणों ने दरौली थाना की पुलिस गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप था कि डायल-112 पुलिस टीम की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ है। घायल दोनों पुलिसकर्मियों का इलाज सिवान सदर अस्पताल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चल रहा है। घटना के बाद अस्पताल में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया।

घटना की सूचना मिलने पर सिवान के एसपी पूरण कुमार झा सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। एसपी ने कहा कि बालू लदे ट्रैक्टर के गुमटी में घुसने से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उस पर पथराव किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन से युवक का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज रेलखंड के कांटी रेलवे स्टेशन पर एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के सिर और चेहरे पर खून के निशान मिले हैं। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद मौत की असली वजह सामने आएगी।

शनिवार को कांटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर लोगों ने एक युवक का शव संदिग्ध हालत में पड़ा देखा। शव मिलने की खबर कुछ ही देर में पूरे इलाके में फैल गई और स्टेशन पर लोगों की भीड़ जुट गई।

मृतक के सिर और चेहरे पर खून के निशान मिले हैं। शुरूआती जांच में मामला संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

एनकाउंटर मामले में पूर्व डीजीपी ने उठाये सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद का बयान सामने आया है। उन्होंने एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं और कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि रुद्र वहां क्या कर रहे थे।

अभयानंद बिहार का जाना-माना नाम है, उन्होंने नीतीश सरकार के दौरान कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने का काम किया था। उनके कार्यकाल को काफी सराहना मिलती है।

उन्होंने भरत तिवारी एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस की कार्रवाई दो तरह की होती है। एक तब होती है, जब भीड़ हो, लोगों का जमावड़ा हो या कानून-व्यवस्था की स्थिति हो। ऐसी स्थितियों में मजिस्ट्रेट और पुलिस, दोनों को तैनात किया जाता है। इस मामले में एसडीएम भी वहां मौजूद थे। मुझे समझ नहीं आ रहा कि रुद्र वहां क्या कर रहे थे।

अभयानंद ने कहा कि ये मजमा वाली दिक्कत नहीं थी, क्योंकि पुलिस एक व्यक्ति को पकड़ने गई थी। इसलिए यह प्योर क्राइम से संबंधित दिक्कत थी। ऐसे मामले में रुद्र का कोई संबंध नहीं होता है। जिलाधिकारी का हस्ताक्षेप होता है, लेकिन वो ऑफिस तक सीमित होता है। यह एक मुद्दा है, जो मेरे दिमाग में परेशानी पैदा कर रहा है। 17 जून को बिलौटी गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस और भरत तिवारी के बीच मुठभेड़ हुई थी। पुलिस के अनुसार, उनकी ओर से पांच राउंड तथा आरोपित की ओर से 10 से 15 राउंड फायरिंग की गई थी। इस मुठभेड़ में पुलिस का कोई जवान घायल नहीं हुआ था।

मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल भरत भूषण तिवारी को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसी रात दंडाधिकारी की निगरानी में पीएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी गोली दाईं जांघ के मध्य भाग के भीतरी हिस्से में, चौथी गोली दाईं जांघ के बाहरी हिस्से में तथा पांचवीं गोली बाएं पैर के मध्य भाग में पीछे की ओर से लगी थी।

मंदिर से चढ़ावे की चोरी श्रद्धालुओं की आस्था के साथ विश्वासघात : कांग्रेस

चढ़ावे में चोरी की जबावदेही पीएम की : विजय कुमार मिट्ठू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। विश्व के सैकड़ों करोड़ों सनातनियों की आस्था अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी श्रद्धालुओं की आस्था के साथ विश्वासघात करार देते हुए काँग्रेस नेताओं ने इसके लिए पूरी तरह देश के प्रधानमंत्री को जवाबदेह बताया है।

कॉग्रेस नेताओं में बिहार प्रदेश काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि प्रो विजय कुमार मिट्ठू, जिला कॉग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, राम प्रमोद सिंह, धर्मेन्द्र कुमार निराला, सुनील कुमार पासवान, टिंकू गिरी, प्रद्युम्न दुबे, रूपेश चौधरी, मुन्ना मांझी आदि ने कहा कि इस चोरी की घटना को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश स्वतः संज्ञान ले कर इस घृणित एवं आमजनों के आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों उजागर करने हेतु मौजूदा सुप्रीम कोर्ट के न्याधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग किया है।

नेताओं ने कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर हेतु तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव जी ने रामलला ट्रस्ट का गठन किया गया था जिसमें गुरु ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरुपानंद जी को सबसे वरिष्ठ मानने हुए अध्यक्ष बनाए थे तथा उस ट्रस्ट में सभी पीठ के शंकराचार्य को सदस्य बने थे। परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने जानबूझकर मंदिर निर्माण का कार्य रामलला ट्रस्ट को देने के बजाय नए ट्रस्ट का गठन किया, इसलिए इस श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की पूरी जवाबदेही प्रधानमंत्री मोदी का है।

नेताओं ने मांग किया कि वर्तमान में गठित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को तुरंत भंग कर इसमें से राजनीतिक लोगों को बाहर कर इसकी कमान साधु - संतों और धार्मिक क्षेत्र के सम्मानित लोगों को सौपी जाये।

नेताओं ने इस गंभीर मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री की चुप्पी पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि जिस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री ने खुद अपने हाथों से की हो, वहां हजारों करोड़ रुपये के चढ़ावे की लूट पर चुप क्यों हैं? जबकि उन्हें तुरंत हस्ताक्षेप कर कारवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

नेताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चढ़ावे चोरी के दायर मुकदमा में छोटे, छोटे कर्मचारियों को फंसाया जा रहा है, तथा बड़े अधिकारियों या ट्रस्ट के रसूखदार लोगों की मिली भगत सी सी टी बी कैमरे बंद करके इतनी बड़ी चोरी सम्भव है?

नेताओ ने कहा कि कॉग्रेस पार्टी इस अति संवेदनशील, गंभीर मामले को लेकर सड़क से संसद तक धारदार आवाज बुलंद कर दोषियों को बेनकाब तथा कठोर कार्रवाई तक जारी रहेगा।

12 मुन्ना भाई धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार पुलिस रेडियो में सिपाही (ऑपरेटर) के 993 पदों पर भर्ती के लिए रविवार को राज्यभर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लिखित परीक्षा आयोजित की गई। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने परीक्षा को पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित बताया है। हालांकि, परीक्षा के दौरान कदाचार और फर्जी अभ्यर्थियों के जरिए परीक्षा में शामिल होने की कोशिश करने वाले 17 मुन्नाभाई के खिलाफ विभिन्न जिलों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इनमें 12 आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। केंद्रीय चयन पर्षद से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सबसे अधिक छह मामले दरभंगा जिले में दर्ज किए गए हैं। वहीं कैमूर (भभुआ) में तीन तथा नवादा में दो अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी हुई है।

इसके अलावा पटना, मुजफ्फरपुर, खगड़िया के अलावा पश्चिमी चंपारण, कटिहार, मुंगेर में एक-एक फर्जी अभ्यर्थी या कदाचार से जुड़े मामले सामने आए हैं। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है और उनके नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

ट्रेन में हथियार का भय दिखाने वाला उप्र का सिक्योरिटी गार्ड गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस 12874 के एसी कोच में शराब के नशे में पिस्टल लहराकर यात्रियों को धमकाने वाले उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज थाना क्षेत्र स्थित रायपुर गांव निवासी 32 वर्षीय दिवाकर सिंह को जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने कोडरमा स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार युवक अपने को निजी सिक्योरिटी गार्ड बता रहा है। उसके पास से एक पिस्टल, मैगजीन में लोड छह कारतूस तथा 18 अतिरिक्त कारतूस बरामद किए गए हैं। मामले में जीआरपी कोडरमा थाना में बीएनएस रेलवे एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी कर उसे न्यायालय भेज दिया गया।

बीते 27 जून को धनबाद एससीएनएल के माध्यम से रेल मदद पोर्टल पर सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन संख्या 12874 डाउन के बी 01 कोच की बर्थ संख्या 48 पर सवार एक व्यक्ति शराब के नशे में पिस्टल चमकाते हुए यात्रियों को धमका रहा है।

सूचना मिलते ही ट्रेन के कोडरमा स्टेशन पहुंचने पर प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर जीआरपी एवं आरपीएफ की संयुक्त टीम ने कोच में छापेमारी की। जांच के दौरान उक्त यात्री नशे की हालत में कोच में इधर-उधर घूमते हुए धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल करता मिला।

सुरक्षाकर्मियों ने जब उसे ट्रेन से उतारने का प्रयास किया तो उसने जीआरपी और आरपीएफ जवानों के साथ धक्का मुक्की एवं हाथापाई भी की। हालांकि जवानों ने उसे किसी तरह काबू कर जीआरपी थाना ले गए।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल, मैगजीन में लोड छह कारतूस तथा एक पाउच में रखे 18 कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपित दिवाकर सिंह ने बताया कि वह प्रयागराज से रांची जा रहा था और निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्य करता है। जीआरपी मामले की जांच में जुटी है।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत, तीन घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। गया-डोभी मुख्य सड़क मार्ग पर रविवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। हड्डी फैक्ट्री के समीप दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, गया-डोभी मुख्य सड़क मार्ग पर हड्डी फैक्ट्री के पास विपरीत दिशा से आ रही दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक सवार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

हादसे की आवाज सुनते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने घायलों को सड़क से हटाकर एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएनएमएमसीएच) भेजा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दुर्घटना के बाद कुछ समय तक घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे का कारण माना जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

समाचार लिखे जाने तक मृतक और तीनों घायलों की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उनकी पहचान कर परिजनों को सूचना देने का प्रयास कर रही है। उधर, अस्पताल में घायलों का इलाज जारी है।

सद्गुरू श्री जग्गी वासुदेव से पूर्व केंद्रीय मंत्री ने की औपचारिक भेंट

भागलपुर, मंदार पर्वत एवं बक्सर आने का दिया आमंत्रण

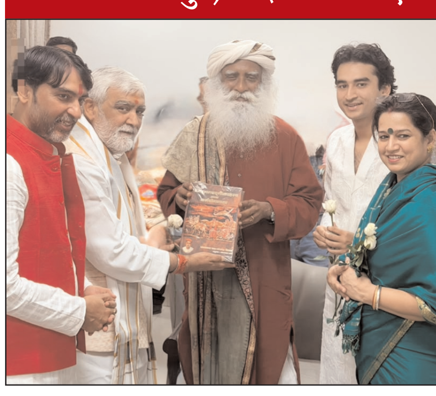

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने आज पटना में ईशा फाउंडेशन के संस्थापक एवं विश्वविख्यात आध्यात्मिक संत सद्गुरु श्री जग्गी वासुदेव जी से सपरिवार आत्मीय एवं स्नेहिल भेंट कर उनका आशीर्वचन प्राप्त किया। इस अवसर पर उनके साथ ज्येष्ठ सुपुत्र अर्जित चौबे, पुत्रवधू विजेता चौबे तथा सुपौत्र अतिशय चौबे भी उपस्थित रहे।

भेंट के दौरान आध्यात्मिकता, भारतीय सनातन संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण, तीर्थाटन एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। श्री चौबे ने कहा कि सद्गुरु जी के विचार समाज को सकारात्मक दिशा एवं जनकल्याण के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर श्री चौबे ने सद्गुरु जी को अपनी जन्मभूमि भागलपुर तथा विक्रमशिला विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक विरासत, बांका स्थित पौराणिक मंदार पर्वत एवं प्रस्तावित मंदार महाकुंभ-2029, तथा भगवान श्रीराम की प्रथम कर्मभूमि एवं महर्षि विश्वामित्र के सिद्धाश्रम के रूप में विख्यात पावन बक्सर की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने तीनों पवित्र स्थलों के भ्रमण एवं दर्शन हेतु सद्गुरु जी को सादर आमंत्रित किया।

सद्गुरु श्री जग्गी वासुदेव जी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि बिहार की इस समृद्ध आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत के बारे में जानकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई है तथा अवसर मिलते ही वे भागलपुर, मंदार पर्वत एवं बक्सर का अवश्य भ्रमण करेंगे। भेंट के उपरांत श्री चौबे ने सद्गुरु जी को ‪‪‪"शुभमंगलम् पुनरागमनाय च" कहकर ससम्मान28 विदाई दी तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं राष्ट्रकल्याण हेतु निरंतर मार्गदर्शन की कामना की।

अब 30 छात्रों पर होंगे एक शिक्षक

पटना। शिक्षकों के स्थानांतरण नियमावली आने के बाद विद्यालयों में शिक्षकों के उपलब्धता के मानक को खंगाला जाने लगा है। शिक्षकों की उपलब्धता मानक के आधार पर ही स्थानांतरण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को शिक्षकों के उपलब्धता मानक के संबंध में पत्र भेजा है। इस संबंध में यह जानकारी दी गयी है कि पहली से पांचवीं कक्षा तक अगर विद्यार्थियों की संख्या साठ है, तो शिक्षकों की संख्या केवल दो होगी। अगर पहली से पांचवीं कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या 61 है, तो शिक्षकों की संख्या दो से बढ़कर तीन हो जाएगी। इसी तरह विद्यार्थियों की संख्या अगर 91 से 120 के बीच है, तो वहां शिक्षक चार की संख्या में होंगे। अगर विद्यार्थी 121 से 150 के बीच है, तो शिक्षक का मानक पांच का हो जाएगा। जिस विद्यालय में 150 से अधिक बच्चे हैं तो वहां पांच से अधिक शिक्षक हो्ंगे और एक पद प्रधान शिक्षक का भी होगा। छात्र-शिक्षक अनुपात 30 से अधिक का नहीं होगा।

बिजली की अनियमित आपूर्ति से लोगों में हाहाकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। भीषण गर्मी में एकमा रसूलपुर का ग्रामीण क्षेत्र काफी हलकान है। इन गांवों में दो घंटे पर मात्र 15 से 20 मिनट बिजली आपूर्ति होने से उमस भरे गर्मी में लोगों में त्राहिमाम मची है। ग्रामीणों का आरोप है कि वो वोल्टेज के कारण देवपुरा गांववासी अजीत शाही का एसी,सूर्यनंदन शाही, राजेंद्र शाही व नन्हे शाही का पंखा, राजेंद्र शाही व अजय शाही का मोटर वाटर पंप जल गया है। उधर मुकुंदपुर फीडर में दिन और रात मिलाकर कुछ ही घंटे बिजली मिल रही है।

मानवबल लाइनमैन मनीष सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी में लोड शेडिंग के कारण बिजली कटौती हो रही है। बारिश होने के बाद ही स्थिति में सुधार होगा।

रसूलपुर के उपमुखिया मनोज सोनी ने बताया कि एकमा ग्रीड में रसूलपुर फीडर की सबसे अधिक बिजली तारों की लम्बाई और दूरी 70 से 90 किमी है।इसके एक मात्र समाधान के लिए बिजली विभाग रसूलपुर थाना क्षेत्र में सबस्टेशन बनाने के लिए जमीन की खोज में है पर जमीन नहीं मिल रहा। उधर देवपुरा पंचायत के ग्रामीण व भाजपा नेता सूर्यनंदन शाही द्वारा रसूलपुर थाना क्षेत्र के जमनपुरा गांव में जमीन उपलब्ध कराने के बावजूद बिजली विभाग मौन साधे हुए हैं।शाही के अनुसार जमीन देने की लिखित जानकारी सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व विधायक मनोरंजन सिंह धूमल की उपस्थिति में दी गई है। इस संबंध में एकमा ग्रीड के जेई से संपर्क किया गया पर जेई ने फोन रीसिव नहीं किया।

रसूलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद ने कहा कि बहुत जल्द बिजली विभाग को रसूलपुर में ही जमीन उपलब्ध कराने की कवायद चल रही है। रसूलपुर में सब स्टेशन बनने से बिजली की सारी समस्या हल हो जाएगी।

एनटीपीसी अस्पताल में140 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर । जिले के कहलगांव स्थित एनटीपीसी परियोजना क जीवन ज्योति अस्पताल मे आज से पांच-दिवसीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया।

इस अभियान का शुभारंभ परियोजना प्रमुख (प्रभारी) मनोरंजन परिदा द्वारा 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुछ बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाकर किया गया। अभियान के प्रथम दिवस पर रविवार को करीब 142 बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई।

मौके पर जीवन ज्योति अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण कांत चौधरी ने उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि यद्यपि भारत वर्ष 2011 से पोलियो मुक्त है, फिर भी प्रत्येक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी चाहिए, उन्होंने कहा कि चाहे बच्चे को पूर्व में नियमित टीकाकरण अथवा पल्स पोलियो की कई खुराकें मिल चुकी हों। बार-बार दी जाने वाली पोलियो की खुराक बच्चों की प्रतिरक्षा को सुदृढ़ बनाती है तथा देश को स्थायी रूप से पोलियो मुक्त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह

अस्पताल स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य संवर्धन हेतु निरंतर कार्यरत है तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अस्पताल भविष्य में भी जनस्वास्थ्य से जुड़े ऐसे अभियानों में सक्रिय सहभागिता निभाता रहेगा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

लातेहार रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। लातेहार रेलवे स्टेशन का चेहरा बदलने की तैयारी पूरे जोर-शोर से चल रही है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन को मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। भविष्य की यह तस्वीर जितनी आकर्षक दिखाई दे रही है, वर्तमान की हकीकत उतनी ही तकलीफदेह है।

प्लेटफॉर्म नंबर एक पर बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं रहने से प्रतिदिन सैकड़ों यात्री घंटों खड़े रहकर ट्रेनों का इंतजार करने को मजबूर हैं। सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों और छोटे बच्चों के साथ सफर करने वाले यात्रियों को झेलनी पड़ रही है। स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य के कारण पहले से उपलब्ध कई सुविधाएं प्रभावित हो गई हैं। ऐसे में प्लेटफॉर्म पर बेंचों की कमी यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। ट्रेन यदि निर्धारित समय से कुछ देर भी लेट हो जाए तो इंतजार का हर मिनट भारी पड़ने लगता है। कई यात्री थककर प्लेटफॉर्म के फर्श पर बैठ जाते हैं, जबकि कई लोग पूरे समय खड़े रहने को मजबूर रहते हैं।

यात्रियों का कहना है कि मॉडल स्टेशन बनने से लातेहार की पहचान नई ऊंचाई मिलेगी। आधुनिक भवन और बेहतर सुविधाएं जिले के लिए गर्व की बात होंगी, लेकिन निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी समझ से परे है। उनका कहना है कि यदि पहले ही अस्थायी बेंच और प्रतीक्षालय की व्यवस्था कर दी जाती तो लोगों को इतनी परेशानी नहीं उठानी पड़ती। यात्री अभिषेक कुमार ने कहा ट्रेन समय पर आ जाए तो किसी तरह इंतजार कट जाता है, लेकिन देरी होने पर घंटों खड़े रहना पड़ता है। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। शुभम कुमार ने कहा कि स्टेशन का विकास अच्छी पहल है। इसका सभी स्वागत करते हैं, लेकिन विकास के साथ यात्रियों की सुविधा भी उतनी ही जरूरी है।

ब्राह्मर्षि विकास मंच का गठन, समाज को संगठित करने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। प्रखंड मुख्यालय स्थित एक निजी भवन में रविवार को ब्राह्मर्षि समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया नोनू सिंह ने की। इस दौरान समाज को संगठित और मजबूत बनाने के उद्देश्य से ब्राह्मर्षि विकास मंच का गठन किया गया तथा 21 सदस्यीय प्रखंड कमेटी का चयन किया गया। बैठक में समाज की शिक्षा, कृषि, युवाओं और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रो. वैदेही शरण सिंह ने कहा कि कृषि समाज की सबसे बड़ी ताकत है और किसानों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। पैक्स अध्यक्ष सतीश कुमार ने युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। वहीं पूर्व शिक्षक शंभू शरण शर्मा ने कहा कि एक मजबूत संगठन के जरिए ही समाज की समस्याओं और कुरीतियों को दूर किया जा सकता है। बैठक में सर्वसम्मति से राम विनय शर्मा को अध्यक्ष, महेश शर्मा को सचिव और राकेश कुमार को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा अनिल कुमार, सतीश कुमार और कुमार सत्यशील को उपाध्यक्ष बनाया गया। युवा इकाई के अध्यक्ष पद पर रजनीश कुमार और सचिव पद पर प्रिंस कुमार का चयन किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने समाज की एकता, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मिथिलेश शर्मा, रामाशीष शर्मा, अमरेंद्र कुमार, नीरज कुमार समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे।

पटना साइंस कॉलेज परिसर में स्थापित होगी यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिक्स एंड साइंसेज : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने पटना साइंस कॉलेज का किया भ्रमण, व्यवस्थाओं की ली जानकारी, अधिकारियों को दिये निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज पटना साइंस कलेज का निरीक्षण किया तथा परिसर का विस्तृत अवलोकन करते हुए इसके समग्र विकास के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पटना साइंस कलेज परिसर में यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिक्स एंड साइंसेज की स्थापना की जाएगी। यह विश्वविद्यालय भौतिकी एवं विज्ञान के क्षेत्र में उच्चस्तरीय शिक्षा, नवाचार तथा अत्याधुनिक अनुसंधान का उत्कृष्ट केन्द्र बनेगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को विश्वस्तरीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना साइंस कलेज की एक गौरवशाली शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक परंपरा रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य इस ऐतिहासिक संस्थान को पुनः विज्ञान के अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थान के रुप में विकसित करना है, ताकि इसका पुराना गौरव पुनर्स्थापित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना एवं परिसर के समग्र विकास के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान केन्द्रों, उन्नत शैक्षणिक अधोसंरचना तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरुप सुविधाओं का विकास किया जाएगा जिससे बिहार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर सके। उन्होंने कहा कि साइंस कॉलेज की आधारभूत संरचना को और सुदृढ़ किया जायेगा। छात्रावास एवं प्ले ग्राउंड्स की व्यवस्था को और बेहतर किया जायेगा। इसके लिये शीघ्र टीम भेजी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। पटना साइंस कॉलेज परिसर में स्थापित होने वाला यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिक्स एंड साइंसेज न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के लिए ज्ञान, अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रमुख केन्द्र बनेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण के माध्यम से साइंस कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) अलका ने साइंस कॉलेज की व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पटना कॉलेजिएट स्कूल का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना कॉलेजिएट स्कूल का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसे मॉडल (आदर्श) स्कूल के रुप में विकसित किया जायेगा। यहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं तथा बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध करायी जायेगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, शिक्षा विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कबीर जयंती पर बिहारवासियों को दीं शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

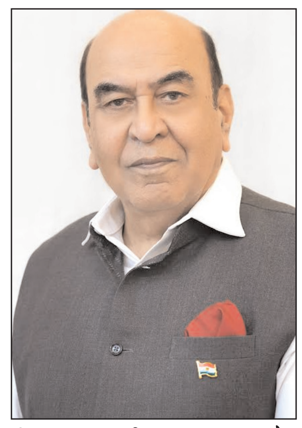

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने कबीर जयंती के पावन अवसर पर बिहारवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने कहा है कि संत कबीरदास एक महान संत, कवि, समाज सुधारक तथा भक्तिकाल के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से भेदभाव, संकीर्ण मतवाद, अलगाववादी प्रवृत्तियों तथा सामाजिक एवं धार्मिक रुढ़ियों के विरुद्ध जन-मानस में जागृति उत्पन्न करने का प्रयास किया। साथ ही उन्होंने प्रेम, भाईचारे, सद्भाव, समरसता और मानवता का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि ज्ञानाश्रयी शाखा के महान साधक संत कबीरदास ने भक्ति तथा आंतरिक साधना के मार्ग का प्रवर्तन किया। भारतीय समाज और संस्कृति के प्रति उनका योगदान अमूल्य एवं अविस्मरणीय है। राज्यपाल ने बिहारवासियों से संत कबीर के जीवन-दर्शन से प्रेरणा ग्रहण कर एक स्वस्थ, समावेशी, न्यायपूर्ण एवं समरस समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया है।

'मन की बात' देश को आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा में प्रेरित करने वाला मंच: संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पटना स्थित अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण को सुना। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देशवासियों को राष्ट्र निर्माण, आत्मनिर्भरता, जनभागीदारी और सेवा के लिए प्रेरित करने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारत की अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियों और जनकल्याणकारी अभियानों का उल्लेख किया। उन्होंने भारतीय नौसेना में शामिल किए गए स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय का उल्लेख करते हुए कहा कि इनकी डिजाइन से लेकर निर्माण तक पूरी प्रक्रिया भारत में ही संपन्न हुई है। यह आत्मनिर्भर भारत और देश की बढ़ती रक्षा क्षमता का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने नालंदा विश्वविद्यालय की गौरवमयी ज्ञान परंपरा और भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत का उल्लेख करते हुए देश की सांस्कृतिक और शैक्षणिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से विश्व पटल पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों की भी चर्चा की।

राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी होगी पोषण ट्रैकर से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में 1 लाख 14 हजार 718 आंगनबाड़ी केंद्रों पर हो रही गतिविधियों की निगरानी को अधिक सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है। समाज कल्याण विभाग अब मुख्यालय स्तर पर पोषण ट्रैकर कमांड सेंटर स्थापित करने जा रहा है जिसके माध्यम से सभी केंद्रों की हर गतिविधि की ऑन-टाइम निगरानी की जाएगी। यह एक केंद्र प्रायोजित मिशन के तहत राज्य में लागू किया जा रहा है। इसके शुरू होने के बाद छह वर्ष से कम आयु के बच्चों की पोषण स्थिति, वजन, ऊंचाई और समग्र विकास संबंधी सभी रिपोर्टें पोषण ट्रैकर कमांड सेंटर के सार्वजनिक डैशबोर्ड पर उपलब्ध होंगी। आम नागरिक भी इन आंकड़ों को देख सकेंगे। विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने हाल ही में आंगनबाड़ी केंद्रों की सभी गतिविधियों की निगरानी के लिए पोषण ट्रैकर एप लॉन्च किया है। इस एप के जरिए राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था की गई है। केंद्रों को अब ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस से भी लैस किया गया है, जिससे बच्चों के शारीरिक विकास को सटीक रूप से मापा जा सकेगा।

बांकीपुर उपचुनाव में कायस्थ सम्मान से समझौता नहीं, उपेक्षा करने वालों को मिलेगा कड़ा जवाब : अखिलेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कायस्थ चित्रगुप्त सेना, बिहार प्रदेश महिला मोर्चा कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक सेनाध्यक्ष पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वृन्दावन कुंज, एक्जिबिशन रोड, पटना में जय शंकर प्रसाद के निवास पर आयोजित हुआ। बैठक में प्रस्तावित बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव एवं कायस्थ समाज की राजनीतिक भागीदारी पर व्यापक चर्चा की गई। सेनाध्यक्ष पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास का नारा सिर्फ छलावा है और कुछ नहीं। भाजपा ने शुरू से अबतक कायस्थों को ठगा है जबकि कायस्थों ने इसे फर्श से अर्श पर पहुंचाने में अपना शत प्रतिशत योगदान दिया है। 1980 में जब जनसंघ - भाजपा कि स्थापना हुई और कोई इससे जुड़ने और मद्दत के लिये तैयार नहीं था, तब कायस्थों ने राष्ट्रीय स्तर पर इसे अपना शत प्रतिशत वोट देकर इसे पहचान दिलाई और वहीं भाजपा राजनितिक साजिश करके कायस्थों को आज विधानसभा में 87 से शून्य पर ला दीं, यह कैसा विकास है। 2025 के विधानसभा चुनाव में तीन विधायक में से दो का टिकट भाजपा ने काटकर सिर्फ बांकीपुर से टिकट दिया अब कायस्थ बहुल बांकीपुर उप चुनाव में अगर किसी कायस्थ को उम्मीदवार न बनाकर गैर कायस्थ को प्रत्याशी बनाया तो इसका खामियाजा उसे ऐसा भुगतना पड़ेगा कि बीजेपी को आजीवन याद रहेगा।

केवाइपी वेलफेयर सोसाइटी वैशाली के तत्वावधान में बाबा हरिहरनाथ मंदिर, सोनपुर में होगा रुद्राभिषेक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली। केवाइपी वेलफेयर सोसाइटी वैशाली के तत्वावधान में 30 जून को बाबा हरिहरनाथ मंदिर में भगवान शिव का पावन रुद्राभिषेक पूजन श्रद्धा एवं वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा। सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. आनन्द रंजन झा ने बताया कि यह विशेष पूजन समाज में सुख, शांति, समृद्धि तथा कौशल विकास से जुड़े सभी केवाईपी केंद्रों, संचालकों, प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों एवं प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ से बिहार के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास कार्यक्रमों की निरंतर प्रगति तथा सभी के जीवन में सुख-समृद्धि की प्रार्थना की जाएगी। इस अवसर वैशाली जिला के केंद्र संचालक उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शुभचिंतकों ने आर्थिक एवं नैतिक सहयोग प्रदान किया है। सहयोग राशि देने वालों में इं. रवि कुमार, चंदन कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राकेश सिन्हा, सुनील कुमार, मिरेंद्र प्रसाद, सुजीत कुमार सिंह, विकास कुमार, आभास चंद्र, मनीष कुमार, शशिकांत मिश्रा, धर्मदेव पासवान, बिपिन जी, प्रतीक कुमार, मो. अमजद तथा डॉ. आनन्द रंजन झा हैं। सोसाइटी ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से यह धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

मणिअप्पा पंचायत बनी जनभागीदारी आधारित ग्रामीण विकास की मिसाल

पंचायत विकास दिवस पर उद्योग सचिव कुंदन कुमार ने किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/बेगूसराय। पंचायत विकास दिवस के अवसर पर उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा कुंदन कुमार ने बेगूसराय जिले के मटिहानी प्रखंड स्थित मणिअप्पा पंचायत का भ्रमण किया। सामुदायिक सहभागिता, जनभागीदारी और सतत विकास के प्रभावी मॉडल के रूप में उभरी यह पंचायत आज राज्य की एक प्रेरणादायी आदर्श पंचायत के रूप में स्थापित हो रही है। भ्रमण के दौरान कुंदन कुमार ने पंचायत के ग्रामीणों से संवाद किया तथा विशेष रूप से महिलाओं के साथ विस्तृत चर्चा कर उनके अनुभवों, आकांक्षाओं एवं ग्राम विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को समझा। उन्होंने कहा कि मणिअप्पा पंचायत यह सिद्ध करती है कि जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक नेतृत्व के माध्यम से ग्रामीण विकास को नई दिशा दी जा सकती है। ऐसे मॉडल 'विकसित बिहार' और 'विकसित भारत' के निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। उन्होंने पंचायत में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी पहलों की समीक्षा की तथा स्थानीय समुदाय द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता और समावेशी विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

बिहार को स्वच्छ बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा राज्य में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 को लागू किया जाना स्वच्छता, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी कदम है। श्री पांडेय ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और कचरा प्रबंधन की चुनौतियों को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा बनाई गई नई नियमावली न केवल कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण को सुनिश्चित करेगी, बल्कि आम नागरिकों के बीच स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करेगी। प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन की भावना के अनुरूप बिहार सरकार ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को जनभागीदारी से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है।

छात्रों ने चलाया पौधारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना सिटी। श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज के छात्रों ने रविवार को पटना सिटी में वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण बचाने की मुहिम को आगे बढ़ाया। इस अभियान में करीब 25 से 30 छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी छात्रों के गले में पहचान पत्र थे और उनके हाथों में आम, नीम और अन्य प्रजातियों के पौधे थे। छात्रों ने खुद गड्ढे खोदकर पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प भी लिया। अमन ने बताया हमारा मकसद सिर्फ पौधे लगाना नहीं है, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। हर साल बढ़ती गर्मी और प्रदूषण को देखकर हमने यह पहल की है। यह अभियान राजधानी में विश्व युवक केंद्र एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन ने युवाओं में पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता का उदाहरण है। फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर सुलेखा ने बताया कि 5 जून से 5 जुलाई 2026 तक सघन पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है।

कांग्रेस के संगठन को नई ऊर्जा देने के लिए प्रशिक्षण शिविर शुरू

संगठन की मजबूती के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय प्रखंड अध्यक्ष आवश्यक : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्षों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत गांव और प्रखंड स्तर पर कार्यरत कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में निहित होती है। उन्होंने कहा कि प्रखंड अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी की रीढ़ है और उन्हें पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यशैली तथा जनसरोकारों के प्रति पूरी तरह प्रशिक्षित और सक्रिय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य प्रखंड अध्यक्षों को संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण, जनसमस्याओं के समाधान तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने के लिए तैयार करना है। उन्होंने सभी प्रखंड अध्यक्षों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के मुद्दों बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, किसानों और युवाओं की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्षरत है और प्रत्येक कार्यकर्ता को इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

दिल्ली में प्रशासनिक पदाधिकारियों को दी जाएगी नियमों की ट्रेनिंग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान में छह दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया जाएगा। 29 जून से चार जुलाई के बीच होने वाले इस प्रशिक्षण को लेकर निदेशालय के संयुक्त सचिव प्रभात कुमार ने उपरोक्त संस्थान के उप निदेशक को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में संयुक्त सचिव ने कहा है कि मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय की ओर से अखिल भारतीय सेवा नियमावली 1969 और बिहार सरकारी सेवक नियमावली 2005 के तहत आईएसटीएम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण में बिहार निदेशालय समेत अलग-अलग विभाग एवं जिलों में तैनात पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाना तय है। प्रतिभागी के तौर पर सूची में शामिल अधिकारियों में निदेशालय के उप सचिव क्रमशः आलोक कुमार और राज वर्द्धन, प्रशिक्षक पदाधिकारी सतीश कुमार तिवारी, शालिग्राम पांडेय, भगवान साहू, मुंगेर के अपर समाहर्ता (वि. जांच) मनोज कुमार, नवादा लोक शिकायत निवारण के अपर समाहर्ता शम्भू शरण पांडेय, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के उप सचिव डॉ. सुनील कुमार, अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, भोजपुर शशि शेखर, पूर्वी चंपारण समाहरणालय के अपर समाहर्ता मो. शिबगतुल्लाह, वैशाली, शेखपुरा और जहानाबाद के अपर समाहर्ता क्रमशः एहसान अहमद, संजय कुमार और विनय कुमार सिंह समेत कुल 25 पदाधिकारियों का नाम शामिल है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए लघुकथा आंदोलन के प्रणेता सतीशराज पुष्करणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच के संस्थापक डॉ. सतीशराज पुष्करणा की छठी पुण्यतिथि पर आयोजित 'स्मृति पर्व' में लघुकथाकारों ने हिंदी लघुकथा आंदोलन में उनके अविस्मरणीय योगदान की विस्तृत चर्चा करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का उद्घाटन पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो अबु बकर रिजवी, बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, नई धारा के संपादक प्रो शिवनारायण, अखिल भारतीय प्रगतिशील लघुकथा मंच के अध्यक्ष डॉ राम दुलार सिंह पराया एवं महासचिव डॉ ध्रुव कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर ऋचा वर्मा, पूनम कतरियार, प्रभात कुमार धवन, विभा रानी श्रीवास्तव, मिन्नी मिश्रा, अनिल रश्मि, अनीता मिश्रा, प्रभात धवन, रामयतन यादव, सिद्धेश्वर, सुमन कुमार, सुधांशु चक्रवर्ती, श्रेया कुमारी, आलोक चोपड़ा, अतुल राय, नूतन सिंहा, ए आर हाशमी, अपराजिता रंजना, तनुजा सिंह, ममता सिंह, प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, आशा रघुदेव, अनुराग, पंकज प्रियम, दीपक वर्णवाल, पीहू कुमारी, नीलू अग्रवाल ने अपनी लघुकथाओं का पाठ किया। सम्राट समीर ने संचालन किया धन्यवाद ज्ञापन अनिल रश्मि ने किया। मौके पर बापू टॉवर के उप निदेशक ललित कुमार सिंह, रणधीर कुमार मिश्र, सुनील झा, कल्याणी कुसुम सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सशक्त पंचायतें ही विकसित बिहार की आधारशिला : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सशक्त पंचायत, जागरूक नागरिक एवं सक्रिय ग्राम सभा ही विकसित गांव, विकसित बिहार और विकसित भारत के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला हैं। यह बातें पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने रविवार को प्रथम 'पंचायत विकास दिवस' कार्यक्रम के दौरान कहीं। वे रविवार को अरवल जिले के अरवल प्रखंड अंतर्गत अमरा एवं बेलखारा ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने अमरा पंचायत में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा दोनों पंचायतों में ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ संवाद कर पंचायतों के समग्र विकास एवं जनभागीदारी पर बल दिया। मौके पर नागरिकों से प्रत्येक माह आयोजित होने वाले पंचायत विकास दिवस में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं भारतीय लोकतंत्र की सबसे सुदृढ़ आधारशिला हैं। लोकतंत्र तभी प्रभावी एवं सार्थक बनता है जब विकास की योजनाएं जनता की सहभागिता से तैयार हों और उनका क्रियान्वयन भी जनसहयोग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि 'पंचायत विकास दिवस' ग्राम सभाओं को अधिक सक्रिय, उत्तरदायी एवं सहभागितापूर्ण बनाने की दिशा में राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है।

राष्ट्रीय नाई महासभा के पटना महानगर अध्यक्ष ने ली भाजपा की सदस्यता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय नाई महासभा के पटना महानगर के अध्यक्ष सूरज ठाकुर ने अपने समर्थकों के साथ रविवार को आर ब्लॉक स्थित स्नातक भवन में भाजपा के वरिष्ठ नेता सह राष्ट्रीय नाई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधान परिषद आजाद गांधी के समक्ष भाजपा की सदस्यता ली। इस मौके पर सम्राट अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष निरंजन कुशवाहा पप्पू एवं भाजपा के सीमांचल प्रभारी नरेश शाह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस मौके पर और विधान पार्षद आजाद गांधी ने कहा कि सूरज ठाकुर के भारतीय जनता पार्टी के संस्था लेने से पार्टी को मजबूती मिलेगा और देश में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी में अति पिछड़ा समाज को एक मुखर आवाज मिलेगा। इस मौके पर सम्राट अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष वरिष्ठ में भाजपा नेता निरंजन कुशवाहा पप्पू ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अति पिछड़ा समाज के आवाज एवं बिहार के कद्दावर नेता रहे पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर अति पिछड़ा समाज को एक बहुत बड़ा संदेश दिया है और इसमें आजाद गांधी की महती भूमिका रही है जिन्होंने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिलाने के लिए बिहार भर में पदयात्रा की थी। इस मौके पर भाजपा के सीमांचल प्रभारी नरेश शाह ने भारतीय जनता पार्टी में सूरज ठाकुर का स्वागत करते हुए कहा कि सूरज ठाकुर नाई महासभा के अध्यक्ष के नाते पटना में एक अपनी पहचान बन चुके हैं और उनके पार्टी में आने से पार्टी और मजबूत होगी। इस मौके पर सूरज ठाकुर के साथ सदस्यता लेने वालों में आर्यन कुमार, संतोष ठाकुर, पिंटू सोनी ,अमन ठाकुर, समीर ठाकुर, ध्रुव कुमार ठाकुर, कृष ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम में भाजपा नेता सुमन पटेल, नितेश कछवाहा, कृष्णा ठाकुर, उमेश ठाकुर, मदन पासवान, मनीष ठाकुर, संतोष कुमार, संजय ठाकरे सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी की साप्ताहिक बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी की साप्ताहिक बैठक क्लब के अध्यक्ष डॉ. बृज मोहन प्रसाद व सचिव रो. विष्णु झुनझुनवाला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दौरान सत्र 2026-27 के अध्यक्ष रो. पंकज किशोर सिंह एवं सचिव रो. रव्यांशु प्रीत को उनके दायित्वों के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। रोटरी सत्र 2027-28 के लिए अध्यक्ष रो. अरविंद मेहता एवं सचिव रो. विजय कुमार यादव का सम्मान कर उन्हें सफल कार्यकाल हेतु हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। क्लब के चेयरमैन रो. राजेश बल्लभ उर्फ मुन्ना यादव ने क्लब के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर रोटरी के आदर्श को आत्मसात करते हुए समाज हित में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे अथवा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामना व्यक्त किया। मौके पर रो. रवि शंकर प्रीत, रो. विष्णु झुनझुनवाला, रो. कृष्ण कुमार यादव, रो. बिनोद मिश्रा, रो. कवि सैनी, रो. सचिन शर्मा सहित क्लब के सभी सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संपादकीय

पासपोर्ट फीस बढ़ी और नागरिकता पर सवाल

पासपोर्ट शुल्क में बढ़ोतरी और नागरिकता प्रमाण को लेकर छिड़ा विवाद आम लोगों, छात्रों और श्रमिकों के भविष्य पर गहरा असर डाल सकता है।विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण करने, रोजगार पाने या फिर भ्रमण का सपना संजोने वाले लोगों को अब पासपोर्ट बनवाने के लिए अपनी जेब और अधिक ढीली करनी पड़ेगी। सरकार ने पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है, जिसके तहत अब 36 पन्नों के सामान्य पासपोर्ट के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए का भुगतान करना होगा, जबकि तत्काल सेवा के लिए 3,500 रुपए के बजाय 5,000 रुपए देने होंगे।सरकार की ओर से शुल्क बढ़ोतरी का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसका असर निश्चित रूप से उन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर पड़ेगा, जिनके बच्चों को विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर मिलते हैं। साथ ही उन श्रमिकों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जो विदेश में रोजगार के जरिए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहते हैं। इसी के साथ पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने को लेकर भी विवाद पैदा हो गया है। सड़कों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक यह सवाल उठने लगा है कि आखिर नागरिकता साबित करने के लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है।इसमें दो राय नहीं कि भारतीय विद्यार्थियों का विदेश जाकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने में खासा रुझान देखा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 में 12 लाख से अधिक भारतीय विद्यार्थी विभिन्न देशों में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे थे, लेकिन अब इन छात्रों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। विदेशी शिक्षा संस्थानों में बढ़ती फीस और वीजा नियमों में की जा रही सख्ती से देश के छात्रों के कदम ठिठक रहे हैं। ऐसे में पासपोर्ट के आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी उनके इरादों को और कमजोर कर सकती है।इसी तरह विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले श्रमिक वर्ग पर भी इसका विपरीत असर पड़ने की आशंका है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024 में करीब साढ़े तीन लाख भारतीय श्रमिक विदेश गए थे। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक स्थिति के आधार पर पासपोर्ट आवेदन शुल्क में रियायत नहीं दी जा सकती है। सरकार का मकसद केवल राजस्व अर्जित करना ही नहीं, बल्कि आम लोगों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना भी होना चाहिए।यही नहीं, पासपोर्ट के नागरिकता का प्रमाण न होने को लेकर एक नई बहस भी छिड़ गई है। विपक्षी दलों का कहना है कि पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र अगर नागरिकता को साबित नहीं करते, तो फिर इसके लिए कौन सा दस्तावेज जरूरी है। यह विचित्र बात है कि एक तरफ सरकार का दावा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है और यह कभी भी नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं रहा है, तो दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए पात्रता साबित करने हेतु जिन 12 वैध दस्तावेजों की जरूरत होती है, उनमें पासपोर्ट भी शामिल है।

भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की मूल चेतना मनुष्य जीवन को सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ कृति मानती है। लगभग सभी धर्मग्रंथों में यही कहा गया है। इसलिए जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है। यही कारण है कि भारतीय दर्शन में जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि लोकमंगल और आत्मोन्नति का अवसर माना गया है। मगर विडंबना यह है कि जिस देश में जीवन को ईश्वर का अनुपम उपहार माना जाता है, वहीं आत्महत्या की घटनाएं भयावह गति से बढ़ रही हैं।

अवसाद से बढ़ता जान का जोखिम, आत्महत्या की घटनाएं भयावह गति से बढ़ रही हैं

(विनोद के शाह)

परिवारों को समन्वय और संवाद स्थापित करना होगा, शिक्षा को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा, रोजगार को अधिक सुरक्षित बनाना होगा और मानसिक स्वास्थ्य को सार्वजनिक नीति का हिस्सा बनाना होगा।

भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की मूल चेतना मनुष्य जीवन को सृष्टि की सर्वश्रेष्ठ कृति मानती है। लगभग सभी धर्मग्रंथों में यही कहा गया है। इसलिए जीवन का प्रत्येक क्षण अमूल्य है। यही कारण है कि भारतीय दर्शन में जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि लोकमंगल और आत्मोन्नति का अवसर माना गया है। मगर विडंबना यह है कि जिस देश में जीवन को ईश्वर का अनुपम उपहार माना जाता है, वहीं आत्महत्या की घटनाएं भयावह गति से बढ़ रही हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 'एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड्स इन इंडिया' रिपोर्ट के आंकड़े केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि वे समाज की टूटती मानसिकता, बढ़ते अकेलेपन और गहराते अवसाद की छिपी दर्दनाक दास्तान हैं। वर्ष 2023-24 में देश में आत्महत्या के मामलों की संख्या अब तक के उच्चतम स्तर पर रही। एक लाख बहत्तर हजार से अधिक लोगों ने स्वयं अपना जीवन समाप्त कर लिया। यह गंभीर स्थिति है।

चिंताजनक तथ्य यह है कि इन आत्महत्याओं में लगभग तीन-चौथाई संख्या पुरुषों की है। भारतीय समाज पुरुष को परिवार का संरक्षक और मुखिया मानता है, लेकिन यही वर्ग आज सबसे अधिक मानसिक दबाव, आर्थिक असुरक्षा और सामाजिक अपेक्षाओं एवं पारिवारिक तनावों के बोझ तले दबा हुआ है। कभी आत्महत्या के मामलों में महिलाओं की संख्या अधिक हुआ करती थी और तब महिला सुरक्षा तथा सशक्तीकरण को लेकर व्यापक विमर्श हुआ था।

आज परिस्थितियां बदल गई हैं। बेरोजगारी, आर्थिक संकट, पारिवारिक तनाव, बीमारी और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पुरुषों को निराशा के उस अंधकार में धकेल रही है, जहां उन्हें जीवन से अधिक मृत्यु सरल विकल्प प्रतीत होने लगती है। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

दिहाड़ी मजदूरों की संख्या सबसे ज्यादा

आत्महत्या के आंकड़ों में दिहाड़ी मजदूरों की संख्या सबसे ज्यादा होना देश की आर्थिक विषमता और रोजगार संकट की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। रोज कमाने और रोज खाने वाले मजदूर, ठेला और रेहड़ी चलाने वाले तथा असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी सबसे अधिक असुरक्षित हैं।

दूसरी ओर सरकारी और निजी क्षेत्रों में संविदा तथा अल्पकालिक नियुक्तियों का बढ़ता चलन भी लाखों युवाओं के भविष्य को अनिश्चित बना रहा है। नौकरी मिलने के बाद भी पेंशन, सामाजिक सुरक्षा और स्थायित्व का अभाव व्यक्ति को निरंतर भय और असुरक्षा में जीने को विवश करता है। जब

रोजगार छिनता है, तब केवल आय नहीं जाती, बल्कि आत्मविश्वास और जीवन का आधार भी टूट जाता है। ऐसे में व्यक्ति स्वयं को बेहद अकेला महसूस करता है।

बच्चों के पास अपनी समस्याएं साझा करने का पर्याप्त अवसर नहीं

भयावह स्थिति विद्यार्थियों के बीच दिखाई देती है। वर्ष 2023-24 में देशभर में 13 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है। यह संख्या पिछले वर्ष से 8.5 फीसद अधिक है। देश में प्रतिदिन लगभग 35 विद्यार्थी जीवन से हार मान रहे हैं। किसी भी विकासशील राष्ट्र के लिए इससे बड़ा दूसरा खतरा नहीं हो सकता है। देश का भविष्य आत्मग्लानि और बोझ समझ जीवन जी रहा है। यह केवल शिक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना के संकट का भी संकेत है।

आज बच्चे पहले की तुलना में कहीं अधिक अकेला महसूस करते हैं। संयुक्त परिवारों के विघटन ने दादा-दादी, चाचा-चाची और बुआ जैसे आत्मीय रिश्तों को उससे दूर कर दिया है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने के कारण बच्चों के पास अपनी समस्याएं साझा करने का पर्याप्त अवसर नहीं बचा।

दूसरी ओर शिक्षा का बढ़ता व्यवसायीकरण बच्चों को अंक प्राप्त करने की मशीन में बदल रहा है। अभिभावकों की प्राथमिकता ऐसे विद्यालय बन गए हैं जो उत्कृष्ट परिणामों का विज्ञापन करते हैं, जबकि खेल, रचनात्मकता, नैतिक शिक्षा और व्यक्तित्व विकास जैसे विषय पीछे छूट रहे हैं। स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है, जब बचपन पर तकनीकी प्रतिस्पर्धा का बोझ डाल दिया जाता है।

चिंता की बात है कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास की उपेक्षा हो रही है। योग, खेल, साहित्य, संगीत और नैतिक शिक्षा जैसे विषय जो व्यक्तित्व को संतुलित बनाते हैं, वे हाशिए पर चले गए हैं। परिणामस्वरूप बच्चे तनाव और अलगाव का शिकार हो रहे हैं।

संविधान का अनुच्छेद 21 और 21 ए प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन और शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है। जीवन के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास पैदा करना संविधान की भावना का हिस्सा है, लेकिन आत्महत्या की घटनाओं को रोकने के नाम पर छात्रावासों और विद्यालयों में केवल पंखों की ऊंचाई बढ़ा देना या उन पर जालियां लगा देना समस्या का समाधान नहीं है।

आवश्यकता बच्चों के मन को समझने, उन्हें संवाद का अवसर देने और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की है। अधिक चिंता का विषय 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों में बढ़ती आत्महत्या को लेकर है जो 5.68 फीसद दर से पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ गई है। यह समाज और शासन दोनों के लिए चेतावनी है कि यदि अभी भी बचपन को नहीं बचाया गया, तो आने वाली पीढ़ियां मानसिक रूप से असुरक्षित और निराश हो जाएंगी।

प्रत्येक आत्महत्या के पीछे एक टूटा हुआ परिवार

पारिवारिक कारणों से होने वाली आत्महत्याएं भी समाज की बदलती संरचना पर गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। हजारों पुरुष और महिलाएं पारिवारिक तनाव, वैवाहिक असंतोष तथा संबंधों में बढ़ती दूरियों के कारण जीवन समाप्त कर रहे हैं। वैवाहिक जीवन में समन्वय के अभाव, टूटते रिश्तों और विवाहेतर संबंधों ने भी अनेक परिवारों को बिखेरा है।

आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने संवाद की जगह संदेह और संवेदनाओं की जगह स्वार्थ को बढ़ावा दिया है। शिक्षित युवा जानलेवा नशे का शिकार होकर अपराध और आत्मघात की तरफ बढ़ रहे हैं। वहीं गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों का एक बड़ा वर्ग जीवन के संघर्ष से हार मान रहा है।

कृषि प्रधान देश के लिए यह अत्यंत दुखद है कि किसान और खेतिहर मजदूरों के आत्महत्या कर लेने का आंकड़ा भी 6.3 फीसद तक पहुंच गया है। जो वर्ग पूरे देश का पेट भरता है, वही अपने जीवन की सुरक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष कर रहा है।

इन आंकड़ों को केवल सरकारी रिपोर्ट मान कर अनदेखा नहीं किया जा सकता। प्रत्येक आत्महत्या के पीछे एक टूटा हुआ परिवार, अधूरा सपना और समाज की कोई न कोई विफलता छिपी होती है। आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं है, यह परिवार, समाज और राष्ट्र की सामूहिक ऊर्जा का क्षरण है।

जब कोई विद्यार्थी, किसान, मजदूर या परिवार का मुखिया जीवन से हार मानता है, तब यह संकेत होता है कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक, शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाएं अपना दायित्व निभाने में असफल रही हैं।

आवश्यकता केवल भौतिक उपायों की नहीं, बल्कि संवेदनशील समाज के निर्माण की है। परिवारों को समन्वय और संवाद स्थापित करना होगा, शिक्षा को मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा, रोजगार को अधिक सुरक्षित बनाना होगा और मानसिक स्वास्थ्य को सार्वजनिक नीति का हिस्सा बनाना होगा। अर्थव्यवस्था में मजबूती से अधिक जरूरी जीवन प्रत्याशा की समृद्धि है।

बड़ा मिशन लेकर सेशेल्स जा रहे हैं मोदी, हिंद महासागर में भारत का मास्टरस्ट्रोक देखेगी दुनिया

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण भारत द्वारा सेशेल्स तटरक्षक बल को एक तीव्र गश्ती पोत सौंपना है। इससे पहले भारत दो डोर्नियर विमान, कई गश्ती नौकाएं तथा तटीय निगरानी राडार प्रणाली भी सेशेल्स को प्रदान कर चुका है। भारतीय रक्षा कर्मियों की तैनाती और संयुक्त सैन्य अभ्यासों ने दोनों देशों के रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई दी है। समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने में सेशेल्स भारत पर भरोसा करता है। यही कारण है कि यह यात्रा हिंद महासागर में सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दर्शाता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा। यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल पड़ोसी प्रथम तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह ग्लोबल साउथ के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है। इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

(ललित गर्ग)

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है।

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार

वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं। लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है। आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं।

डीसी ने पात्र मतदाताओं के पंजीकरण पर दिया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर शनिवार को नगर भवन में जिले के स्वयंसेवकों के लिए प्रथम चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने की। उन्होंने इस दौरान एसआइआर की प्रक्रिया में स्वयंसेवकों को दायित्व बोध कराया। कहा कि एसआइआर का उद्देश्य शत प्रतिशत पात्र मतदाताओं को पंजीकरण सुनिश्चित कराना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम पाली में महागामा अनुमंडल अंतर्गत मेहरमा, महागामा एवं ठाकुरगंगटी प्रखंडों के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि द्वितीय पाली में गोड्डा अनुमंडल अंतर्गत बसंतराय, पथरगामा एवं गोड्डा प्रखंड के स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में स्वयंसेवकों की सक्रिय, जिम्मेदार एवं प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके तथा त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार हो सके।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मिश्रा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती का आधार शत-प्रतिशत पात्र मतदाताओं का पंजीकरण है। उन्होंने स्वयंसेवकों से पूरी निष्ठा, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे घर-घर जाकर मतदाता सूची के सत्यापन में सहयोग करें तथा नए पात्र मतदाताओं, विशेषकर युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं वंचित वर्गों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक करें।

उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक निर्वाचन आयोग एवं आम नागरिकों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाएंगे। वे अपने-अपने क्षेत्रों में बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यों में सहयोग करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआइआर के दौरान नागरिकों से किसी भी प्रकार के दस्तावेज की मांग नहीं की जाएगी। इस संबंध में किसी प्रकार की भ्रांति या अफवाह पर ध्यान न देते हुए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सफल होगा। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची सत्यापन, प्रपत्रों के सही उपयोग, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन, त्रुटि सुधार, क्षेत्र भ्रमण की प्रक्रिया, नागरिकों से संवाद स्थापित करने के तरीके तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों की जिज्ञासाओं का समाधान विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा किया गया तथा उन्हें निर्देशित किया गया कि वे निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा का पालन करते हुए क्षेत्र में कार्य करें और प्रत्येक पात्र नागरिक तक अभियान का लाभ सुनिश्चित करें।

गर्मी से राहत की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से बेहाल भोजपुरवासियों को अब राहत मिलने लगी है। महज तीन दिन पहले 25 जून को 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा अधिकतम तापमान अब घटकर 37 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है।

तापमान में आई इस गिरावट और आसमान में लगातार छाए बादलों ने लोगों को तपिश से काफी हद तक राहत दी है। रविवार को पूरे दिन आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही। हालांकि दोपहर के समय हवा की रफ्तार धीमी होने से उमस का असर महसूस हुआ, लेकिन शाम होते-होते मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। बढ़ी हुई नमी और ठंडी हवाओं के कारण वातावरण सुहावना हो गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम विज्ञानियों के अनुसार आगामी दिनों में मानसूनी गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। 30 जून से वर्षा के अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं।

अवैध कफ सिरप और टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। पेलावल ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध कफ सिरप और प्रतिबंधित टैबलेट की खरीद-बिक्री के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में कफ सिरप, टैबलेट, स्कूटी और मोबाइल फोन बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, 27 जून को दिवा गश्ती के दौरान सूचना मिली कि ग्राम शाहीनबाग स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के पास कुछ लोग अवैध कफ सिरप एवं टैबलेट की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के लिए पहुंची पुलिस टीम को देखकर कुछ लोग भागने लगे। इस दौरान एक स्कूटी सवार को पकड़ लिया गया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 100 मिलीलीटर के 40 पीस ओनेरेक्स, कफ सिरप, 80 प्रतिबंधित टैबलेट, एक जुपिटर क्लासिक स्कूटी तथा एक सैमसंग मोबाइल फोन बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान इश्तेयाक (35 वर्ष), पिता मोहम्मद असलम, निवासी बागी टोला, पेलावल ओपी, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। इस संबंध में पेलावल ओपी थाना कांड संख्या 101/26 के तहत ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्टकी विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

थाना प्रभारी बिटू रजक ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों एवं प्रतिबंधित दवाओं के कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। ऐसे अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आमजन से भी अपील है कि इस प्रकार की गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। छापेमारी दल में पेलावल ओपी के सहायक अवर निरीक्षक रविन्द्र कुमार, आरक्षी रामजान अंसारी तथा चालक मो. सलीम अंसारी शामिल थे।

विश्वकर्मा समाज का अधिवेश एवं कार्यकारिणी गठन संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 4 स्थित विश्वकर्मा मंदिर के सामुदायिक भवन में विश्वकर्मा समाज बोकारो का 48 वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। अधिवेशन में समाज के सदस्यगण एवं पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अधिवेशन में झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष विकास राणा मुख्य अतिथि थे। अधिवेशन में वर्ष 2025 का वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। साथ ही समाज के भावी योजनाओं पर प्रस्ताव पारित हुआ। तत्पश्चात समाज की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें समाजपति / अध्यक्ष नुनूलाल विश्वकर्मा, उपसमाजपति/ उपाध्यक्ष रामसागर प्रसाद एवं रामानन्द शर्मा, महामंत्री सुभाष शर्मा, संयुक्त महामंत्री अरूण शर्मा, उमेश विश्वकर्मा, चंदन कुमार एवं आषुतोष कुमार, कोषाध्यक्ष शिवकुमार मिस्त्री चुने गए।

सिपाही भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

अररिया। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), बिहार द्वारा विज्ञापन संख्या-02/2026 के तहत बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) के पदों पर भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा रविवार को अररिया जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी अररिया श्री विनोद दूहन ने ऑल शम्स मिल्लिया डिग्री कॉलेज, अररिया स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्राधीक्षक एवं प्रतिनियुक्त अधिकारियों को परीक्षा का संचालन पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिले के कुल 19 परीक्षा केंद्रों पर एकल पाली में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक प्रबंध किए गए थे। सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में संगठन विस्तार और जनसंपर्क पर मंथन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। भारतीय जनता पार्टी हजारीबाग जिला की संगठनात्मक बैठक रविवार को पैराडाइस रिसॉर्ट में जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री जयनारायण प्रसाद एवं जिला उपाध्यक्ष कुणाल किशोर ने संयुक्त रूप से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष मंजू नंदिनी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक जिला कोषाध्यक्ष मनोज गिरी थे।

प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार प्रदेश पदाधिकारियों के दो दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के तहत प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका हजारीबाग पहुंचे। इस दौरान आयोजित संगठनात्मक बैठक तीन चरणों में संपन्न हुई। प्रथम चरण में सुबह 11 बजे नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण एवं अवलोकन किया गया। इसके बाद जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, विभिन्न मंच-मोर्चा के जिला अध्यक्षों, सांसद, विधायकों एवं जिला प्रभारी के साथ संगठनात्मक बैठक हुई।

दूसरे चरण में पूर्व मंडल अध्यक्षों, पूर्व जिला पदाधिकारियों, हजारीबाग में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारियों तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों के साथ विस्तृत बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि दीपक बंका ने संगठन के विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को आगामी कार्यक्रमों, संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक को मनीष जायसवाल, प्रदीप प्रसाद, रोशन लाल चौधरी, पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी किशुन कुमार दास, जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह तथा प्रदेश मंत्री डॉ. अमरदीप यादव ने भी संबोधित किया और संगठन को मजबूत बनाने पर अपने विचार रखे।

शाम छह बजे मटवारी गांधी मैदान में प्रबुद्धजनों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरीश श्रीवास्तव, सुदेश चंद्रवंशी, अशोक यादव, अभिमन्यु प्रसाद सहित जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी, वर्तमान एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसकी जानकारी जिला महामंत्री सह जिला मीडिया प्रभारी जयनारायण प्रसाद ने दी।

अभाविप की बैठक में स्थापना दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की घोषणा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की पीरटांड़ प्रखंड इकाई की ओर से रविवार को हरिजन टोला, चिरकी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, शिक्षा के क्षेत्र में कार्यों तथा आगामी स्थापना दिवस कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में एबीवीपी के प्रदेश सह मंत्री मंटू मुर्मू उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पीरटांड़ प्रखंड अपने ऐतिहासिक, धार्मिक और प्राकृतिक महत्व के लिए देशभर में जाना जाता है। यह क्षेत्र आदिवासी समाज के सर्वोच्च देवता मरांग बुरू की आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ जैन समुदाय के विश्व प्रसिद्ध पवित्र तीर्थ सम्मेद शिखरजी के कारण भी विशेष पहचान रखता है।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र ब्रिटिश शासन के विरुद्ध हुए कई आंदोलनों का भी साक्षी रहा है प्रांत एसएफएस सह संयोजक अनीश राय ने कहा कि एबीवीपी का उद्देश्य पीरटांड़ जैसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना है जिला संयोजक नीरज चौधरी ने बताया कि एबीवीपी की स्थापना 9 जुलाई 1949 को हुई थी। इस वर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे गिरिडीह जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पीरटांड़ प्रखंड में स्थापना दिवस के अवसर पर दौड़ प्रतियोगिता एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा बैठक को सफल बनाने में साहिल तुरी, आफरीन परवीन, अंतरा कुमारी, सुरभि कुमारी, दीपक मरांडी, सूरज सोरेन, रोहित कुमार, रोहित राय, विनय कुमार, बादल कुमार, शुभम कुमार, मिलन कुमार, रंजीत कुमार तथा शिवा कुमार सहित अन्य कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जयंती पर याद किए गए पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव की जयंती रविवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण किया।

कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने कहा कि स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव दूरदर्शी राजनेता, कुशल प्रशासक एवं आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों के प्रमुख शिल्पकार थे। उन्होंने देश को आर्थिक संकट से उबारने, उदारीकरण की नीति लागू करने तथा भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनका राजनीतिक जीवन सादगी, विद्वता, दूरदृष्टि एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। कांग्रेसजनों ने उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुँचाने तथा संविधान, लोकतंत्र एवं सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदेश प्रतिनिधि अनुप्रिया सोय , सोशल मीडिया जिला चेयरमैन रवि कच्छप , पूर्व जिला सचिव संतोष सिन्हा , शिवकर बोयपाई , नारायण सिंह पूर्ती, गणेश किस्कु , सुभाष सोना ,विनोद खण्डाईत , राहुल पान आदि उपस्थित रहे।

बोरे से युवती की लाश बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। थाना क्षेत्र के रजौड़ पोखर के आगे प्रधानमंत्री सड़क पर एक बोरे में बंद युवती का शव बरामद किया गया। बोरे में भूसे के बीच युवती (22 वर्ष) का शव बंद कर फेंका गया था। शुक्रवार रात करीब आठ बजे पुलिस ने उसे बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के एक हाथ में कलावा बंधा था, जबकि शरीर पर गुलाबी रंग के कपड़े थे।

उसकी पहचान का प्रयास पुलिस कर रही है। समझा जा रहा है कि गला दबाकर उसकी हत्या की गई होगी, क्योंकि उसके आंख बाहर की ओर निकले हुए थे और चेहरे पर सूजन था। घटनास्थल पर पहुंचकर एसपी मनीष और एसडीपीओ कुंदन कुमार ने जांच-पड़ताल की। एफएसएल की टीम ने भी वहां पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। सड़क किनारे फेंके गए बोरे से दुर्गंध आ रहा था। लोगों की इसपर नजर पड़ी तो संशय हुआ। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। थानाध्यक्ष राहुल कुमार, एसआई सुबोध कुमार वहां पहुंचे।

मुरहू में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। महर्षि मेंही आश्रम मलियादा एवं शबरी कुटिया शांतिपुरी मुरहू में रविवार को साप्ताहिक सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ईश्वर भक्ति, गुरु भक्ति और मानव जीवन की उपादेयता पर प्रकाश डाला गया। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि मानव शरीर दुर्लभ योनि है, इसमें हम अपने अच्छे कर्मों से अपना लोक और परलोक संवार सकते हैं। हमें हमारे कर्म के अनुसार योनि मिलती है।अमीर - गरीब,पशु -पक्षी,कीट पतंग सब भोग योनियां है। केवल मनुष्य ही अपने सुख- समृद्धि को प्राप्त करने की युक्ति जान सकता है। यही ज्ञान आत्मा को परमात्मा से मिलाता है , और मनुष्य को महात्मा बनाता है। उन्होंने कहा कि अध्यात्मिकता से ही देश की सच्ची उन्नति होगी। स्वामी लाहिरी बाबा ने कहा कि सुखी जीवन का गुप्त भेद संत सद्गुरु ही बताते हैं। गुरु में प्रीति हो तो मनुष्य हर भवपाश से बच जाता है। दिगंबर बाबा, मुरलीधर ब्रह्मचारी ने कहा कि पाप कर्म किए बिना दुख नहीं मिलता है, जीवन सुधारने के लिए मनुष्य जीवन अंतिम अवसर है। कार्यक्रम में रांची आश्रम के संरक्षक फतेहचंद अग्रवाल द्वारा अपनी धर्मपत्नी स्व. भगवती देवी की स्मृति में वृहद भंडारे का आयोजन किया गया । मौके पर डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी,मोचीराय मुंडा,मंगल मुंडा, ध्रुवेन्द्र भास्कर,चम्बरा मुंडा, सुबोध कुमार,रामहरि साव,देवमन पुर्ति, कांडे मुंडा, हरिद्वार ठाकुर, बीरु कुमार आदि उपस्थित थे।

डीसी व एसपी ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को बजटो स्थित पोलियो बूथ पर किया गया। अभियान का उद्घाटन उपायुक्त राम निवास यादव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर किया इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. बच्चा सिंह, सदर एमओआईसी डॉ. राकेश रंजन, डॉ. पूजा रंजन, बीडीओ गणेश रजक तथा सीओ जितेंद्र प्रसाद भी उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने सभी अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 5 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दवा अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक खुराक से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने भी लोगों से अभियान को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ और पोलियो-मुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है।सिविल सर्जन डॉ. बच्चा सिंह ने बताया कि जिले के सभी निर्धारित बूथों एवं स्वास्थ्य केंद्रों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को भी पोलियो की खुराक उपलब्ध कराएंगी इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एएनएम, सहिया, आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

मर्सी हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर स्थित मर्सी हॉस्पिटल में रविवार को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में 300 से अधिक मरीजों ने विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य परामर्श लिया तथा उपलब्ध जांच सुविधाओं का लाभ उठाया शिविर के दौरान मरीजों के लिए शुगर एवं ब्लड प्रेशर (बीपी) की निःशुल्क जांच की व्यवस्था की गई थी।

इसके अलावा 2डी ईको एवं पीएफटी जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से जांच एवं उपचार पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की गई शिविर में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें सर्जरी विभाग से डॉ. अनुज अनिल लड्डा, हड्डी रोग विभाग से डॉ. रोइशउदीन, मेडिसिन विभाग से मो. शहजाद शेख, स्त्री रोग विभाग से डॉ. लीलावती पाडिगेला, बाल रोग विभाग से डॉ. प्रियंका अग्रवाल, दंत रोग विभाग से डॉ. विशाल शाहाबादी एवं डॉ. सौरभ जगनानी, कान-नाक-गला विभाग से डॉ. विवेक डोकानिया, अल्ट्रासाउंड विभाग से डॉ. नितेश सिंह तथा त्वचा रोग विभाग से डॉ. फरहा आजाद ने मरीजों का परामर्श एवं उपचार किया मर्सी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. पी.एच. मिश्रा ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य गिरिडीह एवं आसपास के लोगों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि शिविर में 300 से अधिक मरीजों की भागीदारी लोगों के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। अस्पताल आगे भी समय-समय पर जनहित में ऐसे स्वास्थ्य शिविर एवं विशेष परामर्श कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।शिविर में पहुंचे मरीजों एवं उनके परिजनों ने अस्पताल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों से जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेने का अच्छा अवसर मिलता है और बेहतर इलाज की सुविधा सुलभ हो पाती है।

आदिवासी उरांव समाज संघ के रक्तदान शिविर में 61 यूनिट रक्त संग्रह

उपायुक्त ने रक्तदाताओं को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। आदिवासी उरांव समाज संघ, चाईबासा के 79वें स्थापना दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल, चाईबासा में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला उपायुक्त मनीष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. जूझार माझी, पोड़ाहाट-चक्रधरपुर अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी तथा प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी ईरा जोरवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में उपायुक्त मनीष कुमार ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचा सकता है। उन्होंने जिले के युवाओं और नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने और इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक को लाइसेंस प्राप्त हो चुका है, जिससे जिले के मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने नियमित रक्तदान को ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त भंडारण बनाए रखने के लिए आवश्यक बताया।

रक्तदान शिविर के दौरान उपायुक्त ने सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके मानवीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे ₹रक्तवीर₹ समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

एक दिवसीय शिविर में कुल 61 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, जिसे जिले में सुरक्षित रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जिला प्रशासन ने शिविर के सफल आयोजन के लिए आदिवासी उरांव समाज संघ, रक्तदाताओं और स्वास्थ्य विभाग की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरकारी स्कीम में हर महीने मिलेगा 20500 रुपये तक ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप रिटायर हो चुके हैं और स्थायी, सुरक्षित के साथ-साथ हर महीने तय आय चाहते हैं तो सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम आपके लिए है। वरिष्ठ नागरिकों के बीच यह स्कीम काफी लोकप्रिय है। मौजूदा समय में शेयर बाजारों की जो स्थिति है उस हिसाब से ये सरकारी योजनाएं एक बेहतर इनवेस्टमेंट ऑप्शन हो सकती हैं। बता दें, सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम 60 साल की उम्र पार कर चुके लोगों के लिए है। यह रेगुलर इनकम देती है। अप्रैल से जून 2026 की तिमाही के लिए सीनियर सिटीजन स्कीम पर सरकार ने 8.2 प्रतिशत

ब्याज दर तय किया है। सरकार की तरफ से हर तिमाही में इस योजना को रिव्यू किया जाता है। 30 जून या फिर एक जुलाई को अगली तिमाही का ब्याज दर घोषित हो सकता है। बता दें, यह योजना 5 साल में मैच्योर होती है। इस योजना को तीन साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। इस योजना की खासियत है कि ब्याज दर हर तिमाही क्रेडिट होता है। ऐसें रिटायर हो चुके कर्मचारियों को रोजना खर्च के लिए अच्छी रकम मिल जाती है।

किस स्थिति में मिलेगा हर महीने 20500 रुपये

कोई भी रिटायर हो चुका व्यक्ति इस स्कीम में अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकता है। मौजूदा समय में इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है। ऐसें में 30 लाख रुपये सालाना इनवेस्टमेंट पर 2.46 लाख रुपये का ब्याज मिलेगा। यानी हर एक तिमाही इनवेस्टर्स को 61500 रुपये और हर महीने 20,500 रुपये का ब्याज मिलेगा।

अगर कोई व्यक्ति 15 लाख रुपये का इनवेस्टमेंट करता है तो उसे सालाना 1.23 लाख रुपये का ब्याज मिलेगा। हर एक तिमाही 30,750 रुपये का इनटरेस्ट रेट्स निवेशक को मिलेंगे।

पति-पत्नी कर सकते हैं निवेश

इस योजना की खासियत यह भी है कि एक पैन कार्ड पर 30 लाख रुपये का इनवेस्टमेंट हो सकता है। जिसकी वजह पति-पत्नी मिलाकर 60 लाख रुपये का इनवेस्टमेंट कर सकता है। सालाना 8.2 प्रतिशत के ब्याज को अगर देख लें 1 साल में इस निवेश से पति-पत्नी को मिलाकर कुल 492000 रुपये का ब्याज मिलेगा। यानी हर महीने उन्हें ब्याज के रूप में 492000 रुपये मिलेंगे।

टैक्स में छूट

इस स्कीम के जरिए सेक्शन 80सी के इनकम टैक्स में छूट के लिए भी क्लेम किया जा सकता है। हालांकि, यह सुविधा पुराने टैक्स रिजीम के तहत ही है। बता दें, इस स्कीम मे कमाए गए ब्याज पर निवशकों टैक्स देना पड़ेगा।

चीन में कंपनियों का मुनाफा सुस्त

6 महीने में पहली बार घुटनों पर आया ड्रैगन

अनुमान से कम रही मुनाफे की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत एक बार फिर गहरे होने लगे हैं। मजबूत निर्यात और फैक्ट्री-गेट कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद, घरेलू बाजार में कमजोर मांग के कारण मई महीने में चीन के औद्योगिक मुनाफे की रफ्तार छह महीनों में पहली बार धीमी पड़ गई है। चीन के ये आंकड़े भारत के लिए भी काफी मायने रखते हैं। इससे भारत को नुकसान और फायदा दोनों हैं।

चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार,मई 2026 में औद्योगिक मुनाफा पिछले साल की तुलना में 21.1 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि यह आंकड़ा सकारात्मक दिख रहा है, लेकिन यह अप्रैल महीने में दर्ज की गई 24.7 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले काफी कम है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 के पहले पांच महीनों (जनवरी से मई) के दौरान चीन का औद्योगिक मुनाफा कुल मिलाकर 18.8 प्रतिशत बढ़ा, जो ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक्स के 19 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा कम है।

यह सुस्ती बेहद चौंकाने वाली है, क्योंकि इसी साल मार्च में चीन तीन साल से अधिक समय बाद फैक्ट्री डिफ्लेशन (उत्पादन में मंदी) के दौर से बाहर निकला था और मई में उत्पादक कीमतें साल 2022 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ी थीं।

चीन के घरेलू बाजार में सुस्ती का असर भारत पर भी दिखाई दे सकता है। जब चीन के अपने लोग सामान नहीं खरीद रहे हैं, तो वहां की कंपनियां घाटे से बचने के लिए अपना अतिरिक्त माल (जैसे स्टील, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स) बहुत कम दामों पर भारतीय बाजारों में डंप यानी सस्ते में बेच सकती हैं। इससे भारत के घरेलू निर्माताओं को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, भारत सरकार ऐसी स्थिति से निपटने के लिए एंटी-डंपिंग ड्यूटी (अतिरिक्त टैक्स) लगाने के लिए तैयार रहती है।

यहां भारत के पास मौका ही मौका: वैश्विक कंपनियां जो अब तक पूरी तरह चीन पर निर्भर थीं, वे 'चीन + 1' की रणनीति के तहत भारत का रुख तेज कर सकती हैं।

कंपनियों की कमाई पर असर

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में चल रहे भारी निवेश और मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) संकट के कारण ऊर्जा बाजारों में आई तेजी से चीन के एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग गुड्स की मांग विदेशों में काफी मजबूत रही। लेकिन, चीन के भीतर घरेलू निवेश में भारी गिरावट और चीनी परिवारों द्वारा खर्च में की जा रही कटौती के चलते कंपनियों की कुल कमाई पर इसका बुरा असर पड़ा। विदेशों से मिली मजबूती, घरेलू बाजार की इस कमजोरी को छिपा नहीं सकी। जनवरी से मई 2026 के बीच चीनी औद्योगिक कंपनियों ने कुल 3.14 लाख करोड़ युआन (करीब 462 अरब डॉलर) कमाए। मई महीने में दिख रही 21.1 प्रतिशत की बढ़त का एक कारण यह भी है कि पिछले साल चीन का औद्योगिक मुनाफा 9.1 प्रतिशत तक गिर गया था। वर्तमान मुनाफा अभी भी साल 2022 के समान स्तर से काफी नीचे है।

पश्चिम एशिया में फिर बढ़ा तनाव लेकिन भारत के लिए राहत की बात, 7 जहाजों ने पार किया होर्मुज

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ईरान ने गुरुवार को एक कार्गो शिप को निशाना बनाया। इसके जवाब में अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। लेकिन भारत के लिए राहत की बात है। शनिवार तक पिछले 72 घंटों में भारत और विदेशी झंडे वाले नौ जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे हैं। इनमें से सात कार्गो लेकर भारत आ रहे हैं।

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से शनिवार तक भारत के लिए कार्गो ले जाने वाले 44 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे हैं। पिछले 72 घंटे में गुजरे नौ जहाजों में से चार पर भारत का झंडा लगा है और पांच पर विदेशी झंडा है। भारत आ रहे 15 और जहाज फ़ारस की खाड़ी में इंतजार कर रहे हैं। इनमें भारत के झंडे वाले 10 जहाज शामिल हैं।

खाद की सप्लाई: सूत्रों के मुताबिक इनमें से चार जहाजों में फर्टिलाइजर लदा है जबकि एक एनर्जी कार्गो है। भारत के झंडे वाले बल्क कैरियर प्रीति 2 ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट पार किया। इस पर 65,000 टन फ़र्टिलाइजर भरा है। शुक्रवार को दो अन्य जहाज देश सुरक्षा और प्रभु पार्वती इस अहम समुद्री रास्ते से गुजरे थे। देश सुरक्षा में एक लाख टन से ज्यादा कच्चा तेल भरा था जबकि प्रभु पार्वती में 18,732 टन कार्गो लदा था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 1 मार्च से 17 जून के बीच होर्मुज से केवल 19 जहाज गुजरे थे। वहीं 17 जून को ईरान और अमेरिका के बीच अंतरिम समझौता होने के बाद से 10 दिनों में भारत आने वाले जहाजों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाले लोगों ने बताया कि 1 मार्च से स्ट्रेट पार करने वाले जहाजों में से 15 बल्क कैरियर, 13 कैरियर, 11 क्रूड टैंकर और दो एलएनजी कैरियर थे।

उत्तर प्रदेश के गांव के लड़के का कमाल, कभी जेब में नहीं थे पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते हैं कि अगर मेहनत, लगन और सही सोच हो तो कोई भी इंसान अपनी किस्मत बदल सकता है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के छोटे से गांव सपनावत से निकलकर होम अप्लायंसेज की बड़ी कंपनी खड़ी करने वाले राजीव कुमार गुप्ता की कहानी इसी बात का उदाहरण है। आज वह थर्मोकूल होम अप्लायंसेज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी कंपनी का कारोबार करीब 300 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। राजीव गुप्ता का जन्म गाजियाबाद के एक साधारण ग्रामीण परिवार में हुआ था। उनका शुरुआती जीवन बेहद सीधा और कड़े अनुशासन के बीच बीता। बचपन से ही उन्होंने अपने पिता के कामों में हाथ बंटाना शुरू कर दिया था। उनके पिता किराना की दुकान चलाते थे।

फ्लैट डीड में देरी से नहीं रुक सकता कैपिटल गेन का फायदा, आईटीएटी ने किया साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अंडर-कंस्ट्रक्शन या रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में निवेश करने वाले टैक्सपेयर्स के लिए अच्छी खबर है। टैक्सपेयर्स को कैपिटल गेन्स पर टैक्स में छूट से सिर्फ इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता क्योंकि फाइनल कन्वेयंस डीड तय समय के बाद बनी है। इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने एक अहम फैसले में यह व्यवस्था दी है। यह छूट तब मिलती है जब टैक्सपेयर ने किसी रिहायशी संपत्ति में कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकार हासिल कर लिए हों और कानूनी समय-सीमा के भीतर निवेश किया हो। इस फैसले से कई टैक्सपेयर्स को फायदा होने की उम्मीद है।

अगर मकान बेचने से मिले पैसे को किसी दूसरी रिहायशी संपत्ति में फिर से निवेश किया जाए तो इनकम टैक्स कानून की धारा 54 के तहत कैपिटल गेन्स पर छूट का प्रावधान है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक ने टैक्सपेयर द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान एक रिहायशी संपत्ति बेचने से हुए कैपिटल गेन्स पर 2 करोड़ रुपये के डिडक्शन क्लेम को मंजूरी दी।

क्या है मामला: टैक्सपेयर की ओर से उनके कानूनी उत्तराधिकारी ने बताया कि टैक्सपेयर ने जनवरी 2014 में एक एग्रीमेंट करके रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट में निवेश किया था जबकि रजिस्टर्ड ट्रांसफर डीड नवंबर 2016 में बनी थी। इनकम टैक्स अधिकारी और नेशनल फेसलेस अपील सेंटर ने टैक्स बेनिफिट के दावे को खारिज कर दिया था।

उनका कहना था कि टैक्सपेयर ने एक अनरजिस्टर्ड व्यवस्था के जरिए सिर्फ भविष्य की संपत्ति में अधिकार हासिल किए थे और एक्ट के तहत तय समय के भीतर कोई रिहायशी मकान नहीं खरीदा था। लेकिन आईटीएटी ने कहा कि टैक्सपेयर ने जनवरी 2014 के एग्रीमेंट के तहत भुगतान करके असल में एक खास फ्लैट खरीद लिया था। बाद में रजिस्टर्ड सेल डीड ने उस खरीद को सिर्फ औपचारिक रूप दिया।

पुराने फैसलों का हवाला: अपीलीय ट्रिब्यूनल ने कहा कि धारा 54 एक फायदेमंद प्रावधान है जिसका मकसद रिहायशी घरों में निवेश को बढ़ावा देना है। इसकी व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए। ट्रिब्यूनल ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट्स के कई पुराने फैसलों का हवाला दिया। इनमें कहा गया था कि किसी फ्लैट में महत्वपूर्ण अधिकार हासिल करना औपचारिक हस्तांतरण से पहले भी खरीद माना जा सकता है।

आईटीएटी ने साथ ही टैक्सपेयर को पुराना घर बेचते समय कानूनी, ब्रोकरेज और कंसल्टेंसी फीस पर खर्च किए गए पूरे 16.24 लाख रुपये का दावा करने की भी मंजूरी दी। ट्रिब्यूनल ने कहा कि चूंकि टैक्सपेयर ने असल में पूरी रकम का भुगतान किया था, इसलिए कटौती को सिर्फ इसलिए सीमित नहीं किया जा सकता कि पुरानी संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी केवल 49 प्रतिशत थी।

जेवर में बनेगा भारत का बड़ा सोलर प्लांट, सीएम योगी बोले- अब चीन की छुट्टी, मिलेंगे हजारों रोजगार

हजारों युवाओं को मिलेंगे रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जेवर में बनने जा रहे इंटीग्रेटेड सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि यह सोलर प्लांट भारत की एक्सपोर्ट क्षमताओं को मजबूत करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में एक मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जेवर में बनने वाले इस प्लांट का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित करना है। इस प्लांट के जरिए सालाना 6 गीगावाट सोलर सेल बनाने का लक्ष्य है। इसके साथ ही सालाना 5 गीगावाट सोलर मॉड्यूल का निर्माण किया जाएगा। सीएम योगी ने चीन का नाम लेते हुए कहा कि जिन तकनीकों के लिए हमें पहले

दुनिया पर, विशेषकर चीन पर, निर्भर रहना पड़ता था, वे अब सीधे जेवर में उपलब्ध होंगी। एसएईएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस काम को यहीं जेवर की धरती पर करने जा रही है। रोजगार की संभावनाओं पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से उत्तर प्रदेश के युवाओं को ग्रीन इकोनॉमी का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा। इस प्लांट के शुरू होने से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। संबद्ध उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इंजीनियरों और तकनीशियनों को एक बिल्कुल नए क्षेत्र में काम करने का मौका मिलेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्ध नगर में एम्बर और एसेंट के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स का भी शिलान्यास किया।

बोर्डिंग पास इश्यू कर दिया लेकिन विमान में नहीं चढ़ने दिया, अब भरेगी 62,078

श्रीनगर, एजेंसी। बजट एयरलाइन स्पाइसजेट एक बार फिर से चर्चा में है। चर्चा की वजह इसकी खराब सेवा है। इसकी वजह से जम्मू कश्मीर के एक कंज्यूमर कोर्ट ने कंपनी को 62,000 रुपये से भी अधिक राशि भरने को कहा है। साथ ही कंपनी को सेवा में कमी और अनुचित कारोबारी नीति अपनाने का भी दोषी ठहराया है। इस मामले में शिकायतकर्ता हैं श्रीनगर के निवासी गुलाम नबी फाफू। वह अपनी पत्नी रजा बेगम के साथ 8 जुलाई 2024 को हज यात्रा से लौट रहे थे। दिल्ली से श्रीनगर आने के लिए उनके बेटे ने उनके लिए की टिकट बुक की थी। यह फ्लाइट दिल्ली से शाम 6:45 बजे उड़ान भरने वाली थी और 8:20 बजे श्रीनगर पहुंचनी थी।

बोर्डिंग पास देने के बाद कैंसिल: फाफू दंपत्ति निर्धारित समय से पहले ही दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पहुंच गए थे। उन्होंने नियमानुसार चेक-इन पूरा किया, अपना लगेज एयरलाइन स्टाफ को सौंप दिया। इसके बाद उन्हें बोर्डिंग पास भी मिल गया। फिर उन्होंने अपनी सुरक्षा जांच कराई और बोर्डिंग गेट पर पहुंच गए, विमान में सवार होने के लिए। हालाकि, निर्धारित समय पर जब बोर्डिंग शुरू हुई, तो उन्हें विमान में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने जब कारण पूछा, तो एयरलाइन इसका जवाब नहीं दे सकी। दंपत्ति का आरोप था कि उनकी सीटों पर अन्य यात्रियों को अकोमोडेट कर दिया गया और उनका बोर्डिंग पास कैंसिल कर दिया गया।

हवाई अड्डे पर गुजारी रात: फाफू दंपत्ति जब हवाई जहाज में सवार नहीं हो पाए तो वह एयरपोर्ट पर ही छूट गए। रात में दिल्ली से श्रीनगर की कोई फ्लाइट भी नहीं थी। अगले दिन के लिए उन्होंने ऊंचे किराये पर इंडिगो की फ्लाइट में टिकट लिया। तब जाकर वह श्रीनगर पहुंच पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट के लिए उनहें 13,450 रुपये चुकाना पड़ा था। श्रीनगर के जिला उपभोक्ता आयोग या कंज्यूमर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट से उन्होंने रिफंड और हर्जाने की मांग की। कोर्ट की सुनवाई के दौरान नोटिस सर्व करने के बावजूद स्पाइसजेट का प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। इसलिए स्पाइसजेट को किराये की रकम 10,078 रुपये की वापसी करनी होगी। साथ ही ग्राहक को हुई मानसिक पीड़ा, उत्पीड़न और आर्थिक नुकसान के लिए 50,000 रुपये का हर्जाना भरना होगा। साथ ही मुकदमे के खर्च के रूप में उन्हें 2,000 रुपये देने का भी निर्देश दिया। यदि स्पाइसजेट इस रकम को 45 दिनों के भीतर भुगतान करने में असफल रहता है, तो उसे किराये के रिफंड और हर्जाने की राशि पर डिफॉल्ट की तारीख से 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी चुकाना होगा।

क्या कहा कोर्ट ने

आयोग की अध्यक्ष फराह दीबा और सदस्य शबनम मुन्शी की बेंच ने पाया कि दंपति ने सभी यात्रा औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं। उनके पास वैध बोर्डिंग पास भी थे। फिर भी उन्हें फ्लाइट में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। आयोग ने नोट किया कि स्पाइसजेट की शिकायत पर न पहुंचने और उसका सामना न करने की विफलता वह 'दंभ' दर्शाती है। स्पाइसजेट की कृत्य की वजह से फाफू दंपत्ति को गंभीर मानसिक पीड़ा हुई। एक तरह से यह उनका उत्पीड़न हुआ और उन्हें आर्थिक नुकसान भी हुआ। एयरलाइन का व्यवहार सेवा में कमी और अनुचित व्यापार प्रथा दोनों के रूप में गिना जा सकता है।

अनिल अग्रवाल की वेदांता को मिला सम्मान, काम करने के लिए देश की सबसे बेहतर 100 कंपनियों में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता को भारत में काम करने के लिहाज से टॉप 100 कंपनियों में शामिल किया गया है। वेदांता के वर्कफोर्स में 23 प्रतिशत महिलाएं, लगभग 100 ट्रांसजेंडर कर्मचारी शामिल हैं। ग्रुप ने पिछले 5 वर्षों में कर्मचारियों के लिए लगभग 2,500 करोड़ की वेल्थ का सृजन किया है। इस ग्रुप का बिजनेस मेटल, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में फैला है। कंपनी अब रियल सेक्टर में भी उतरने की तैयारी में है। ग्रेट प्लेस टू वर्क इंडिया ने वेदांता को भारत में काम करने के लिहाज से शीर्ष 100 कंपनियों की लिस्ट में शामिल है। यह सम्मान वेदांता की उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत कंपनी विश्वास, उत्कृष्ट प्रदर्शन और समावेशिता पर आधारित कार्यस्थल का निर्माण कर रही है। कंपनी में कर्मचारियों को आगे बढ़ने, इनोवेशन करने और सार्थक योगदान देने के अवसर मिलते हैं। पिछले पांच साल में वेदांता ने अपने व्यापक ईएसओपी (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना) कार्यक्रम के माध्यम से कर्मचारियों के लिए लगभग 2,500 करोड़ की संपत्ति (वेल्थ) का सृजन किया है। साथ ही, कंपनी ने भारत के सबसे युवा और लगातार अधिक विविध होते कार्यबल का निर्माण भी किया है। आज कंपनी के 40 प्रतिशत कर्मचारी 30 वर्ष से कम आयु के हैं, महिलाएं कुल कार्यबल का 23 प्रतिशत हैं और कंपनी के विभिन्न व्यवसायों में लगभग 100 ट्रांसजेंडर प्रोफेशनल्स कार्यरत हैं। इस उपलब्धि पर वेदांता ग्रुप की सीएचआरओ नेहा शर्मा ने कहा कि यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि हम भविष्य के लिए वेदांता का निर्माण किस सोच के साथ कर रहे हैं, जहां प्रदर्शन, समावेशिता और स्वामित्व की भावना साथ-साथ आगे बढ़ते हैं।

'गोलमाल 5' की वजह से रुकी रोहित शेट्टी की 'मारिया'

जॉन अब्राहम-तमन्ना भाटिया स्टारर प्रोजेक्ट 'मारिया' लगभग तैयार हो गया है। निर्देशक रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में राकेश मारिया की जिंदगी और मुंबई अंडरवर्ल्ड की असली जंग पर आधारित कहानी देखने को मिलेगी। हालांकि दर्शकों को इसकी रिलीज के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। आमतौर पर किसी फिल्म की 95 फीसदी शूटिंग पूरी हो जाए तो मेकर्स रिलीज डेट तलाशने लगते हैं लेकिन रोहित की इस महत्वाकांक्षी फिल्म 'मारिया' की स्थिति इसके ठीक उलट है। यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार माना जा रहा है, बावजूद इसके इसकी बची हुई शूटिंग और रिलीज दोनों फिलहाल थमी हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि रोहित 'गोलमाल का पूरा ध्यान इस समय अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइज

एसेल स्टूडियो से हुई थी शुरुआत, कुछ पैचवर्क का काम है बाकी

सूत्रों के अनुसार फिल्म की मुख्य शूटिंग तो काफी पहले पूरी हो चुकी है पर अभी कुछ पैचवर्क, क्लोज-अप शॉट्स और सीमित सीक्वेंस ही बाकी हैं। तकनीकी तौर पर प्रोजेक्ट लगभग तैयार है लेकिन मेकर्स जल्दबाजी में इसे रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं। फिल्म की शुरुआत मुंबई के ट्रॉम्बे स्थित एसेल स्टूडियो से हुई थी, जहां पुलिस मुख्यालय, जांच कक्ष और प्रशासनिक दफ्तरों के बड़े सेट तैयार किए गए थे।

पहली बार किसी बड़े प्रोजेक्ट में राकेश मारिया के करियर, मुंबई पुलिस और अंडरवर्ल्ड के संघर्ष को केंद्रीय विषय बनाकर कहानी कही जा रही है। फिल्म में डी-कंपनी और उससे जुड़े नेटवर्क्स को कहानी को महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया था। हालांकि कानूनी और रचनात्मक कारणों से कई पात्रों के नाम और प्रस्तुति में बदलाव हुए हैं।

'मारिया' रोहित के ट्रेडमार्क स्टाइल सिनेमा से काफी अलग

'मारिया' रोहित के ट्रेडमार्क सिनेमा से काफी अलग है। यहां न उड़ती गाड़ियां हैं, न हाई ऑक्टेन स्टंट। कहानी का फोकस जांच, इंटेलिजेंस ऑपरेशन, पूछताछ, रणनीतिक फैसलों और अपराध की परतें खोलने वाली प्रक्रियाओं पर है। फिल्म का आधार मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया की चर्चित किताब और उनके करियर के कई अहम केस हैं। इसे बायोपिक की तरह नहीं बनाया गया है। कहानी में वास्तविक घटनाओं, जांच अभियानों को सिनेमाई अंदाज में पिरोया गया है।

'सुपर सुब्बू' में ह्यूमर और सच्ची मानवीय भावनाओं का बेहतरीन संतुलन है

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। बुधवार को सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है। सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा-तफरी, जिज्ञासा और हंसी-मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है। निर्देशक मल्लिक राम ने जो दुनिया रची है, वह अनोखी, जीवंत और ऊर्जा से भरपूर है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो। मैं दुनिया भर के दर्शकों के माकीपुर के आकर्षण को देखने के लिए उत्साहित हूं।'

वहीं अभिनेता सुंदीप किशन ने कहा, ''सुपर सुब्बू' एक ऐसे विषय को उठाती है, जिस पर लोग अक्सर खुलकर बात करने से झिझकते हैं। लेकिन यह इसे हास्य, गर्मजोशी और ईमानदारी के साथ पेश करती है। सुब्बू एक ऐसा व्यक्ति है जो एक समस्या सुलझाने निकलता है और अनजाने में पांच नई समस्याओं में फंस जाता है। नौकरी की परेशानियों, रिश्तों की उलझनों, पिता के सामने अपनी छवि बचाने की कोशिश और गांव वालों को नाराज कर देने जैसी स्थितियों के बीच वह लगातार मुश्किलों में घिरा रहता है। उसकी सबसे खास बात यह है कि उसकी नीयत हमेशा अच्छी रहती है, भले ही हालात उसके नियंत्रण से बाहर क्यों न हो जाएं।' उन्होंने कहा, 'माकीपुर अजीबोगरीब लेकिन दिलचस्प किरदारों से भरा हुआ है और हर गलतफहमी कहानी में नया हास्य और नया बवाल जोड़ती है। दर्शक लगातार यह सोचते रहेंगे कि सुब्बू अब इस स्थिति से कैसे निकलेगा। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ काम करना और नेटफ्लिक्स की पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक सुब्बू से मिलें और उसकी इस यादगार यात्रा का हिस्सा बनें।'

हॉरर और सस्पेंस का असर बढ़ाने के लिए रीशूट होगी सिद्धार्थ-तमन्ना स्टारर 'वन'

इंडियन सिनेमा में पिछले कुछ वर्षों में हॉरर फिल्मों की भाषा तेजी से बदली है। अब केवल डराने वाले सीन नहीं, बल्कि माहौल, लोककथाएं और मनोवैज्ञानिक तनाव भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इसी बदलते दौर में 'वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' अपने एक्स्ट्रा शूट शेड्यूल को लेकर चर्चा में है। फिल्म की टीम ने करीब 10 दिनों की नई शूटिंग का फैसला किया है। यह निर्णय किसी तकनीकी कमी या कहानी में बड़े बदलाव की वजह से नहीं लिया गया, बल्कि इसलिए कि फिल्म के हॉरर, सस्पेंस और खासकर अंतिम हिस्से को और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि टीम मौजूदा फुटेज से संतुष्ट है, लेकिन उन्हें लगा कि क्लाइमैक्स में कुछ ऐसे अवसर मौजूद हैं जिनसे तनाव और सिनेमाई असर को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है।

घने जंगल और लोककथा के जरिए कहानी में पैदा होगा डर

निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा और अरुनाभकुमार इस फिल्म को पारंपरिक हॉरर से अलग रूप देना चाहते हैं। फिल्म भारतीय लोककथाओं, जंगलों और रहस्यमयी मान्यताओं से प्रेरित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कहानी में बिहार के दरभंगा क्षेत्र और छठ पर्व की सांस्कृतिक झलक भी शामिल की गई है।

फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा

सूत्रों के अनुसार फिल्म में जंगल एक जीवंत किरदार की तरह काम करेगा। कई हिस्सों की शूटिंग वास्तविक लोकेशनों पर और सीमित कृत्रिम रोशनी के बीच की गई है ताकि सीन्स ज्यादा वास्तविक और रहस्यमयी महसूस हों। मेकर्स का फोकस ऐसे अनुभव पर है जहां हर आवाज और हर छाया कहानी का हिस्सा लगे।

फाइनल कट के बाद टीम को लगा कुछ कमी रह गई है

बताया जा रहा है कि फाइनल कट देखने के बाद टीम को लगा कि अंतिम हिस्से में तनाव और भावनात्मक असर को और बढ़ाया जा सकता है। इसी वजह से कुछ हॉरर सीक्वेंस और क्लाइमैक्स वाले विजुअल्स पर दोबारा काम किया जा रहा है। यह प्रक्रिया बड़े स्केल की फिल्मों में अक्सर अपनाई जाती है ताकि दर्शकों को ज्यादा इमर्सिव अनुभव मिल सके।

वीएफएक्स के साथ बनेगा नया सिनेमैटिक यूनिवर्स

फिल्म में वीएफएक्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स दोनों का मेल रखा गया है ताकि स्क्रीन पर कृत्रिमता कम लगे। रिलीज से पहले 'द लीजेंड ऑफ वन' नाम की कॉमिक बुक भी लाई गई है।

मेरे बोलने से समस्या खड़ी हो जाती है, आलोचकों पर बरसे रजनीकांत

सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' की आज घोषणा हुई। इस दौरान रजनीकांत फिल्म के लॉन्च पर पहुंचे। यहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया, जो उनकी चुप्पी या उनके बोलने पर हमेशा सवाल उठाते रहते हैं। एक्टर ने कहा कि उनके बोलने और न बोलने दोनों पर ही लोगों को शिकायत रहती है।

आलोचनाओं से बचा नहीं जा सकता

75 साल के इस एक्टर ने अपने ऊपर होने वाली लगातार आलोचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें हाल ही में यह समझ आया है कि आलोचना से बचा नहीं जा सकता। चेन्नई में हुए इस इवेंट में रजनीकांत ने कहा कि अब उन्हें भाषण देने के लिए बुलाए जाने पर हिचकिचाहट होती है, क्योंकि अक्सर उनकी बातों पर चर्चा होने लगती है। उन्होंने कहा कि जब कोई मुझसे बोलने के लिए कहता है, तो मैं हिचकिचाने लगता हूं। क्योंकि जब भी मैं बोलता हूं, तो कोई न कोई समस्या खड़ी हो जाती है, या तो मेरे लिए या आपके लिए। अगर मैं चुप रहता हूं, तो वे मेरा मजाक उड़ाते हुए कहेंगे, 'वह बोल क्यों नहीं रहा है? क्या उसने मुंह में कोझुकट्टई (एक मीठी चीज या मोदक) भर रखी है?'

जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वो नहीं ही करेंगे

सुपरस्टार ने आगे यह भी कहा कि जब वे बोलते हैं, तो लोग अक्सर उनके बयानों पर सवाल उठाते हैं या तर्क देते हैं कि उन्हें किसी विशेष मुद्दे पर नहीं बोलना चाहिए था। अगर मैं बोलता हूं, तो कुछ लोग कहेंगे, 'उन्होंने अभी क्यों बोला?' जबकि अन्य कहेंगे कि उन्हें बोलना ही नहीं चाहिए था। कई साल बाद मुझे एक बात समझ आई है, जो लोग हमें पसंद नहीं करते, वे हमें तब भी पसंद नहीं करेंगे, चाहे हम कुछ भी कर लें। यह सोचना बेवकूफी है कि जो लोग हमें पसंद करते हैं, वे हमारे हर काम को पसंद करेंगे। इसलिए सावधान रहना जरूरी है। हर किसी से अपने कामों के लिए मंजूरी की उम्मीद करना सही नहीं है और लोगों को सावधान रहना सीखना चाहिए।

रजनीकांत की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

हाल ही में रजनीकांत को उनके राजनीतिक रुख या राजनीतिक नेताओं के साथ मुलाकातों के लिए काफी ट्रोल किया गया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी आने वाली फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास डायरेक्टर नेल्सन की 'जेलर 2' भी है, जिसके कुछ महीनों में रिलीज होने की उम्मीद है। वहीं कमल हासन के साथ उनकी फिल्म, जिसे नेल्सन डायरेक्ट करेंगे, 2027 में शुरू होने की उम्मीद है।

अपनी फिल्मों का सीक्वल नहीं बनाना चाहता मजा तभी आता है, जब नए रास्ते पर निकलो

इम्तियाज अली हिंदी सिनेमा के उन फिल्मकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने प्रेम कहानियों और रिश्तों को एक अलग नजरिए से पर्दे पर पेश किया। 'जब वी मेट', 'लव आजकल' और 'रॉकस्टार' जैसी उनकी फिल्में कल्ट क्लासिक में गिनी जाती हैं और दर्शक भी आए दिन इन फिल्मों के सीक्वल की मांग करते हैं। मगर इम्तियाज अली सीक्वल बनाने में यकीन नहीं रखते। इम्तियाज अली इस वक्त अपनी हालिया रिलीज 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है, खूब कमा रही है और तारीफें बटोर रही है।

इम्तियाज अली नहीं बनाना चाहते अपनी फिल्मों का सीक्वल

जब इम्तियाज अली से पूछा कि क्या वह अपनी किसी फिल्म का सीक्वल बनाना चाहेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, 'अगर कोई ऐसी कहानी है जो नेचुरली आए और लगे कि यह सीक्वल हो सकता है, तब तो ठीक है। वरना सिर्फ मार्केटिंग के लिए सीक्वल बनाने में मैं यकीन नहीं करता हूं। मुझे मालूम है कि अगर 'जब वी मेट' या 'रॉकस्टार' का सीक्वल बनेगा तो कम से कम लोगों में जिज्ञासा आएगी और बॉक्स ऑफिस पर एक ओपनिंग लग जाएगी। तब क्या होगा कि फिल्म कैसी भी हो, पैसे तो बन ही जाएंगे। मगर मेरी यह सोच नहीं है और न मुझे यह पसंद है। वैसे मैं सीक्वल्स के पक्ष में नहीं रहता क्योंकि बतौर फिल्ममेकर आपको मजा भी तब आता है, जब आप एक नए रास्ते पर निकलते हो।'

हर फिल्म पिछली से जुदा क्यों?

इम्तियाज की ज्यादातर फिल्में अपनी पिछली फिल्म से बिल्कुल जुदा होती हैं। इस बारे में वह कहते हैं, 'मुझे पहले वाला काम पसंद नहीं आता। जो काम मैं कर चुका हूं, दोबारा करने में उतना मज़ा नहीं आता है और मुझे ऐसा लगता है कि हम अलग-अलग तरह की फिल्में बनाकर बहुत कुछ सीख रहे हैं। तो एक तरह के अनुभव से आपने कुछ सीखा, दूसरे से आप कुछ और सीखोगे।'

युवा चाहते हैं उम्र भर चलने वाली मोहब्बत

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' विभाजन के समय शुरू हुई प्रेम कहानी पर आधारित है। मगर इस तरह की कहानियों पर फिल्में दशकों से बन रही हैं। तो फिर क्यों इम्तियाज ने यह विषय चुना? वह कहते हैं, 'इस फिल्म को बनाने की सोच तो विभाजन और उसकी जो लव स्टोरीज हैं, उनसे शुरू हुआ। इसको देखकर जो आज के लोग हैं, वो बहुत हैरान होते हैं। वो यह सोचकर हैरान हैं कि हमारे दादाजी 78 सालों बाद भी किसी को याद कर रहे हैं। वो कहते हैं कि ऐसा हमारी जिंदगी में क्यों नहीं मुमकिन हो सकता। हमें भी इस तरह की मोहब्बत चाहिए जो उम्र भर चले।'

इस फिल्म में लीड किरदार दिलजीत ने निभाया है जो उनकी पिछली फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के भी हीरो थे। इस पर इम्तियाज कहते हैं, 'पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ही एक्टर दो फिल्मों में लगातार एक के बाद एक कास्ट हुआ हो। और यह संजोग है कि दोनों फिल्मों के लिए दिलजीत ही फिट थे। जब हम 'चमकीला' कर रहे थे तो इस फिल्म में भी वही एक्टिंग करेंगे, इस बात का कोई पता नहीं था। यह कैरेक्टर भी उस वक्त तक पूरी तरह से बना नहीं था।

प्रेम की परिभाषा बहुत बदली है

'जब वी मेट' को करीब-करीब दो दशक का समय हो चुका है। इतने समय में प्यार को लेकर विचारों में क्या बदलाव आया है? यह पूछने पर इम्तियाज़ कहते हैं, 'परिभाषा हमेशा बदलती रहती है। पहले लगता है कि यही एक परिभाषा है। इतनी सारी फिल्मों के बाद हर चीज़ की समझ, पहचान और परिभाषा बदली है। जिसको हम प्यार कहते हैं या प्रेम का रिश्ता कहते हैं, उसकी परिभाषा बहुत ज्यादा बदली है। जो भी बदलाव आया है, वह मेरे ख्याल से मेरी फिल्मों में ही झलकेगा।'

ओटीटी चैलेंज नहीं सुविधा है

जब उनसे पूछा गया कि क्या ओटीटी के दौर में आप कोई चैलेंज महसूस करते हैं? तो वह बोले, 'ओटीटी आज के दौर में चैलेंज नहीं है। असल में यह एक सुविधा है हमारे पास कि हम इस तरह की भी कहानियां बना सकते हैं। जैसे 'चमकीला' ओटीटी के लिए थी। एक और शो भी हम बना रहे हैं, सीरीज भी बना रहे हैं। तो वह सब ओटीटी में आएंगी। इसको मैं चैलेंज नहीं समझता, बल्कि यह एक अच्छी चीज है कि हमारे पास दूसरा भी साधन मौजूद है। अगर चाहें तो हम उसमें भी काम कर सकते हैं। एक और अच्छी चीज इसमें यह होगी कि हमें समझ में आ जाएगा कि ओटीटी के शो बनाने के लिए कौन सी कहानी फिट है और बड़े पर्दे के लिए कौन सी कहानी बेहतर है।'

फॉर्म में लौटे सुमित नागल, दो साल में पहली बार जीता एटीपी चैलेंजर खिताब

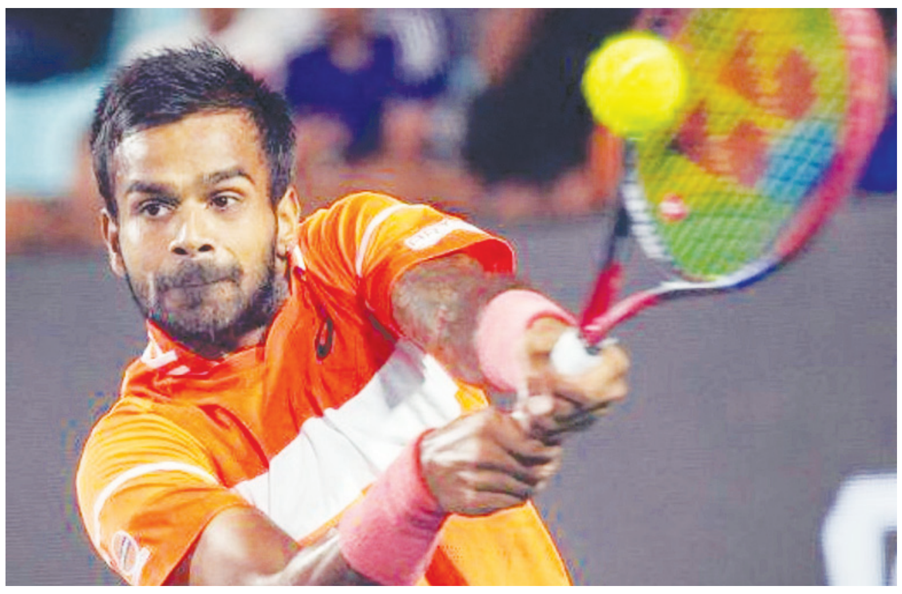

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने रोमानिया के टार्गु मुरेस में खेले गए इंटारो ओपन क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में फ्रांस के क्वालीफायर फेलिक्स बालशॉ को 6-3, 7-5 से हराकर दो साल से ज्यादा समय में अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही चैलेंजर स्तर पर नागल का खिताबी सूखा भी खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने जून 2024 में जर्मनी में हेलब्रॉन चैलेंजर जीता था।

सातवां एटीपी चैलेंजर खिताब अपने नाम किया

यह इस 28 वर्षीय खिलाड़ी का कुल सातवां एटीपी चैलेंजर एकल खिताब था और क्ले कोर्ट पर यह उनकी पांचवीं ट्रॉफी थी जो इस कोर्ट के प्रति उनके लगाव को दर्शाती है। नागल खराब दौर के बाद अपनी रैंकिंग को फिर से बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं और इस खिताब से उन्होंने 75 एटीपी रैंकिंग अंक हासिल किए। उम्मीद है कि नई रैंकिंग जारी होने पर वह दुनिया में लगभग 219वें नंबर पर पहुंच जाएंगे। उन्हें अपनी इस कामयाबी के लिए 15,510 यूरो की पुरस्कार राशि भी मिली।

भारतीय खिलाड़ी ने बेसलाइन से शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन दूसरे सेट में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि बालशॉ मुकाबले में बने हुए थे। हालांकि नागल ने मैच के आखिरी पलों में संयम बनाए रखा और सीधे सेटों में जीत हासिल की। यह खिताब नागल के लिए सही समय पर आया है क्योंकि इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह फिर से बनाने की कोशिश में जुटे नागल ने इस सत्र का अधिकतर समय चैलेंजर सर्किट पर खेलते हुए बिताया है।

इस टूर्नामेंट से पहले उन्होंने 13 चैलेंजर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था और दूसरे दौर से आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इस ट्रॉफी से पहले उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन मोल्दोवा में चिसिनाउ टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल तक जगह बनाना रहा था।

शुभमन पर चढ़ा फुटबॉल का फीवर! रोनाल्डिन्हो के साथ आए नजर

न्यूयॉर्क। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिका में खेले जा रहे फीफा विश्व कप 2026 के दौरान हुई, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं। शुभमन गिल ने इस खास मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की, जिसमें वह ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर और 2002 फीफा विश्व कप विजेता रोनाल्डिन्हो के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद क्रिकेट और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच यह काफी चर्चा का विषय बन गई।

शानदार फॉर्म में हैं शुभमन गिल

शुभमन गिल हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए नजर आए। भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की और कप्तान के तौर पर यह गिल की पहली वनडे सीरीज जीत रही। गिल ने दो पारियों में 232 रन बनाए, जिसमें 154 रन की शानदार पारी भी शामिल रही। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इस सीरीज के दौरान गिल ने वनडे क्रिकेट में 3,000 रन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 7,000 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया।

रोनाल्डिन्हो की वापसी की चर्चा

दूसरी ओर, ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 46 वर्षीय रोनाल्डिन्हो ने इटली के सीरी-सी क्लब रावेना के साथ करार किया है। हालांकि शुरुआत में क्लब प्रबंधन ने साफ किया था कि उनकी भूमिका केवल मार्केटिंग और प्रमोशनल गतिविधियों तक सीमित रहेगी। लेकिन बाद में क्लब के उपाध्यक्ष अरिएदो ब्राइडा ने उनके मैदान पर उतरने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा, 'रोनाल्डिन्हो एक कालजयी खिलाड़ी हैं। उन्होंने रावेना के साथ अनुबंध किया है, जो हमारे क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि है। क्या वह खेलेंगे? यह अभी तय नहीं है, लेकिन इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता।'

'नई जर्सी, वही मुस्कान'

रोनाल्डिन्हो ने क्लब से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, 'नई जर्सी, लेकिन वही मुस्कान। मैं फिर से मैदान पर उतरने और इस क्लब के साथ नई कहानी लिखने के लिए उत्साहित हूं। फुटबॉल हमेशा मेरे लिए खुशी का माध्यम रहा है और मैं 'जोगा बोनितो' की उसी भावना को रावेना के साथ साझा करना चाहता हूं।' रोनाल्डिन्हो ने अपने पेशेवर करियर का आखिरी मुकाबला साल 2015 में फ्लूमिनेंसे के लिए खेला था। इसके बाद वह लगातार लेजेंड्स और एग्जीबिशन मैचों में हिस्सा लेते रहे हैं। अब रावेना के साथ उनका जुड़ना फुटबॉल जगत में एक बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है।

अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया, मेसी ने दागा छठा गोल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 में ग्रुप जे के दो मैच खेले गए। ये लीग राउंड के आखिरी दो मैच भी थे। भारत में 12 जून से शुरू हुआ लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी। यह मैच डलास स्टेडियम में खेला गया और डिफेंडिंग चैंपियन ने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि अल्जीरिया के सामने ऑस्ट्रिया की चुनौती थी। यह मुकाबला कैंसस सिटी में खेला गया। मैच में कांटे की टक्कर देखने को मिली और मैच 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रिया-अल्जीरिया नॉकआउट में

अर्जेंटीना-जॉर्डन मैच का हाल

24वें मिनट में अर्जेंटीना ने जियोवानी सेल्सो के गोल की बदौलत 1-0 की बढ़त बना ली थी। 31वें मिनट में जॉर्डन की टीम ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया। इसके बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी शूट अवॉर्ड किया गया। इस पर लौटारो मार्टिनेज ने गोल दाग अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। इसके बाद जॉर्डन के मूसा अल तमारी ने 55वें मिनट में गोल दाग स्कोर 2-1 कर दिया। मेसी ने 80वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 3-1 कर दिया। यह उनका इस विश्वकप में छह गोल हो गए हैं। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए वहीं, जॉर्डन की टीम विश्वकप से बाहर हो गई।

ऑस्ट्रिया-अल्जीरिया मैच का हाल

वहीं, ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया का मैच फिलहाल 2-2 की बराबरी पर है। मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दाग अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1-0 की बढ़त दिला दी थी। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल दाग स्कोर 1-1 कर दिया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल दागा और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने 60वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। गोल का सिलसिला यहीं नहीं रुका। चार मिनट का इंजरी टाइम दिया गया, जो बढ़कर सात मिनट का हो गया। रियाद महरेज ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल दाग अल्जीरिया को 3-2 से आगे कर दिया। ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रिया की टीम बाहर हो जाएगी, लेकिन मैच खत्म होने से चंद सेकंड पहले ऑस्ट्रिया ने गोल दागा। सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दाग स्कोर 3-3 कर दिया और इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर समाप्त हुआ। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली और ऑस्ट्रिया ने खुद को किसी भी तरह बचाकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। इस तरह ग्रुप जे से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों राउंड ऑफ 32 में पहुंचने में कामयाब रहे।

मेसी स्टार्टिंग लाइन अप में नहीं थे

आज के मुकाबले में लियोनल मेसी स्टार्टिंग लाइन अप का हिस्सा नहीं थे। वह 58वें मिनट में मैदान पर आए। ओटामेंडी ने उन्हें कैप्टन बैंड पहनाया। अर्जेंटीना की टीम का सामना राउंड ऑफ 32 में केप वर्डे से होगा। केप वर्डे ने अपने डेब्यू वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया और नॉकआउट में जगह बनाई।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष

पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।तीसरे गेम में भी श्रीकांत ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन ओकिमोटो ने स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। इसके बाद श्रीकांत ने लगातार छह अंक हासिल कर मैच पर पकड़ मजबूत की। अंत में अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए उन्होंने 21-19 से मुकाबला जीत लिया।

अब होगी चीनी ताइपे के खिलाड़ी से भिड़ंत

फाइनल में श्रीकांत का मुकाबला चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा। सु ने दूसरे सेमीफाइनल में भारत के युवा खिलाड़ी रौनक चौहान को सीधे गेमों में 21-17, 21-19 से हराया।

रौनक चौहान का यादगार अभियान खत्म

19 वर्षीय क्वालिफायर रौनक चौहान ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर के दोनों मुकाबले जीतने के बाद भारत के शंकर सुब्रमण्यम को हराया। इसके बाद उन्होंने दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को 21-17, 26-24 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिशा जिल्बरमैन को हराया, लेकिन सेमीफाइनल में लगातार मैच खेलने की थकान उन पर भारी पड़ी और उनका शानदार सफर समाप्त हो गया।

देविका सिहाग भी सेमीफाइनल में हारीं

महिला एकल में भारत की देविका सिहाग ने दूसरे वरीयता प्राप्त डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफर्सन के खिलाफ पहला गेम 21-15 से जीतकर शानदार शुरुआत की। हालांकि इसके बाद डेनमार्क की खिलाड़ी ने वापसी करते हुए अगले दोनों गेम 21-11 और 21-15 से जीत लिए।इस हार के साथ देविका का अभियान समाप्त हो गया, जबकि क्रिस्टोफर्सन ने पिछले साल मकाऊ ओपन के बाद पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

जॉर्डन के खिलाफ गोल से मेसी ने फीफा विश्वकप में फिर रचा इतिहास

न्यूयॉर्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने एक बार फिर फीफा विश्व कप के रिकॉर्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा दिया है। 2026 फीफा विश्व कप के ग्रुप छह के आखिरी मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ शानदार फ्री-किक पर गोल दागकर मेसी विश्व कप इतिहास में लगातार सात मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

तोड़ा जस्ट फॉन्टेन और जैरजिन्हो का रिकॉर्ड

इस गोल से पहले मेसी लगातार छह विश्व कप मैचों में गोल करने के मामले में फ्रांस के दिग्गज जस्ट फॉन्टेन और ब्राजील के महान खिलाड़ी जैरजिन्हो की बराबरी पर थे। लेकिन जॉर्डन के खिलाफ गोल करते ही उन्होंने दोनों को पीछे छोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।मेसी की यह ऐतिहासिक गोल करने की लय 2022 फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 से शुरू हुई थी और 2026 विश्व कप तक लगातार जारी है। फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उनकी यह निरंतरता और शानदार प्रदर्शन उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

11 गोल की ऐतिहासिक लय

इन लगातार सात विश्व कप मुकाबलों में मेसी ने कुल 11 गोल किए हैं। यह विश्व कप के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा लगातार मैचों में गोल करने का सबसे लंबा सिलसिला है। इस उपलब्धि के साथ मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि 39 वर्ष की उम्र में भी वह विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े सितारों में शामिल हैं और बड़े मुकाबलों में लगातार अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

अर्जेंटीना ने भी कायम रखी जीत की लय

मेसी के गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने ग्रुप चरण का अपना आखिरी मुकाबला भी जीतकर नॉकआउट चरण में मजबूत दावेदारी पेश की। टीम ने ग्रुप चरण के तीनों मैच जीतकर पूरे नौ अंकों के साथ अगले दौर में प्रवेश किया।

पहली बार अफ्रीका के 10 में से नौ देशों ने नॉकआउट में बनाई जगह

अटलांटा। फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। इस बार विश्व कप के लिए अफ्रीका की रिकॉर्ड 10 टीमों ने क्वालिफाई किया था और अब डीआर कांगो की उज्बेकिस्तान पर 3-1 की जीत तथा अल्जीरिया के ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 के रोमांचक ड्रॉ के बाद 10 में से 9 टीमें नॉकआउट स्टेज में पहुंच गई हैं। इससे पहले किसी एक विश्व कप में अफ्रीका की अधिकतम दो टीमें ही नॉकआउट तक पहुंच सकी थीं।टूर्नामेंट के 17 दिनों के खेल के बाद मोरक्को, दक्षिण अफ्रीका, सेनेगल, आइवरी कोस्ट, घाना, केप वर्डे, मिस्र, डीआर कांगो और अल्जीरिया ने राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई किया। चार साल पहले कतर विश्व कप में मोरक्को सेमीफाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बना था और इस बार भी उसने ब्राजील को 1-1 की बराबरी पर रोककर अपनी मजबूत दावेदारी दिखाई है।

अब तक केवल छह अफ्रीकी देश ही विश्व कप के नॉकआउट चरण तक पहुंच सके थे, जिनमें से कुछ ने यह उपलब्धि एक से अधिक बार हासिल की थी। हालांकि, किसी एक विश्व कप में सबसे ज्यादा दो अफ्रीकी टीमें ही नॉकआउट में पहुंची थीं। यह रिकॉर्ड 2014 और 2022 में बना था।

ग्रुप मुकाबले में डीआर कांगो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान को 3-1 से मात दी। इस जीत के साथ डीआर कांगो ने विश्व कप में 52 साल बाद जीत का स्वाद चखा। साथ ही टीम ने पहली बार नॉकआउट स्टेज के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। डीआर कांगो की ओर से योएन विसा ने दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मेयेले ने एक गोल किया।

डैनी वायट की तूफानी पारी से जीता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड हुआ बाहर

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में इंग्लैंड ने अपनी बादशाहत साबित करते हुए गत विजेता न्यूजीलैंड को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी है। केनिंग्टन ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर मिली इस शर्मनाक हार के साथ ही न्यूजीलैंड का इस टूर्नामेंट में सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया है और वह विश्व कप से बाहर हो गई है।

वायट और डंकले का तूफान, इंग्लैंड की धमाकेदार जीत

न्यूजीलैंड से मिले 164 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को इंग्लैंड की टीम ने बेहद आसानी से महज 1 विकेट खोकर 17.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। खराब फॉर्म से जूझ रही एमी जोन्स का फ्लॉप शो इस मैच में भी जारी रहा और वह सिर्फ 17 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। जोन्स का विकेट गिरने के बाद डैनी वायट और सोफी डंकले ने क्रीज पर मोर्चा संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने कीवी गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई और टीम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वायट और डंकले के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 128 रनों की नाबाद और अटूट साझेदारी हुई, जिसने इंग्लैंड को एकतरफा जीत दिला दी।

डैनी वायट ने खेली 89 रनों की नाबाद पारी

इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी वायट ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए मैदान के चारों तरफ चौके-छक्के बरसाए। उन्होंने सिर्फ 53 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 89 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 1 गगनचुंबी छक्का शामिल रहा। वहीं, दूसरी छोर पर उनका बखूबी साथ निभाते हुए सोफी डंकले 38 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 49 रन बनाकर नाबाद रहीं। न्यूजीलैंड की तरफ से एकमात्र सफलता गेंदबाज नेन्सी पटेल को मिली।

न्यूजीलैंड ने बनाए थे 163 रन, काम न आई अच्छी शुरुआत

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 163 रन टांगे थे। टीम को कप्तान अमेलिया केर और इसाबेला गेज ने बेहद मजबूत और दमदार शुरुआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 9.6 ओवरों में 70 रनों की साझेदारी की। हालांकि, गेज की पारी थोड़ी धीमी रही और वह 27 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान अमेलिया केर ने 34 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 42 रनों की कप्तानी पारी खेली।

इसके बाद सोफी डिवाइन ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्के जड़कर 30 रन बटोरे। मध्यक्रम में इजी शार्प बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सकीं और बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गईं। ब्रॉक हॉलिडे ने 17 गेंदों में 20 रनों का योगदान दिया, जबकि मेडी ग्रीन 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। वहीं सूजी बेट्स बदकिस्मत रहीं और 13 गेंदों में 19 रन बनाकर रनआउट हो गईं।

संक्षिप्त समाचार

सॉरी दीदी बोलकर करता था प्रैंक, व्यूज के लिए महिलाओं की जान जोखिम में डालने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेट मीडिया पर अधिक से अधिक व्यूज, फालोअर्स और मोनेटाइजेशन से कमाई के लालच में महिलाओं और लड़कियों को सड़क पर जानबूझकर निशाना बनाने वाले एक इंटरनेट मीडिया कंटेंट क्रिएटर को पश्चिमी जिला साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि सुभाष नगर निवासी 32 वर्षीय गुरमन सिंह उर्फ रोड सेफ्टी वाला महिलाओं की स्कूटी या बाइक में जानबूझकर टक्कर मारता, फिर सारी दीदी कहकर शक से बचने की कोशिश करता और पूरी घटना का वीडियो रिकार्ड कर फेसबुक व यूट्यूब पर अपलोड कर देता। पुलिस के अनुसार उसके यूट्यूब पर करीब 21 हजार और फेसबुक पर 2.10 लाख फालोअर्स हैं। उसके इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस तरह के दर्जनों वीडियो मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि दो जून को एक शिकायत दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उनकी दो बेटियां स्कूटी से जा रही थीं, तभी बाइक सवार दो युवकों ने पीछे से उनकी स्कूटी में जानबूझकर टक्कर मार दी। इसके बाद दोनों ने उनका पीछा किया, अभद्र टिप्पणियां कीं। कुछ दिन बाद शिकायतकर्ता को पता चला कि उनकी बेटियों के वीडियो यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज रोड सेफ्टी वाला पर अपलोड कर दिए गए हैं।

इसके बाद साइबर थाने में पुलिस ने तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पुलिस को मिले मोबाइल में रोड सेफ्टी वाला नाम का फेसबुक पेज और यूट्यूब चैनल मिला है। फोन से कई अन्य वीडियो, स्क्रीनशॉट, अकाउंट से जुड़ा डाटा और अन्य डिजिटल साक्ष्य भी बरामद किए गए।

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि वह अधिक व्यूज और फॉलोअर्स हासिल करने, वीडियो वायरल कराने तथा फेसबुक और यूट्यूब के मोनेटाइजेशन से कमाई करने के उद्देश्य से ऐसे वीडियो बनाता था। उसने यह भी स्वीकार किया कि महिलाओं और युवतियों को निशाना बनाने वाले वीडियो पर अधिक प्रतिक्रिया और व्यूज मिलते थे, इसलिए वह उन्हें ही जानबूझकर टारगेट करता था।

'अतिक्रमण' की जमीन कितनी, डीडीए को खुद नहीं पता! 3768 खाली संपत्तियों का ऑनलाइन ब्योरा जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने जमीन की धोखाधड़ी रोकने के लिए अपनी 3768 से अधिक खाली संपत्तियों का ब्योरा तो आनलाइन कर दिया, लेकिन उसकी कार्यशैली पर एक गंभीर सवालिया निशान भी खड़ा कर दिया है।

सवाल यह है कि डीडीए ने जो डेटा 'पूरी सार्वजनिक किया है, वह सिर्फ तरह खाली' प्लाटों का है या इनमें वो जमीनें भी शामिल हैं जिन पर भूमाफिया कुंडली मारकर बैठे हैं? सूत्रों की मानें तो डीडीए के पास फिलहाल इसका कोई साफ वर्गीकृत आंकड़ा नहीं है कि उसकी कितने एकड़ जमीन पर वास्तव में अवैध कब्जा या अतिक्रमण हो चुका है। डीडीए के 'वैकेंट लैंड मैनेजमेंट सिस्टम' (वीएलएमएस) के जरिए जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इंजीनियरिंग, हार्टिकल्चर व मैनेजमेंट विंग के कुल 3768 प्लाटों को वेबसाइट पर डाला गया है, लेकिन इस पूरी लिस्टिंग में सबसे बड़ा झोल यही है।

सिर्फ तापमान नहीं, जानलेवा उमस भी बढ़ा रही खतरा, क्लाइमेट सेंट्रल की रिपोर्ट ने चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी देश में गर्मी का प्रकोप बढ़ता है, तो अमूमन लोगों की जुबान पर एक ही सवाल होता है– 'आज पारा कितने डिग्री पहुंचा 42 डिग्री या 45 डिग्री' लेकिन पर्यावरण वैज्ञानिकों की मानें तो असली खतरा सिर्फ तापमान के इन आंकड़ों में नहीं, बल्कि हवा में घुली उस नमी (उमस) में छिपा है जो दिखाई नहीं देती। यही वजह है कि कई बार 38 डिग्री सेल्सियस की उमस भरी दोपहर, 44 डिग्री की सूखी गर्मी से कहीं ज्यादा जानलेवा महसूस होती है।

जलवायु परिवर्तन पर शोध करने वाली संस्था 'क्लाइमेट सेंट्रल' के एक नए और चौंकाने वाले विश्लेषण के मुताबिक, दुनिया भर में ऐसी खतरनाक उमस भरी गर्मी तेजी से बढ़ रही है। यह रिपोर्ट भारत जैसे घनी आबादी वाले देश के लिए एक गंभीर रेड अलर्ट है।

50 सालों में दोगुने से ज्यादा हुए खतरनाक दिन

रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि 1970 के दशक में दुनिया भर में औसतन केवल 10 दिन प्रति वर्ष ऐसे होते थे, जब गर्मी और नमी का मिश्रण मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता था। आज यह संख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 23 दिन प्रति वर्ष हो चुकी है।

वैज्ञानिकों का निष्कर्ष बेहद चिंताजनक है– 1970 के बाद से दुनिया में दर्ज किए गए लगभग 64% खतरनाक उमस भरे दिनों के पीछे सीधे तौर पर मानवजनित जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार है। साल 2025 में तो स्थिति और भयावह दिखी, जहां कुल 23 खतरनाक उमस भरे दिनों में से 19 दिन (लगभग 83%) सीधे तौर पर ग्लोबल वार्मिंग के कारण थे।

तटीय शहरों से लेकर गंगा के मैदानों तक संकट

भारत के लिए यह खबर इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ की एक बहुत बड़ी आबादी पहले से ही इस दोहरी मार को झेल रही है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, विशाखापट्टनम और कोच्चि जैसे तटीय शहरों में अक्सर लोग कहते हैं कि 'गर्मी से ज्यादा उमस मारती है।' अब यही स्थिति मानसून के आगे-पीछे गंगा के मैदानी इलाकों (उत्तर भारत) में भी तेजी से बन रही है, जहां पसीना तो निकलता है लेकिन हवा में भारी नमी के कारण वह सूख नहीं पाता।

- **क्यों खतरनाक है उमस भरी गर्मी?:** वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारा शरीर खुद को ठंडा रखने के लिए पसीना बहाता है। जब पसीना त्वचा से वाष्पित होता है, तो शरीर का तापमान कम होता है। लेकिन जब हवा में पहले से ही नमी बहुत अधिक हो, तो पसीना सूखने की यह प्रक्रिया बेहद धीमी पड़ जाती है। नतीजा यह होता है कि गर्मी शरीर के भीतर ही फंस जाती है।
- **इस स्थिति के कारण :** निर्जलीकरण और हीट एग्जॉशन का खतरा बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक, दिल का दौरा और सांस संबंधी बीमारियां जानलेवा हो सकती हैं।

वर्ष 2000 के बाद से दुनिया भर में अत्यधिक गर्मी के कारण ढाई लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं और मजदूर सबसे ज्यादा जोखिम पर हैं।

- **क्या है 'वेट बल्ब तापमान' की चेतावनी?:** इस खतरे की गंभीरता को मापने के लिए वैज्ञानिक 'वेट बल्ब तापमान' का उपयोग करते हैं, जिसमें तापमान के साथ-साथ हवा की नमी को भी जोड़ा जाता है। 'क्लाइमेट सेंट्रल' ने 25 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक के वेट बल्ब तापमान को 'खतरनाक' श्रेणी में रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 961 शहरों में से 69% शहरों में जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसे खतरनाक दिनों की संख्या बढ़ी है।
- **विशेषज्ञों ने क्या कहा?:** कैटलिन ट्रूडो (एप्लाइड क्लाइमेट साइंटिस्ट, क्लाइमेट सेंट्रल): 'खतरनाक उमस भरी गर्मी अब कोई दुर्लभ घटना नहीं रह गई है। यह कई जगहों पर रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है और परिस्थितियां मानव शरीर की सहनशक्ति की सीमाओं को पार कर रही हैं।' डॉ. लिसा पटेल (बाल रोग विशेषज्ञ, स्टैनफोर्ड चिल्ड्रेन्स हेल्थ): 'यह एक बड़ी चेतावनी है। 1970 के दशक की तुलना में यह खतरा दोगुना हो चुका है और इसके घातक असर अब हमारे बच्चों और मरीजों पर साफ दिखाई देने लगे हैं।'

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ का घोटाला मामले में एसीबी का बड़ा एक्शन, हिरासत में लिए गए छह संदिग्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के दवा एवं उपकरण खरीद घोटाले की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और खरीद प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों समेत छह संदिग्ध को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

कुछ और लोग होंगे गिरफ्तार: बताया जा रहा है कि वर्तमान प्रभारी डीजीएचएस डॉ. सुषमा जैन से भी इस मामले में पूछताछ की गई है और विभागीय रिकॉर्ड तथा खरीद प्रक्रियाओं से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं। मामले में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश के बाद जांच की कार्रवाई में तेजी आई है। एसीबी सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में सामने आ रहे तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इनमें कुछ को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों से अलग-अलग स्तर पर पूछताछ जारी है। जांच एजेंसियां खरीद प्रक्रिया, टेंडर मंजूरी, सप्लाई, भुगतान और संबंधित कंपनियों की भूमिका को लेकर जानकारी जुटा रही हैं। पूछताछ पूरी होने के बाद जिन लोगों की गिरफ्तारी आवश्यक समझी जाएगी, उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी और उसकी अनुसार जानकारी भी दी जाएगी।

क्या है मामला?

मामला केंद्रीय प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से दिल्ली सरकार के अस्पतालों के लिए दवाओं, सर्जिकल सामग्री, चिकित्सा उपकरणों और अन्य स्वास्थ्य सामग्रियों की खरीद में की गई अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप हैं कि टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर, बाजार दर से अधिक कीमतों पर खरीद, बिना आवश्यकता और डिमांड के खरीद, नियमों की अनदेखी और सप्लायर्स को अनुचित लाभ पहुंचाने जैसी गंभीर गड़बड़ियां हुईं। इस मामले में सीपीए के पूर्व प्रमुख डॉ. विनोद कुमार रंगा को एसीबी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि पूर्व महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (डीजीएचएस) डा. वत्सला अग्रवाल पहले निलंबित किया गया और बाद में उनके सहित उप नियंत्रक लेखा नीरज चोपड़ा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत एफआइआर दर्ज की गई। इस संबंध में प्रभारी डीजीएचएस डॉ. सुषमा जैन का पक्ष जानने के लिए उन्हें फोन किया गया पर, उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद उन्हें वाट्सएप और एसएमएस के माध्यम से संदेश भेजा गया, लेकिन उन्होंने उसका कोई उत्तर नहीं दिया।

कराची में पाक रेंजर्स हेडक्वार्टर के पास आत्मघाती हमला, 4 सुरक्षाकर्मियों और 6 आतंकियों की मौत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का कराची शहर शनिवार को एक भीषण आतंकी हमले से दहल उठा। शहर के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके के ब्लॉक-9 और यूनिवर्सिटी रोड के पास जोरदार धमाकों और भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इन हमलों में चार पाक रेंजर्स जवानों की मौत हो गई। जवाबी कार्रवाई में छह आतंकी मारे गए, जबकि एक आतंकी को घायल हालत में गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, एक आत्मघाती हमलावर ने पाकिस्तान रेंजर्स के एक कैंप को निशाना बनाकर विस्फोट किया।

फलों के कचरे से बन रहा है इको-फ्रेंडली लेदर, रामजस कॉलेज के छात्रों का शानदार मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस फल के छिलके और जैविक कचरे को आमतौर पर बेकार समझकर कूड़ेदान में फेंक दिया जाता है, वही भविष्य में फैशन उद्योग का महत्वपूर्ण कच्चा माल बन सकता है। डीयू के रामजस कालेज के छात्रों ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जो न केवल बढ़ते कचरे की समस्या का

समाधान प्रस्तुत करती है, बल्कि पशु-आधारित चमड़ा उद्योग के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों को कम करने की दिशा में भी काम कर रही है।

एनैक्टस रामजस का 'प्रोजेक्ट स्वबुन' इसी सोच का परिणाम है, जिसके तहत फलों के कचरे से प्लांट-बेस्ड या एथिकल लेदर विकसित किया जा रहा है।

परियोजना का नेतृत्व नमन राजपाल और आस्था निषाद कर रहे हैं, जबकि कनिष्का यादव इसकी अध्यक्ष हैं। आर्यन, दक्षा, वृंदा, ईशा समेत करीब 20 छात्र-छात्राओं की टीम इस परियोजना से जुड़ी हुई है।

क्यों जरूरी है एथिकल लेदर?: भारत का चमड़ा उद्योग 13 अरब डालर से अधिक का माना जाता है और लगातार विस्तार कर रहा है। उद्योग की मांग पूरी करने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में पशुओं की खाल का उपयोग किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार चमड़ा उद्योग केवल पशु कल्याण का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध जल संकट, कार्बन उत्सर्जन, रासायनिक प्रदूषण और वनों की कटाई जैसी समस्याओं से भी है।

दूसरी बड़ी चुनौती : बढ़ता जैविक कचरा : देश के अधिकांश शहर कचरा प्रबंधन की समस्या से जूझ रहे हैं। घरों, बाजारों, जूस की दुकानों और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों से बड़ी मात्रा में फल और खाद्य अपशिष्ट निकलता है। इनमें से अधिकांश कचरा लैंडफिल तक पहुंच जाता है। आंकड़ों के अनुसार नगर निकायों द्वारा कचरा एकत्र तो कर लिया जाता है, लेकिन केवल 40 से 45 प्रतिशत कचरे का ही स्रोत स्तर पर पृथक्करण हो पाता है। परिणामस्वरूप जैविक कचरा सड़कर मीथेन गैस छोड़ता है, जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देती है।

कैसे काम करता है मॉडल?: प्रोजेक्ट स्वबुन का नवीनतम आयाम 'सेहर' फलों के कचरे को उपयोगी उत्पाद में बदलने पर आधारित है। कच्चा माल जैसे केले के छिलके, संतरे के छिलके, आम के छिलके, फलों का गूदा, जूस दुकानों और फूड प्रोसेसिंग इकाइयों का अपशिष्ट।

भारत के तीन किशोरों ने रचा इतिहास

प्लास-स्टिक से जीता दुनिया का सबसे बड़ा क्लाइमेट अवॉर्ड

जेनेवा, एजेंसी। भारत के तीन 16 वर्षीय छात्रों अव्याना मेहता, एरियाना अग्रवाल और विवान छावछरिया ने अपने अभिनव आविष्कार प्लास-स्टिक के लिए विश्व के सबसे बड़े युवा पर्यावरण पुरस्कार द अर्थ प्राइज़ का सर्वोच्च सम्मान हासिल किया। यह पहली बार है जब भारत की किसी टीम ने यह वैश्विक पुरस्कार जीता है। पुरस्कार समारोह 29 मई को ल्द्गठ्ठद्ग1ड्ड में आयोजित हुआ। दुनिया भर से आए हजारों प्रोजेक्ट्स में से सात क्षेत्रीय फाइनलिस्ट चुने गए थे और लगभग 23,000 लोगों की सार्वजनिक वोटिंग के आधार पर भारतीय टीम को विजेता घोषित किया गया। पुरस्कार जीतने के बाद तीनों छात्रों ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य इस तकनीक को बड़े स्तर पर विकसित करना और भारत के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ पेयजल की समस्या से जूझ रहे लोगों को इसका लाभ मिल सके।

क्या है प्लास-स्टिक ?: प्लास-स्टिक एक विशेष पाउडर है, जिसे इमली के बेकार (अपशिष्ट) बीजों से तैयार किया गया है। इस पाउडर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पानी में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक के बेहद छोटे-छोटे कणों को आपस में जोड़कर बड़े गुच्छों में बदल देता है। इसके बाद इन कणों को पानी से आसानी

से अलग किया जा सकता है।

कैसे आया यह विचार?: छात्रों ने बताया कि एक दिन उन्होंने एक छोटे बच्चे को बड़े प्लास्टिक कंटेनर से सीधे पानी पीते देखा।

शॉपिंग कर रहे लोगों की भीड़ पर जा चढ़ी कार, मच गई अफरा-तफरी, ब्रिटिश नागरिक निकला हमलावर

लंदन , एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के पश्चिमी हिस्से में स्थित ईलिंग ब्रॉडवे की व्यस्त शॉपिंग स्ट्रीट पर शनिवार दोपहर एक कार ने कई पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को अस्पताल में भर्ती कराया गया। राहत की बात यह है कि पुलिस के अनुसार किसी भी घायल की हालत फिलहाल जानलेवा नहीं है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 2ञ्30 बजे हुई। टक्कर मारने के बाद 34 वर्षीय सोमाली मूल का ब्रिटिश चालक घटनास्थल से भाग गया। हालांकि पुलिस ने कुछ ही देर बाद पास के ग्रेंज पार्क इलाके में उसे रोक लिया और हत्या के प्रयास तथा खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

शुरुआती जांच में आतंकवाद-रोधी पुलिस भी शामिल हुई थी, लेकिन

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल इस घटना को आतंकवादी हमला नहीं माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और घटना के पीछे की मंशा (मोटिव) का पता लगाया जा रहा है। अधिकारी सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि सड़क पर घायल लोगों का उपचार किया जा रहा था, जबकि आसपास मौजूद दर्जनों खरीदार घबराए हुए खड़े थे। लंदन एम्बुलेंस सर्विस ने बताया कि कई एंबुलेंस, पैरामेडिक टीमें और एक एयर एंबुलेंस को भी मौके पर भेजा गया। एक घायल को मेजर ट्रॉमा सेंटर और दो अन्य को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया।

अर्जेंटीना में सियासी भूचाल

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच राष्ट्रपति के सहयोगी का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के कैबिनेट चीफ और करीबी सहयोगी मैनुअल एडोर्नी ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा एक ऐसे भ्रष्टाचार मामले के बाद आया है जिसने लिबर्टेरियन सरकार को हिलाकर रख दिया है और राजनीतिक व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के उनके प्रमुख चुनावी वादे को भी कमजोर कर दिया है।

राष्ट्रपति के सबसे भरोसेमंद सहयोगी का जाना: एडोर्नी का इस्तीफा राष्ट्रपति माइली के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे उनके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों में शामिल रहे हैं। माइली के पूर्व प्रवक्ता के रूप में एडोर्नी वर्ष 2023 में उनके सख्त मितव्ययिता अभियान और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडे का प्रमुख चेहरा बनकर उभरे थे।

विवादों के घेरे में आए एडोर्नी: राजनीति से बाहर की पृष्ठभूमि रखने वाले एडोर्नी पिछले कुछ महीनों से लगातार विवादों में रहे। उन पर फिजूलखर्ची और महंगी रियल एस्टेट संपत्तियां खरीदने के आरोप लगे। पिछले वर्ष माइली ने उन्हें कैबिनेट चीफ नियुक्त किया था, जिसके बाद गवर्नरों और कांग्रेस के अन्य हितधारकों के साथ बातचीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो गई थी।

अवैध संपत्ति के आरोपों की जांच: संघीय अभियोजक एडोर्नी की कथित अवैध संपत्ति की जांच

कर रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने अपनी आय से कहीं अधिक खर्च और संपत्ति अर्जित की। विडंबना यह है कि माइली और एडोर्नी स्वयं लंबे समय तक विपक्ष पर इसी तरह की फिजूलखर्ची और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते रहे थे। हालांकि एडोर्नी ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से साफ इनकार किया है।

इस्तीफा में क्या लिखा?: माइली को लिखे अपने इस्तीफा पत्र, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा किया, में एडोर्नी ने लिखा, '10 दिसंबर, 2023 के बाद पहली बार मैं आपकी इच्छा के खिलाफ जा रहा हूं।' यह वही तारीख है जब माइली ने राष्ट्रपति पद संभाला था। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझ पर हमेशा भरोसा करने और इस अन्यायपूर्ण, पीड़ादायक तथा थका देने वाली प्रक्रिया के दौरान मेरा और मेरे परिवार का साथ देने के लिए आपका धन्यवाद।'

माइली ने किया बचाव: अब तक राष्ट्रपति माइली अपने कैबिनेट चीफ का लगातार बचाव करते रहे हैं। हालांकि इस विवाद से उनकी सरकार की छवि प्रभावित हुई है। इससे सहयोगी दलों के साथ उनकी राजनीतिक पकड़ कमजोर हुई है और महंगाई से जूझ रहे लोगों के बीच खर्च में कटौती को लेकर उनकी सरकार का संदेश भी कमजोर पड़ा है। पिछले सप्ताह स्पेन यात्रा के दौरान माइली ने स्थानीय मीडिया से कहा, 'मैनुअल निर्दोष हैं। मैं आखिरी दम तक अपने मंत्रियों के साथ खड़ा रहूंगा।'

करीना माइली ने भी जताया समर्थन: माइली के प्रवक्ता ने एडोर्नी के इस्तीफे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं राष्ट्रपति की बहन और शीर्ष सलाहकार करीना माइली ने एडोर्नी के काम की सराहना करते हुए उन्हें लिबर्टेरियन पार्टी का 'ईमानदार, मूल्यवान और बेहद प्रिय' सदस्य बताया।

निजी जिंदगी और खर्चों पर उठे सवाल: एडोर्नी की निजी जिंदगी पहली बार मार्च में विवादों में आई, जब उनकी पत्नी, जो किसी सरकारी पद पर नहीं हैं, राष्ट्रपति के विमान से उनके साथ न्यूयॉर्क में आयोजित एक सम्मेलन में गईं। इसके कुछ ही दिन बाद एक वीडियो सामने आया, जिसमें एडोर्नी अपने परिवार के साथ निजी जेट से उरुग्वे के प्रसिद्ध पुंटा डेल एस्टे बीच रिजॉर्ट जाते दिखाई दिए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, माइली के सत्ता में आने के बाद उन्होंने ब्यूनस आयर्स में एक अपार्टमेंट और शहर के बाहर एक वीकेंड हाउस खरीदा। इसके अलावा उनकी अन्य आलीशान छुट्टियों की तस्वीरें भी सामने आईं, जिनमें अरूबा की पूरी तरह नकद भुगतान से की गई यात्रा भी शामिल थी।

एक साल से जारी विरोध प्रदर्शन के बीच राष्ट्रपति वुसिक ने छोड़ा पद, सर्बिया में जल्द हो सकते हैं चुनाव

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने घोषणा की है कि वह अगले कुछ हफ्तों में अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनके इस फैसले के बाद देश में समय से पहले चुनाव होने की संभावना बढ़ गई है। पिछले एक साल से छात्र और युवा संगठन सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और जल्द संसदीय चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

इस्तीफे और चुनाव की तारीख का इंतजार: शनिवार को राजधानी बेलग्रेड में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए वुसिक ने कहा कि वह कुछ सप्ताह तक ही राष्ट्रपति रहेंगे और उसके बाद इस्तीफा दे देंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस्तीफा कब देंगे और चुनाव की तारीख क्या होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में वह अपनी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी के लिए प्रचार करेंगे और उन्हें भरोसा है कि उनकी पार्टी पहले से भी बड़ी जीत दर्ज करेगी। सर्बिया के कानून के अनुसार वुसिक लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। उनका दूसरा कार्यकाल चल रहा है और नियमित राष्ट्रपति तथा संसदीय चुनाव अगले वर्ष होने हैं। पिछले एक साल से देशभर में छात्र और युवा संगठन वुसिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वुसिक के शासन में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुई हैं और सरकार लगातार अधिक केंद्रीकृत तथा सख्त होती गई है।

संक्षिप्त समाचार

दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने टक्कर में महिला की मौत, एक युवक घायल

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल स्थित पेटरवार थाना क्षेत्र के रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग के चरगी स्थित नवा खाप मोड़ के पास दो मोटर साईकिलो की आमने सामने टक्कर में एक महिला 45 वर्ष और एक पुरुष उम्र 25 वर्ष बुरी तरह से घायल हो गए। वहीं पेटरवार पुलिस के सहयोग से 108 एम्बुलेंश के द्वारा पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रिंकु अदर्शी के द्वारा घायलों का ईलाज किया गया। वहीं ईलाज के दौरान डॉ रिंकु ने घायल महिला नूनकी देवी को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल युवक राजा बाबू कुमार साव का प्राथमिक उपचार किया गया। बताते चलें की मृतिका व घायल कसमार थाना क्षेत्र के बगियारी के टांगटोना पंचायत के निवासी है। जो रामगढ़ जिले के चितरपुर से अपनी माँ का इलाज करवा कर अपने घर लोट रहे थे इसी बिच पेटरवार थाना क्षेत्र के चरगी स्थित नवा खाप के पास एक अज्ञात मोटर साईकिल से टक्कर हो गया जिसमे राजा बाबू कुमार साव गंभीर रूप से घायल हो गया तथा उसकी मां की मौत हो गई।

एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े बीएलओ को सहयोग करने के लिए वॉलिंटियर्स को किया गया प्रशिक्षित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने आज न्यू टाउन हॉल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर 2026) में बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान वॉलिटियर्स को विभिन्न प्रपत्र, मतदाता सूची में एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट मतदाताओं से संबंधित जानकारी, गणना प्रपत्र इत्यादि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को त्रुटि रहित एवं समय पर संपन्न कराने के लिए

बीएलओ को सहायता प्रदान करने के लिए वॉलिंटियर्स को प्रशिक्षण दिया गया है। बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की प्रक्रियाओं को सुगम, समावेशी और शत-प्रतिशत त्रुटिहीन बनाना है, जिसमें वॉलेंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। वॉलेंटियर्स को उनके कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी विभिन्न जानकारी दी गई। अनुमंडल दंडाधिकारी ने सभी वॉलेंटियर्स से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की अपील की। प्रशिक्षण में अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे के साथ उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, अंचल अधिकारी धनबाद राम प्रवेश, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद उपस्थित रहे।

सेंट जेवियर्स विद्यालय में सी.आई.एस.सी.ई जोनल खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेंट जेवियर्स विद्यालय में सी.आई.एस.सी.ई जोनल खो-खो टूनार्मेंट 2026 का खेल भावना, अद्वितीय कौशल और अदम्य उत्साह के संगम के साथ आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण मिंज द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 7 विद्यालयों की कुल 25 टीमों ने प्रतिभागिता दर्ज कराई है । भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम के बावजूद विद्यार्थियों के उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना ने आज सेंट जेवियर्स विद्यालय के प्रांगण को खेलमय वातावरण से सराबोर कर दिया। खो-खो के मैदान पर खिलाड़ियों ने अपनी चपलता, रफ्तार और बेहतरीन रणनीति से दर्शकों और निर्णायकों का दिल जीत लिया। क अलग-अलग आयु

वर्ग जैसे- अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 के बॉयज एवं गर्ल्स के मैचों में खिलाड़ी अपनी टीम को जिताने के लिए पूरा जोर लगा दिया । अंडर 14 बॉयज में प्रथम पद सेंट जेवियर्स , दूसरा पद डीएनएस सीटीपीएस और तीसरा पद डीएनएस भूली ने प्राप्त किया । अंडर 14 गर्ल्स में प्रथम पद कार्मेल धनबाद दूसरा पद सेंट जेवियर्स और तीसरा पद डीएनएस सीटीपीएस ने प्राप्त किया । अंडर 17बॉयज में प्रथम पद सेंट जेवियर्स , दूसरा पद डीएनएस सीटीपीएस और तीसरा पद डीएनएस गोमोह ने प्राप्त किया । अंडर 17 गर्ल्स में प्रथम पद सेंट जेवियर्स , दूसरा पद कार्मेल धनबाद और तीसरा पद डीएनएस गोमोह ने प्राप्त किया । अंडर 19 बॉयज में प्रथम पद सेंट जेवियर्स और दूसरा पद डीएनएस भूली ने प्राप्त किया ।अंडर 19 गर्ल्स में प्रथम पद कार्मेल धनबाद, दूसरा पद डीएनएस भूली और तीसरा पद सेंट जेवियर्स ने प्राप्त किया । इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल न केवल हमारे शारीरिक सौष्ठव को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि हमारे भीतर सामूहिक सामंजस्य और अनुशासन की भावना को भी प्रगाढ़ करते हैं। टूनार्मेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह से हुआ । विजेता और उपविजेता टीमों को प्रधानाचार्य अरुण मिंज ने ट्रॉफी , मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया ।

मजदूर जनता दलयू की बैठक सह अभिनंदन समारोह संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मजदूर जनता दल यू. द्वारा रविवार को धनबाद परिसदन में एक दिवसीय बैठक सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मजदूर जदयू के जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के जिलाध्यक्ष पिन्टु कुमार सिंह, मजदूर जदयू के प्रभारी राजेन्द्र राही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव एवं प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह उपस्थित थे। बैठक में मजदूर जदयू का प्रथम सूची का जिला पदाधिकारीओं में उपाध्यक्ष राम आसेर लाल, किशोर मिश्रा, दीपेश चौधरी, महासचिव पवन कुमार गुप्ता, बिरेन्द्र कुमार, सचिव दीपक कुमार सिंह, संगठन सचिव विद्या भूषण पासवान, कोषाध्यक्ष गौतम कुमार सिंह को सर्वसम्मति से किया गया।इस कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों ने मजदूर जदयू के नये जिला अध्यक्ष सुभाष चन्द्र सिंह का अभिनंदन किया गया। अपने वक्ताओं ने नेताओं ने कहा कि उनके मनोनयन से पूरे जिले में मजदूर जदयू

का सगंठन काफी मजबूत होगी। इस कार्यक्रम में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि धनबाद में जितने भी आउटसोर्सिंग चलाया जा रह है उसमें ज्यादातर गैर कानूनी तरीके से चलाया जा रहा है और जितना सुविधा विस्थापन को मिलना चाहिए वह नहीं के बराबर है इन सारी मुद्दो को लेकर मजदूर जनता दल यू. अगस्त माह में कोयला भवन के सामने एक दिवसीय महाधरना देगी।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के जिलाध्यक्ष पिन्टु कुमार सिंह, मजदूर जदयू के प्रभारी राजेन्द्र राही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप यादव, प्रदेश महासचिव सुशील कुमार सिंह, प्रदेश सचिव राजु कुमार सिंह, विजय सिंह कुशवाहा, युवा जदयू के जिला अध्यक्ष बबलु मोदक, महिला जिला अध्यक्ष पुष्पा पाण्डेय, वुद्धिजीवि जिलाध्यक्ष अधिवक्ता दिलीप सिन्हा , महिला नेत्री रीता रानी मण्डल, धनबाद नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, शंकर चौरसिया, निवास गोप, गीता देवी, जिला उपाध्यक्ष अनिल सिन्हा, झप्पु सिन्हा इत्यादि उपस्थित थे।

सोशल मीडिया के माध्यम से हर पात्र मतदाता तक पहुंचे एसआईआर का संदेश : डीईओ सह डीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)- 2026 को लेकर गठित मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक की। वीडियो संवाद के माध्यम से सभी ईआरओ, एईआरओ, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ 29 एवं 30 जून 2026 को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, मतदान केंद्रों पर बीएलओ की बैठक, चुनाव पाठशाला तथा हैशटैग अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में डीईओ सह डीसी ने कहा कि सोशल मीडिया आम लोगों में जागरूकता लाने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी संबंधित पदाधिकारी इसका अधिकतम उपयोग करें, लेकिन तथ्यों की शुद्धता एवं सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी प्रतिदिन सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें, नियमित रूप से पोस्ट करें तथा पोस्ट करने से पूर्व उसकी तथ्यात्मक जांच अवश्य करें। साथ ही प्रतिदिन कम-से-कम एक से डेढ़ घंटे सोशल मीडिया गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करें। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 1581 मतदान केंद्रों पर 30 जून को सुबह 11:00 बजे से 12:00 बजे तक विशेष हैशटैग अभियान चलाया जाएगा। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं बीएलओ इस दौरान अधिक से अधिक पोस्ट करें। उन्होंने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की अग्रिम शेड्यूलिंग कर अभियान को प्रभावी बनाने का भी निर्देश दिया। डीईओ सह डीसी ने निर्देश दिया कि जिले के सभी बीएलओ 30 जून को सुबह 10:00 बजे अपने-अपने मतदान केंद्रों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें तथा मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं... को अभियान की मुख्य टैगलाइन बनाते हुए व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित की जाए। बैठक में मीडिया एवं कम्युनिकेशन गतिविधियों के प्रभावी संचालन, मतदान केंद्रों पर चुनाव पाठशाला के आयोजन तथा एसआईआर-2026 के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। मौके पर मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी के वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता (एसी) सुनील चन्द्र, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, डीपीआरओ रवि कुमार, डीआईओ धनंजय कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, डीपीओ यूआइडी शैलेन्द्र मिश्रा समेत अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

पोलियो पर देश की जीत बनाए रखने के लिए हर बच्चे को पिलाएं पोलियो की खुराक : सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को सदर अस्पताल सभागार में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि बोकारो जिले में इस अभियान के दौरान कुल 3,83,688 बच्चों तक पहुंचकर उन्हें पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले में 2,005 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बूथ डे के दौरान अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि हाउस-टू-हाउस अभियान के दौरान कम से कम बच्चों की पहचान करनी पड़े और निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहियाओं एवं अभियान से जुड़े कर्मियों से पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त देश है, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आते हैं। ऐसे में संक्रमण का खतरा

पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक अभियान में पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अभियान की थीम पोलियो पर जीत रहे बरकरार.. है, जिसे जनभागीदारी से सफल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. सेलिना टुडू, डॉ. निकैत चौधरी, पवन कुमार श्रीवास्तव, जिला महामारी विशेषज्ञ अमित कुमार, जिला लेखा प्रबंधक उर्मिला कुमारी, अभय कुमार, मोहम्मद असलम, फनी भूषण सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। अभियान के सफल संचालन एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए सभी को सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया।

परिवार के भरणपोषण के लिए सऊदी अरब कमाने गए सतेंद्र की सड़क दुर्घटना में मौत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोजगार की तलाश में विदेश गए झारखंड के प्रवासी मजदूरों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बोकारो जिले के

चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के केतवारी गांव निवासी 41 वर्षीय सत्येंद्र महतो की सऊदी अरब में सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। परिजनों ने भारत सरकार और राज्य सरकार से शव को जल्द स्वदेश लाने तथा परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है। मृतक सत्येंद्र महतो 26 नवंबर 2024 को रोजगार के लिए सऊदी अरब गए थे और वहां हमद सालेह अल-काफ कॉन्ट्रैक्टिंग एस्टैब्लिशमेंट में ट्रक चालक के रूप में कार्यरत थे। 25 जून की रात सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। सत्येंद्र अपने पीछे एक पुत्री प्रीति कुमारी और दो पुत्र अरविंद कुमार तथा मंगेश कुमार को छोड़ गए हैं। परिवार ने सरकार से शव को जल्द भारत लाने और आश्रितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है। प्रवासी मजदूरों के हित में कार्य करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में विदेश और दूसरे राज्यों में जाने वाले झारखंड के मजदूर लगातार हादसों का शिकार हो रहे हैं।

हाथियों का झुंड गोमिया के ग्रामीण क्षेत्रों में कर रहा है विचरण, ग्रामीणों में दहशत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के गोमिया क्षेत्र में हाथियों के बड़े झुंड ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। करीब 30 हाथियों का दल कई गांवों के आसपास डेरा डाले हुए है। खास बात यह है कि झुंड में 2 से 3 गर्भवती हथनियां शामिल हैं, जिसके कारण हाथियों के लंबे समय तक इलाके में रुकने और अधिक आक्रामक होने की आशंका जताई जा रही है। वन विभाग ने कई गांवों में हाई अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। गोमिया के गोपो, पालू, बड़की पुन्नू और कुसुमडीह-कानीडीह क्षेत्र के आसपास करीब 30 हाथियों का झुंड मौजूद है। वन विभाग

के अनुसार झुंड में गर्भवती हथनियां होने के कारण उनकी गति धीमी है और वे लंबे समय तक इसी क्षेत्र में रह सकते हैं। ऐसे समय में हाथियों के अधिक आक्रामक होने की संभावना रहती है। बोकारो वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे ने बताया है कि महुआटांड़, धवईया, सिमराबेड़ा, दरहाबेड़ा, कुसुमडीह, कानीडीह, गागा, टिकाहारा, फुटकाडीह और कंडेर गांवों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। लोगों से रात में घरों से बाहर नहीं निकलने, हाथियों के पास जाकर फोटो या सेल्फी नहीं लेने और उन्हें भगाने के लिए शोर-शराबा या ट्रैक्टर का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की गई है। वन विभाग ने इलाके में दो क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात कर दी हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि हाथियों को परेशान करने या नियमों का उल्लंघन करने वालों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला सशक्तिकरण को रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल की पहल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल ने रविवार को बस्ताकोला, धनबाद में आरसीडीसी सहेली सेंटर का शुभारंभ किया। इस केंद्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से दो पूर्णतः सुसज्जित सिलाई प्रशिक्षण कार्यस्थल स्थापित किए गए हैं। केंद्र में चार सिलाई मशीनें, अनुभवी प्रशिक्षिकाएँ तथा प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सभी संसाधनों की व्यवस्था की गई है। यहां महिलाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे वे स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन विनीत तुलस्यान ने कहा कि महिला सशक्तिकरण ही समाज के समग्र विकास की आधारशिला है

तथा यह केंद्र अनेक महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता और सम्मान का नया अध्याय जोड़ेगा। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अमरेश सिंह ने बताया की कालिंदी देवी स्कूल को पहले ही गोद लेकर बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है और आज महिलाओं के उत्थान के लिए सहेली सेंटर की स्थापना कराई गई। रोटरी क्लब धनबाद सेंट्रल भविष्य में बच्चों और महिलाओं के विकास के लिए सहेली सेंटर व स्कूल का स्थापना करेगी। कार्यक्रम में रोटेरियन अमरेश सिंह, रोटेरियन मनीष तायल, रोटेरियन अमित जैन, रोटेरियन राहुल डोका निया , रोटेरियन नितिन कोठारी, रोटेरियन अजय अग्रवाल, सहायक गवर्नर रोटेरियन दीपक कनोरिया, नीतू कनोरिया एवं रीना जालुका सहित क्लब के अनेक सदस्यों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

छापेमारी में अवैध पेट्रोल-डीजल एवं इथेनॉल भंडारण का भंडाफोड़

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी (चास) प्रांजल ढांडा के नेतृत्व में कार्यपालक दंडाधिकारी जया कुमारी, सेक्टर 12 थाना प्रभारी सुभाष चन्द्र सिंह एवं बालीडीह थाना प्रभारी संदीप व पुलिस बल द्वारा सेक्टर-12 एवं थाना क्षेत्र में औचक छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध रूप से पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल के भंडारण तथा क्रय-विक्रय के मामले का भंडाफोड़ किया गया। छापेमारी के दौरान विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में ड्रम में पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल का अवैध भंडारण पाया गया। पहले टीम द्वारा छापेमारी आरबीएस कॉलेज समीप सेक्टर 12 में तेल का टैंकर (एचपीसीएल ट्रांसपोर्टर) एवं ड्रम में भारी मात्रा में अवैध रूप से ड्रम में पेट्रोल - डीजल बरामद किया गया। वहीं, दूसरा बालीडीह थाना क्षेत्र बीपीसीएल प्लांट समीप सीमलदुही के समीप भी भारी मात्रा में ड्रम में पेट्रोल - डीजल एवं इथेनॉल टीम द्वारा बरामद किया गया। सभी को जब्त कर लिया गया है। टीम द्वारा तीसरे स्थान गरगा डैम समीप झोपरा में छापेमारी अभियान चलाया गया। जहां एक छोटा तेल टैंकर वाला वाहन,कुछ खाली ड्रम एवं कुछ सामग्री बरामद हुआ। एसडीओ चास ने स्पष्ट किया कि जन सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अवैध ईंधन कारोबार के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध भंडारण एवं कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल- इथेनॉल का भंडारण अथवा बिक्री की जानकारी मिलने पर इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। खबर लिखे जाने तक जब्त पेट्रोल - डीजल - इथेनॉल की मात्रा की मापी एवं एच.पी.सीएल एवं बी.पी.सीएल द्वारा आगे की कार्रवाई जारी थी। राधानगर में बीपीसीएल कंपनी के कर्मी संतोष प्रसाद पहुंच अग्रेत्तर कार्रवाई कर रहे थे।

साइकिल मैराथन के माध्यम से एड्स एवं पर्यावरण के प्रति लोगों को किया जागरूक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज्य युवा आयोग के द्वारा एड्स एवं पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आज बोकारो स्टील सिटी में साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। इस साइकिल मैराथन में ढाई सौ से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने फ्लैग ऑफ कर मैराथन की शुरूआत की। इस साइकिल मैराथन मैं 25 किलोमीटर और 2 किलोमीटर साइकिल रेस रखा गया था। इसका आयोजन एड्स के प्रति जागरूकता और पर्यावरण को बचाने का एक संदेश था। 25 किलोमीटर के साइकिल रेस में धनबाद जिले के राजगंज के रहने वाले ग्रामीण युवक रोहित कुमार रवानी प्रथम स्थान प्राप्त किया। रोहित कुमार रवानी ने बताया कि प्रतिदिन 2 घंटे साइकिल चलाने का काम करता है और 45 किलोमीटर की दूरी तय करता है। रोहित ने बताया कि पुरानी साइकिल से वह प्रैक्टिस करता है। वह नेशनल भी खेल चुका है।लेकिन साइकिल महंगा होने के कारण वह अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पा रहा है। रोहित ने सरकार से सहायता मिलने पर राज्य का नाम रोशन करने की बात कही है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने युवा आयोग के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज इसकी शुरूआत बोकारो से हुई है और समापन रांची में होगा ।जहां मुख्यमंत्री भी शिरकत करेंगे ।उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने से सेहत ठीक रहता है और महंगाई से भी राहत मिलेगी। युवा आयोग के अध्यक्ष कुमार गौरव ने बताया कि इसके पीछे मुख्य उद्देश्य एड्स बीमारी के प्रति जागरूकता और साथ ही साथ एक हरित राज्य की परिकल्पना को आगे बढ़ने की है। आज जितना पॉल्यूशन बढ़ रहा है बड़े-बड़े शहरों में आज सांस लेने योग्य नहीं है पर आप यह देखें कि झारखंड जो अपनी प्रकृति के लिए जाना जाता है। लोग साइकिल चलाएं साइकिल को अपने रोजमर्रा के जीवन में शामिल करें ताकि महंगाई से भी राहत मिले और जो देश डायबिटीज कैपिटल बन रहा है उससे भी बचा जा सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com